हिन्दी दैनिक
जोहार
प्रत्यूष नवबिहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● मंगलवार ● 23.06.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 326 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

लखनऊ : कोचिंग संस्थान में भीषण आग, 15 की मौत

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक कोचिंग संस्थान में लगी भीषण आग ने बड़ा हादसा पैदा कर दिया। इस दर्दनाक घटना में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य घायल हैं। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर लखनऊ पहुंचे और घटनास्थल तथा अस्पताल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

जानकारी के अनुसार, जिस इमारत में आग लगी, उसके निचले हिस्से में पालतू पशुओं की दुकान और क्लिनिक संचालित था, जबकि ऊपरी मंजिल पर एनिमेशन कोचिंग संस्थान चल रहा था। आग लगने के बाद इमारत में घना धुआं भर गया, जिससे कई छात्र अंदर फंस गए। जान बचाने के लिए कुछ छात्रों ने खिड़कियों और केबल के सहारे नीचे उतरने का प्रयास किया, जबकि कुछ ने ऊंचाई से छलांग लगा दी।

घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की 14 गाड़ियां और हाइड्रोलिक सीढ़ियों से लैस विशेष वाहन मौके पर पहुंचे। घने धुएं के कारण बचाव कार्य में काफी मुश्किलें आईं। दमकलकर्मियों ने बगल की इमारत की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया और फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी कमरों और शौचालयों की तलाशी के बाद रेस्क्यू अभियान पूरा किया गया।

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रेम राज सिंह ने बताया कि अस्पताल में 22 से 23 लोगों को लाया गया था, जिनमें 15 लोगों को मृत घोषित किया गया। अधिकांश मौतें दम घुटने के कारण हुई हैं। घायलों में छह की हालत स्थिर बताई जा रही है, जबकि दो गंभीर रूप से घायल मरीजों का इलाज जारी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद केजीएमयू पहुंचकर घायलों और मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक और गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को विस्तृत जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि हादसे की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित कई नेताओं ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि यह बेहद पीड़ादायक त्रासदी है और उन्होंने स्थिति का जायजा लेने के लिए तत्काल लखनऊ पहुंचने की बात कही।

पीएम ने जताया शोक, दो-दो लाख मुआवजे का एलान

लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी संदेश में कहा गया कि लखनऊ में हुई अग्नि दुर्घटना में जान-माल की क्षति बेहद दुखद है। प्रधानमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य जारी है और प्रशासन हर संभव सहायता उपलब्ध करा रहा है।

सीएम योगी लौटे लखनऊ

अग्निकांड की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपना अलीगढ़ दौरा बीच में ही रद्द कर दिया और लखनऊ लौट आए। मुख्यमंत्री ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली।

उच्च स्तरीय जांच के आदेश

मुख्यमंत्री ने हादसे की उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए हैं। साथ ही अधिकारियों को घायलों के बेहतर इलाज और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया है। प्रशासन की टीमें राहत कार्य में जुटी हुई हैं और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

मृतकों के परिवारों को हरसंभव मदद का भरोसा

राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों और घायलों को हरसंभव सहायता देने का भरोसा दिया है। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चारों तरफ से बंद इमारत बनी मौत का कारण

राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में सोमवार को हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे देश को झकझोर दिया। तीन मंजिला इमारत में लगी आग में अब तक 15 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई लोग घायल हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इमारत की संरचना ही हादसे के दौरान लोगों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गई।

प्रत्यक्षदर्शियों और शुरूआती जांच के अनुसार, इमारत तीन तरफ से दीवारों से घिरी हुई थी, जबकि सामने की ओर बड़े-बड़े शीशे लगे थे। अंदर-बाहर आने-जाने के लिए पर्याप्त निकासी मार्ग नहीं थे। आग लगने के बाद धुआं तेजी से पूरी इमारत में फैल गया और अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला।

आग और धुएं से घिरने के बाद कई युवाओं ने जान बचाने के लिए ऊपरी मंजिलों से छलांग लगा दी। एक छात्र पहली मंजिल से कूदकर नीचे लगी ग्रिल पर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। कई अन्य लोग भी कूदने के दौरान घायल हुए हैं।

अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, मृतकों में ज्यादातर की मौत आग की लपटों से नहीं बल्कि दम घुटने से हुई है। सभी मृतकों की उम्र लगभग 20 से 24 वर्ष के बीच बताई जा रही है। अधिकांश युवक-युवतियां इमारत में संचालित एनिमेशन प्रशिक्षण केंद्र से जुड़े थे।

पुलिस के अनुसार, इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर एक पेट शॉप और क्लिनिक संचालित था, जबकि ऊपरी मंजिल पर एनिमेशन सेंटर चल रहा था। आग लगने के समय बड़ी संख्या में छात्र प्रशिक्षण ले रहे थे। बचाव अभियान के दौरान पेट शॉप में मौजूद कई जानवरों को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया।

घने धुएं और आग की वजह से बचाव कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों ने इमारत की पिछली दीवार तोड़कर अंदर फंसे लोगों तक पहुंच बनाई। हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म और विशेष उपकरणों की मदद से घायलों और शवों को बाहर निकाला गया।

शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका
छह सांसद एकनाथ शिंदे गुट में शामिल

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र की राजनीति में सोमवार को बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला, जब शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। इस घटनाक्रम को उद्धव ठाकरे गुट के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है।

मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में सांसद संजय हरिभाऊ जाधव, भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे, ओमप्रकाश भूपालसिंह निंबालकर, संजय दिना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख और नागेश बापूराव पाटिल अष्टिकर ने एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना की सदस्यता ग्रहण की।

इस मौके पर एकनाथ शिंदे ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे और आनंद दिघे की विचारधारा वाली असली शिवसेना में इन सभी सांसदों का स्वागत है। उन्होंने कहा कि 2022 में 40 विधायकों के साथ शुरू हुई बगावत का यह दूसरा चरण है और अब छह सांसदों के आने से पार्टी और मजबूत हुई है।

शिंदे ने कहा, आज हमारे साथ छह टाइगर जुड़े हैं। हमने शिवसेना और बालासाहेब ठाकरे के विचारों को बचाने के लिए संघर्ष किया था और आज भी उसी मिशन पर काम कर रहे हैं।

दूसरी ओर, आदित्य ठाकरे ने बागी सांसदों पर हमला बोलते हुए कहा कि वे अपनी व्यक्तिगत ताकत से नहीं जीते थे, बल्कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व, भाजपा विरोधी जनादेश और महा विकास अघाड़ी की सामूहिक ताकत की बदौलत संसद पहुंचे थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि इन सांसदों ने भाजपा के दबाव में आकर यह फैसला लिया है और जनता इसका जवाब देगी।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने दिया इस्तीफा

लंदन : ब्रिटेन की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने लेबर पार्टी के नेतृत्व और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी है। उनके इस्तीफे के बाद ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहैम को पार्टी का नया नेता और संभावित प्रधानमंत्री पद का प्रमुख दावेदार माना जा रहा है। इस्तीफे की घोषणा करते हुए कीर स्टार्मर ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में देशहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने पार्टी को नए नेतृत्व के साथ आगे बढ़ने की जरूरत बताते हुए अपने उत्तराधिकारी को पूरा समर्थन देने की बात कही। स्टार्मर के इस्तीफे के साथ ब्रिटेन की राजनीति में नए नेतृत्व को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

री-नीट परीक्षा में सॉल्वर गैंग का भंडाफोड़, 9 स्कॉलर गिरफ्तार

एजेंसी

लखीसराय : नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा के दौरान बिहार के लखीसराय में सॉल्वर गैंग का बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर दूसरे अभ्यर्थियों की जगह परीक्षा दे रहे 9 स्कॉलर्स को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के बाद शिक्षा जगत और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपित केंद्रीय विद्यालय लखीसराय, प्लस टू राजकीय हसनपुर उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा केआरके प्लस टू स्कूल में दूसरे परीक्षार्थियों के स्थान पर परीक्षा दे रहे थे। जांच के दौरान उनकी पहचान संदिग्ध पाई गई, जिसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए अधिकांश स्कॉलर मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्र हैं। पुलिस को आशंका है कि इस गिरोह के तार कुछ डॉक्टरों और संगठित नेटवर्क से भी जुड़े हो सकते हैं। इसी पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच का दायरा बढ़ाया गया है।

शुभेंदु सरकार ने खोला खजाना : एक लाख सरकारी नौकरियों का एलान

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 का पहला पूर्ण बजट पेश करते हुए रोजगार, महिला सशक्तिकरण, सरकारी कर्मचारियों और सामाजिक कल्याण से जुड़ी कई बड़ी घोषणाएं की हैं। राज्य के वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने विधानसभा में बजट पेश करते हुए विकास और जनकल्याण को सरकार की प्राथमिकता बताया।

बजट में राज्य में एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती का ऐलान किया गया है। सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाएगा। भर्ती अभियान के तहत शिक्षा विभाग में 50 हजार शिक्षकों और पुलिस विभाग में 20 हजार पदों को भरा जाएगा।

राज्य सरकार ने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 34 प्रतिशत कर दिया है। इस फैसले से लाखों कर्मचारियों और पेंशनधारकों को सीधा लाभ मिलेगा।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए ह्यअन्नपूर्णा योजनाह्न शुरू करने की घोषणा की गई है। इस योजना के लिए 36 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा जारी रखने हेतु 550 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

सरकार ने हर थाने में महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती और प्रत्येक अनुमंडल में महिला थाना स्थापित करने की घोषणा की है। वहीं होमगार्ड, ग्रीन पुलिस और सिविक पुलिस के मानदेय में एक हजार रुपये प्रतिमाह की वृद्धि की गई है।

बजट में सेवानिवृत्त पत्रकारों को पांच हजार रुपये मासिक पेंशन देने का प्रावधान किया गया है। वहीं राजनीतिक कारणों से जेल जा चुके लोगों को दस हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन देने की घोषणा भी की गई है। सरकार ने 6 जुलाई को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर सरकारी अवकाश घोषित करने का निर्णय लिया है। उनकी स्मृति में 125 फीट ऊंची प्रतिमा, पुस्तकालय और शोध केंद्र के निर्माण के लिए 200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

इसके अलावा कालीघाट, तारापीठ और कंकालितला सहित प्रमुख शक्तिपीठों को जोड़ते हुए ह्यबंगाल शक्तिपीठ सर्किटह्न विकसित किया जाएगा। राज्य में ह्यटैगोर सांस्कृतिक केंद्रह्न की स्थापना की भी घोषणा की गई है।

बजट में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सभी खदानों की नीलामी ई-ऑक्शन के माध्यम से करने का फैसला लिया गया है। साथ ही सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को प्रोफेशनल टैक्स से छूट देने की घोषणा की गई है।

रोजगार, महिला कल्याण, कर्मचारियों को राहत और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर केंद्रित इस बजट को राज्य सरकार का महत्वाकांक्षी बजट माना जा रहा है।

एक नजर

पूर्व मंत्री ने ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन, सिंचाई के लिए होगी सुविधा

बड़कागांव : सिरमा पंचायत के ग्राम चोरका टोला बबन कट्टा में रमन कुमार एवं रामदेव साहू के नेतृत्व में ,पूर्व मंत्री योगेंद्र साहू के हाथों 63 केवीए बिजली ट्रांसफार्मर का उद्घाटन फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर किया गया। ट्रांसफार्मर उद्घाटन के पश्चात ग्रामीणों में काफी खुशी देखी गई। ग्रामीणों ने बताया कि इस बिजली ट्रांसफार्मर से सिंचाई के काम के अलावा घरेलू उपयोग में लाया जाएगा। वहीं ग्रामीणों ने पूर्व मंत्री से डीप बोरिंग कराने की मांग की है। ताकि खेतों की सिंचाई अच्छी तरह से हो सके। वहीं पूर्व मंत्री योगेंद्र साहू ने कहा कि आप लोग ग्राम सभा करके, आवेदन दीजिए डीसी से बात करके मैं आपका काम करवा दूंगा। उद्घाटन के मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिलदार अंसारी, रमन कुमार कुड़मि , टीकू कुड़मि महतो ,रामदेव साव, सुखदेव महतो, उमेश कुमार, प्रेम कुमार महतो, सुरेश कुड़मि महतो, राजेंद्र महतो, सचिन कुमार, उगन महतो, संतोष महतो, महादेव साव, लाला महतो, गणेश कुमार महतो, प्रभु महतो उपस्थित थे ।

बजरंग बली मंदिर प्राण प्रतिष्ठा 24 को, आज निकलेगी भव्य कलश यात्रा

हजारीबाग : शहर के गांधी मैदान के निकट ओमपुरी मोहल्ले में बजरंग बली मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान 24 जून को संपन्न होगा। उससे पहले प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान को लेकर 22 जून को भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, वहीं 23 जून को नगर भ्रमण का कार्यक्रम रखा गया है। ज्ञात हो कि ओमपुरी मोहल्ला वासी नंद किशोर ठाकुर के द्वारा बजरंग बली मंदिर का निर्माण कराया गया है। आयोजन को लेकर मोहल्ला वासियों में भारी उत्साह है और वे पूरी श्रद्धा भक्ति के साथ प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान को सफल बनाने में जुटे हैं।

थाना परिसर में मुहर्रम को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

पदमा : आगामी मुहर्रम त्योहार को शांति, आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ संपन्न कराने को लेकर पदमा थाना (ओपी) परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य लोगों ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी संचित कुमार दुबे ने कहा कि त्योहार के दौरान कानून–व्यवस्था बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों से पुलिस सख्ती से निपटेगी। खासकर सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी।मुहर्रम के जुलूस और आयोजन स्थलों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे ।भ्रामक और भड़काऊ पोस्ट शेयर करने वालों पर त्वरित कार्रवाई होगी। क्षेत्र में नशे के बढ़ते चलन को रोकने और इस पर लगाम लगाने के उपायों पर भी गंभीर चर्चा की गई।
प्रशासन ने सभी से शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील भी की है।

बिना फिटनेस वाहन, ओवरलोडिंग और ब्लैक स्पॉट पर होगी कड़ी कार्रवाई : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में शनिवार को उपायुक्त कक्ष में परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय कार्यों, प्रवर्तन कार्रवाई और सड़क सुरक्षा उपायों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बिना फिटनेस वाले वाहनों पर होगी कड़ी कार्रवाई

उपायुक्त ने कहा कि जिले में बड़ी संख्या में ऐसे वाहन चल रहे हैं जिनका फिटनेस प्रमाणपत्र समाप्त हो चुका है या फिटनेस जांच में असफल पाए गए हैं। उन्होंने जिला परिवहन पदाधिकारी को ऐसे वाहनों के विरुद्ध सघन अभियान चलाकर मोटर वाहन अधिनियम के तहत प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही विभाग के नीलाम पत्रों एवं लंबित वादों की समीक्षा कर त्वरित निष्पादन करने को कहा।

ब्लैक स्पॉट पर सुधार और ओवरलोडिंग पर नजर

सड़क सुरक्षा के तहत इचाक मोड़ पर चलाए गए अतिक्रमण मुक्त अभियान की समीक्षा हुई। उपायुक्त ने जिले के सभी दुर्घटना संभावित स्थलों यानी ब्लैक स्पॉट का नियमित निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक उपाय करने और दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सतत कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने ओवरलोडेड वाहनों की नियमित जांच और पेट्रोल पंपों के ट्रेड लाइसेंस, नाप-तौल व अन्य दस्तावेजों की जांच करने को कहा। नाप-तौल पदाधिकारी और जिला परिवहन पदाधिकारी को संयुक्त रूप से कम से कम पांच पेट्रोल पंपों की जांच करने का आदेश दिया गया।

सीमा क्षेत्रों में सघन जांच, नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक

उपायुक्त ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अवैध नशीले पदार्थों और प्रतिबंधित पशुओं की ढुलाई पर प्रभावी रोक लगाने के लिए नियमित जांच अभियान संचालित किए जाएं।

राजस्व और ई-वाहनों पर फोकस

राजस्व समीक्षा में जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि 1 जून 2026 से अब तक विभाग द्वारा 11 करोड़ 23 लाख रुपये का राजस्व संग्रहित किया गया है। उपायुक्त ने निर्धारित राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रभावी प्रवर्तन और निगरानी बढ़ाने को कहा। उन्होंने जिले में बिना निबंधन संचालित इलेक्ट्रिक वाहन टोटो, ऑटो, दो पहिया और निजी ई-वाहनों के संचालकों से अपील की कि 15 अगस्त तक अनिवार्य रूप से निबंधन करा लें। स्पष्ट किया कि 15 अगस्त के बाद बिना निबंधन चलने वाले वाहनों पर मोटर वाहन अधिनियम 1988 एवं 2019 संशोधन के प्रावधानों के तहत कार्रवाई होगी। इस संबंध में जिला परिवहन पदाधिकारी को आदेश निर्गत करने का निर्देश दिया गया।

एसआईआर अभियान को लेकर बीएलओ को दिया गया प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : प्रखंड परिसर स्थित नगर भवन में एसआईआर अभियान को लेकर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला आगामी 30 जून से शुरू होने वाले एसआईआर अभियान की तैयारियों को लेकर आयोजित की गई थी। जिसमें मुख्य रूप से अनुमंडल निर्वाचन पदाधिकारी जोहन टुड्डू, प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी जयपाल महतो एवं प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी सावना मांझी समेत सैकड़ो बीएलओ और सुपरवाइजर शामिल हुए। कार्यशाला में मौजूद सुपरवाइजर एवं बीएलओ को एसआईआर अभियान से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान गणना पत्रक को सही एवं त्रुटिहीन तरीके से भरने की प्रक्रिया समझाई गई। साथ ही बीएलओ ऐप के माध्यम से ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्राप्त फॉर्मो के सटीक सत्यापन की विधि तथा सर्वर पर रियल - टाइम डेटा एंट्री करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई, और तकनीकी समस्याओं से निपटने के उपाय भी बताए गए। इस प्रशिक्षण में मौजूद अनुमंडल निर्वाचन पदाधिकारी जोहन टुड्डू ने सभी सुपरवाइजर एवं बीएलओ को संबोधित करते हुए कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसीलिए सभी कर्मी अपने - अपने क्षेत्र में पूर्ण जिम्मेदारी, निष्पक्षता और तत्परता के साथ कार्य करें, ताकि शत - प्रतिशत सटीक आंकड़े जुटाए जा सकें। बता दें कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य 30 जून से शुरू होने वाले अभियान को पूरी तरह पारदर्शी और सफल बनाना है, ताकि आगामी प्रक्रियाओं में किसी भी प्रकार की त्रुटि या विसंगति ना रहें।

हजारीबाग में फिर परवान चढ़ रहा अवैध लॉटरी का कारोबार, चौक-चौराहों पर खुलेआम बिक रहे टिकट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : शहर में अवैध लॉटरी कारोबार एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गया है। हाल ही में शहर के व्यस्ततम इलाकों में से एक आनंदा चौक का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कथित रूप से लॉटरी टिकटों की बिक्री होती दिखाई दे रही है। वीडियो के सामने आने के बाद शहर में प्रशासनिक सक्रियता, निगरानी व्यवस्था और अवैध कारोबार पर नियंत्रण के दावों को लेकर नए सिरे से बहस छिड़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मामला केवल आनंदा चौक तक सीमित नहीं है। इंद्रपुरी चौक, बस स्टैंड, पेलावल, रोमी, झंडा चौक तथा शहर के अन्य कई इलाकों में भी लंबे समय से लॉटरी टिकटों की बिक्री की गतिविधियां देखी जाती रही हैं। लोगों का आरोप है कि समय-समय पर कार्रवाई और छापेमारी की खबरें सामने आती हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद वही कारोबार फिर से पहले की तरह शुरू हो जाता है। गरीबों को सपने, संचालकों को मुनाफा स्थानीय नागरिकों के अनुसार, इस कारोबार का सबसे बड़ा असर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग पर पड़ रहा है। मजदूर, रिक्शा चालक, दिहाड़ी कामगार और निम्न आय वर्ग के लोग जल्दी पैसे कमाने और बड़े इनाम जीतने की उम्मीद में टिकट खरीदते हैं। 120 रुपये, 240 रुपये, 360 रुपये, 480 रुपये और इससे भी अधिक कीमत वाले टिकट बाजार में बिकने की चर्चा है। टिकट बेचने वाले लोगों को लाखों रुपये के इनाम का सपना दिखाते हैं और यही सपना कई लोगों को अपनी मेहनत की कमाई खर्च करने के लिए प्रेरित करता है। सामाजिक कार्यकताओं का कहना है कि इस प्रकार के अवैध कारोबार का सबसे अधिक नुकसान गरीब परिवारों को उठाना पड़ता है। कई बार लोग छोटी-छोटी बचत भी ऐसे टिकटों में लगा देते हैं, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति और कमजोर हो जाती है। कार्रवाई होती है, लेकिन कारोबार बंद क्यों नहीं होता। सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि प्रशासन समय-समय पर कार्रवाई करता है तो फिर यह कारोबार पूरी तरह बंद क्यों नहीं हो पा रहा है। शहर के लोगों का कहना है कि अक्सर छोटे विक्रेताओं या टिकट बेचने वाले लोगों पर कार्रवाई की खबरें आती हैं, लेकिन इसके पीछे काम कर रहे बड़े नेटवर्क और कथित संचालकों तक कार्रवाई पहुंचती दिखाई नहीं देती।

योग दिवस के पावन अवसर पर एचजेडबी आरोग्यम कुणाल वूमेन एंड चिल्ड्रेन हॉस्पिटल ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एचजेडबी आरोग्यम कुणाल वूमेन एंड चिल्ड्रेन हॉस्पिटल द्वारा कनक रेजिडेंस, बंगाली कॉलोनी, हजारीबाग में निःशुल्क स्त्री रोग एवं बाल रोग स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर वार्ड संख्या-15 की पार्षद डॉ. अंशिका प्रिया के सौजन्य से आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं एवं बच्चों ने भाग लिया। शिविर में 150 महिलाओं एवं 110 बच्चों सहित कुल 260 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। महिलाओं की जांच एवं परामर्श स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वीटी द्वारा तथा बच्चों की जांच एवं उपचार संबंधी सलाह बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. दिलीप कुमार गुप्ता द्वारा दी गई। शिविर के दौरान डॉ. स्वीटी ने महिलाओं को गर्भावस्था, मातृ स्वास्थ्य, एनीमिया, हार्मोनल असंतुलन एवं अन्य स्त्री रोग संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूक करते हुए आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। वहीं डॉ. दिलीप कुमार गुप्ता ने बच्चों के स्वास्थ्य, संतुलित पोषण, समय पर टीकाकरण एवं मौसमी बीमारियों से बचाव को लेकर अभिभावकों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ जरूरतमंद मरीजों के बीच निःशुल्क दवाओं का भी वितरण किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त कर लोगों ने अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान कराया और शिविर की सराहना की। इस अवसर पर वार्ड पार्षद डॉ.अंशिका प्रिया ने कहा कि योग दिवस हमें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से ऐसे निःशुल्क चिकित्सा शिविर समाज के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। इससे आम लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उनके क्षेत्र में ही उपलब्ध हो जाती हैं। अस्पताल के निर्देशक हर्ष अजमेरा ने कहा कि योग और स्वास्थ्य एक-दूसरे के पूरक हैं। योग दिवस के पावन अवसर पर आयोजित इस शिविर का उद्देश्य लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना है। भविष्य में भी अस्पताल द्वारा जनहित में ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन जारी रहेगा। अस्पताल की प्रशासक जया सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास है कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें।

नाबालिग अपहरण मामले में पुलिस की त्वरित कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार

चौपारण : नाबालिग के अपहरण मामले में चौपारण पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी अभियुक्त चंदन राणा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर सक्रियता का संदेश गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चौपारण थाना कांड संख्या 158/26, दिनांक 21 जून 2026 के तहत दर्ज मामले में पुलिस ने कार्रवाई की। मामले में धारा 96/3(5) बीएनएस के तहत नामजद आरोपी चंदन राणा, पिता कपिलदेव राणा, ग्राम नावाडीह, थाना चौपारण, जिला हजारीबाग को गिरफ्तार किया गया। थानेदार पंकज कुमार ने कहा कि क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में महीनों से एंटी सीरम अनुपलब्ध, स्वास्थ्य मंत्री को ट्वीट कर की गई शिकायत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- गरीब मरीजों पर पड़ रहा भारी आर्थिक बोझ, बाहर से ये दवा खरीदने को मजबूर हो रहे हैं जरूरतमंद
- सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने अस्पताल प्रबंधन की कार्यशैली पर उठाए सवाल, तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग

हजारीबाग : शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल हजारीबाग में पिछले कई महीनों से एंटी-रेबीज सीरम रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन उपलब्ध नहीं है। इसके कारण अस्पताल पहुंचने वाले जरूरतमंद और गरीब मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कुत्ते या अन्य जानवरों के काटने के बाद गंभीर स्थिति में दिए जाने वाले इस जीवन रक्षक सीरम को मरीजों को मजबूरी में बाहर की दुकानों से मनमाने दामों पर खरीदना पड़ रहा है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के दिशा-निर्देश पर उनके हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने जिले के उपायुक्त हेमंत सती और सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी को ट्वीट के जरिए मामले की जानकारी दी है। उन्होंने ट्वीट कर इस समस्या पर तत्काल संज्ञान लेने और हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एंटी सीरम की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का म आग्रह किया है। सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने बताया कि हजारीबाग और आसपास के इलाकों से कमोबेश हर दो दिन दिन में ऐसे जरूरतमंद एनिमल बाइट के मरीज अस्पताल पहुंचते हैं, जिनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक उन्हें एंटी सीरम प्रिस्क्राइब करते हैं। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में यह सीरम उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को इसे बाहर से खरीदना पड़ता है, जो बेहद निराशाजनक है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल प्रबंधन को जनहित के ऐसे गंभीर मुद्दों से कोई सरोकार नहीं रह गया है। यही वजह है कि पिछले कई महीनों से एंटी सीरम जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण दवा की अनुपलब्धता होने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन द्वारा इसकी उपलब्धता को लेकर अब तक कोई ठोस पहल नहीं किया गया। रंजन चौधरी ने मांग किया कि मेडिकल कॉलेज प्रबंधन, जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इस मामले में त्वरित कार्रवाई करे ताकि गरीब मरीजों को मुफ्त इलाज का लाभ मिल सके।

संक्षिप्त खबरें

सदर थाना पुलिस का सुरक्षा अभियान, ब्लिंकित डिलीवरी बॉय को दिए सड़क सुरक्षा और नशा मुक्ति के टिप्स

हजारीबाग : पुलिस उपाधीक्षक सीसीआर अनवारुल हक के साथ सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत ब्लिंकित के वेयरहाउस में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डिलीवरी बॉय के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा और सतर्कता के गुर बताए गए। पुलिस अधिकारियों ने डिलीवरी बॉय को सड़क सुरक्षा संबंधी दिशा–निर्देश दिए। हेलमेट पहनना, ओवरस्पीड न करना, मोबाइल पर बात करते हुए गाड़ी न चलाना और ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की गई। रोज सड़कों पर निकलने वाले डिलीवरी कर्मियों को 'सुरक्षित चलो, घर सुरक्षित पहुंचो' का संदेश दिया गया। नशे के खिलाफ चेतावनी संवाद के दौरान मादक पदार्थ एवं नशे से दूर रहने के संबंध में भी जागरूक किया गया। पुलिस ने बताया कि नशा न केवल सेहत खराब करता है बल्कि दुर्घटना और अपराध का कारण भी बनता है। डिलीवरी के दौरान अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति नशे का सामान बेचता या मंगवाता दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। अधिकारियों ने अपील की कि मादक पदार्थ, ठगी या किसी भी आपराधिक गतिविधि की सूचना मिलते ही डायल 112 पर कॉल करें। 112 इमरजेंसी सेवा 24७7 उपलब्ध है और सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य शहरी क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही डिलीवरी सेवाओं से जुड़े युवाओं को सुरक्षित और जिम्मेदार बनाना था। ब्लिंकित प्रबंधन ने भी पुलिस के इस प्रयास की सराहना की। सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार ने कहा कि इस तरह का कार्यक्रम से यातायात नियमों का अनुपालन में मदद मिलेगा। इस तरह का मुहिम लगातार जारी रहेगा।

मैट्रिक में सफल विद्यार्थियों को कमल तुरी ने किया सम्मानित

बड़कागांव : तलसवार पंचायत अंतर्गत फादर ए. टी. थॉमस मेमोरियल स्कूल लमकीटांड में कमल तूरी की अध्यक्षता में मैट्रिक परीक्षा 2026 के उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं के बीच सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय से उत्तीर्ण 35 बच्चे एवं बच्चियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। जिसमें विद्यालय टॉपर बबी कुमार दास 83 प्रतिशत, आनंद कुमार 80 प्रतिशत, विकास कुमार 80 प्रतिशत समेत सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आयोजक कमल तुरी, फादर पीटर, सिस्टर अनुपा, फा. बिनोद, पेरी, सुशील, ग्रामीणों में कल्याण मिंज, राथो गंझु, नागेश्वर तुरी, किसुन तुरी, वार्ड सदस्य लवकुश तुरी, शिक्षक गोविंद पासवान, मुनेश्वर कुमार, पिंकी मिर्धा, संतोष राम, रेशमी खलखो, कैथरीन कुजुर, राजु मिर्धा, राजेश मिर्धा समेत सैकड़ों ग्रामीण एवं विद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

आजसू पार्टी की स्थापना दिवस सह जनाक्रोश मार्च के लिए बड़कागांव से सैकड़ो कार्यकर्ता हुए रवाना

बड़कागांव : आजसू पार्टी के 41 वां स्थापना दिवस सह जनाक्रोश मार्च का आयोजन सोमवार को धनबाद में किया गया। जिसको लेकर पूरे झारखंड से हजारों हजार की संख्या में कार्यकर्ता धनबाद पहुंचे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बड़कागांव प्रखंड से सैकड़ो कार्यकर्ता रवाना हुए। कार्यकताओं ने सुदेश, चंद्र प्रकाश जिंदाबाद तिवारी महतो के समर्थन में नारे लगाए। मौके पर उपस्थित आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा, कामेश्वर महतो सहित सभी कार्यकताओं ने एक स्वर में कहा कि राज्य में अराजकता चरम सीमा पर है। चारों ओर लूट खसोट मचा हुआ है। इसी को लेकर हम सभी पार्टी के कार्यकर्ता एकजुट होकर भ्रष्टाचारी सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेंगे। धनबाद जाने वालों से सीकरी पंचायत के मुखिया प्रभु महतो, आजसू पार्टी केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा, कामेश्वर महतो ,राजा खान ,जिला सहसचिव दिनेश महतो, जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र प्रसाद ,प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा ,युवा प्रखंड अध्यक्ष नारायण प्रसाद ,पप्पू प्रसाद, तुलेश्वर महतो, महेंद्र महतो ,कमल देव कुमार ,सहदेव महतो ,सुरेश प्रसाद, सनी दयाल, आशीष कुमार ,कीर्ति नाथ कुमार, भीम गिरी, सुधीर प्रभाकर, कुलदीप महतो,सुनील कुमार, शंकर साहू सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

पूर्व विधायक अम्बा प्रसाद ने लगाया जनता दरबार, कई लोगों की समस्याएं हुई दूर

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत बरवाडीह गांव स्थित समाधान भवन में पूर्व विधायक अम्बा प्रसाद के द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान भारी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याओं को लेकर जनता दरबार में पहुंचे थे। एवं अंबा प्रसाद से समस्याओं को दूर कराने का आग्रह किया। मौके पर ही अंबा प्रसाद ने डीसी, एसपी, बीडीओ, सीओ, थाना प्रभारी को फोन कर, लोगों की समस्या को दूर कराने का प्रयास किया। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप सेबीस सुत्रीअध्यक्ष हाजी तबसुम, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौब, प्रखंड अध्यक्ष सुरेश महतो, मंडल अध्यक्ष श्याम कुमार भार्गव, जमाल सागीर, विक्रम गुप्ता, उमाशंकर गुप्ता गौतम कुशवाहा, आनंद मेहता ,चंदन कुमार, उर्मिला देवी, शर्मिला देवी, राधा देवी ,कविता कुमारी, डॉक्टर विकास कुमार मेहरा, प्रेम राणा,मोहम्मद अकील जुनेद आलम, परमेश्वर कुमार ,विजय कुमार , रितेश ठाकुर, फिरोज अंसारी, मंजर अली सुमन कुमारी ,सुरेश राम ,लोकेश कुमार विवेक चौरसिया ,अमित कुमार राणा सुमित शुक्ला उपस्थित थे।

भीषण गर्मी के बीच झारखंड को मिलेगी 680 मेगावाट अतिरिक्त बिजली, सरकार ने तेज की तैयारी

पतरातू ताप विद्युत परियोजना (पीटीपीएस) की दूसरी यूनिट से जल्द बिजली आपूर्ति शुरू कराने की पहल तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में भीषण गर्मी और लगातार बढ़ रही बिजली मांग के बीच राहत की खबर सामने आई है। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) ने पतरातू ताप विद्युत परियोजना (पीटीपीएस) की दूसरी यूनिट से जल्द बिजली आपूर्ति शुरू कराने की पहल तेज कर दी है। इस यूनिट के चालू होने पर राज्य को अतिरिक्त 680 मेगावाट बिजली उपलब्ध होगी, जिससे आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

पतरातू परियोजना की पहली यूनिट से झारखंड को पहले ही 680 मेगावाट बिजली मिल रही है। दूसरी यूनिट के शुरू होने के बाद राज्य की बिजली उपलब्धता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

डीवीसी क्षेत्र की बिजली समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) और जेबीवीएनएल के बीच संयुक्त उद्यम बनाने पर सहमति बनी है। यह संयुक्त उद्यम सात जिलों की बिजली वितरण व्यवस्था का विस्तृत अध्ययन कर सुधार संबंधी कार्ययोजना तैयार करेगा। इस दिशा में आगे की रणनीति तय करने के लिए ऊर्जा सचिव जल्द ही दिल्ली में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

सरकार को उम्मीद है कि पतरातू परियोजना की दूसरी यूनिट शुरू होने के बाद राज्य में बिजली संकट की स्थिति काफी हद तक नियंत्रित होगी और उपभोक्ताओं को बेहतर आपूर्ति मिल सकेगी।

जून अंत या जुलाई से शुरू हो सकती है आपूर्ति

ऊर्जा सचिव के. श्रीनिवासन के निर्देश पर जेबीवीएनएल के महाप्रबंधक संजय कुमार सिंह ने पीवीयूएनएल को पत्र भेजकर दूसरी यूनिट से शीघ्र बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। 800 मेगावाट क्षमता वाली इस यूनिट का वर्तमान में वाणिज्यिक संचालन तिथि (सीओडी) ट्रायल चल रहा है। परियोजना से जुड़े शेष कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं और जून के अंत अथवा जुलाई से बिजली आपूर्ति शुरू होने की संभावना जताई जा रही है।

मांग 2000 से 3000 मेगावाट के बीच

मौसम और तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण राज्य में बिजली की मांग लगातार बदल रही है। वर्तमान में मांग 2000 से 3000 मेगावाट के बीच बनी हुई है। बढ़ती जरूरत को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर डीवीसी कमांड क्षेत्र के लिए अतिरिक्त 200 मेगावाट बिजली उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

इन जिलों को मिलेगा सीधा लाभ

अतिरिक्त बिजली उपलब्ध होने से पूरे राज्य को लाभ मिलेगा, लेकिन विशेष रूप से डीवीसी कमांड क्षेत्र के जिलों में आपूर्ति व्यवस्था और मजबूत होगी। इनमें धनबाद, बोकारो, हजारीबाग, गिरिडीह, कोडरमा, रामगढ़ और चतरा जिले शामिल हैं।

युवती का शव मिलने से सनसनी दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के तुपुदाना ओपी क्षेत्र में सड़क किनारे 25 वर्षीय युवती का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतका मूल रूप से लातेहार जिले की रहने वाली थी और अपने पति के साथ अरगोड़ा क्षेत्र में रह रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस के अनुसार युवती पिछले दो दिनों से लापता थी। इस संबंध में अरगोड़ा थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। युवती के पति ने बताया कि 19 जून की रात वह घर से निकली थी, जिसके बाद वापस नहीं लौटी।

रविवार को तुपुदाना क्षेत्र में सड़क किनारे युवती का शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस और फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस को दुष्कर्म के बाद हत्या किए जाने की आशंका है, हालांकि अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम ने घटनास्थल से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवती आखिरी बार किसके साथ देखी गई थी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि वह घटनास्थल तक कैसे पहुंची और उसके साथ क्या हुआ।

हर पहलू की जांच में जुटी पुलिस

हटिया डीएसपी नीरज कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। युवती की पहचान कर ली गई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस हत्या, दुष्कर्म समेत सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है और तकनीकी व वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस की नजर पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत और चर्चा का माहौल है।

जूनियर हॉकी राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए झारखंड टीम की चयन प्रक्रिया शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 16वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए झारखंड टीम गठन की चयन प्रक्रिया सोमवार से रांची स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में शुरू हो गई। चयन ट्रायल में राज्य के विभिन्न जिलों से आए 55 जूनियर खिलाड़ियों ने भाग लिया।

हॉकी झारखंड की ओर से आयोजित चयन प्रक्रिया में उन खिलाड़ियों को शामिल किया गया है जिनका जन्म 1 जनवरी 2007 या उसके बाद हुआ है। ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों के कौशल, फिटनेस और प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जा रहा है।

हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों के लिए जुलाई माह में विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन और फिटनेस के आधार पर अंतिम 18 सदस्यीय झारखंड टीम का चयन किया जाएगा।

चयन ट्रायल के दौरान मनोज कोनबेगी, माइकल लाल, गुरमीत राव सहित कई खेल पदाधिकारी और प्रशिक्षक मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

16वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 28 जुलाई से 8 अगस्त तक तमिलनाडु के कोयंबटूर में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में देशभर की राज्य स्तरीय टीमें भाग लेंगी और झारखंड टीम भी खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी।

राज्यसभा सांसद बनने के बाद मां दिउड़ी के दरबार पहुंचे बैद्यनाथ राम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

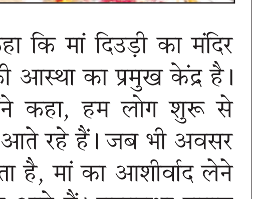

रांची : झारखंड से राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता बैद्यनाथ राम सोमवार को अपने परिवार के साथ तमाड़ स्थित प्राचीन मां सोलहभुजी दिउड़ी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर मां का आशीर्वाद लिया और राज्य की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की कामना की।

मंदिर पहुंचने पर पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा संपन्न कराई। पूजा के दौरान बैद्यनाथ राम ने राज्य की उन्नति और जनता की खुशहाली के लिए विशेष प्रार्थना की। राज्यसभा चुनाव में जीत के बाद पहली बार मां दिउड़ी के दरबार पहुंचने को लेकर उनके समर्थकों में भी उत्साह देखने को मिला।

पूजा-अर्चना के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए बैद्यनाथ राम ने कहा कि मां दिउड़ी का मंदिर उनकी आस्था का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने कहा, हम लोग शुरू से यहां आते रहे हैं। जब भी अवसर मिलता है, मां का आशीर्वाद लेने जरूर आते हैं। राज्यसभा चुनाव में जीत के बाद भी मां के दरबार में पहुंचकर उनका आशीर्वाद लिया है।

इस अवसर पर तमाड़ विधायक विकास कुमार मुंडा भी मंदिर पहुंचे। उनके साथ झामुमो के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। सभी ने बैद्यनाथ राम को राज्यसभा चुनाव में जीत की बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

डालसा ने संत जेवियर्स स्कूल के बच्चों को नशे के खिलाफ किया जागरूक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सह कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर नशा उन्मूलन को लेकर रांची के संत जेवियर स्कूल, डोरंडा में डालसा ने सीआईडी के सहयोग से विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा, लाईफ सेवर्स एनजीओ के प्रमुख अतुल गेरा, एनसीबी के शारिक उमर, सीआईडी के नवीन कुमार, रिजवान अंसारी, विधि की छात्राएं सहित अन्य उपस्थित थे।

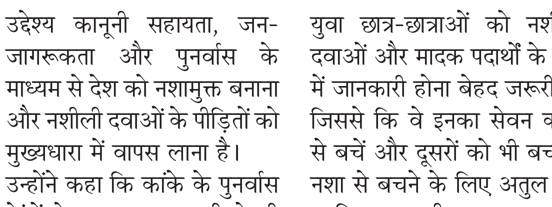

कार्यक्रम में डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि नालसा (डॉन) योजना 2025 राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण की ओर से शुरू की गई एक राष्ट्रीय विधिक पहल है। इसका मुख्य उद्देश्य कानूनी सहायता, जन-जागरूकता और पुनर्वास के माध्यम से देश को नशामुक्त बनाना और नशीली दवाओं के पीड़ितों को मुख्यधारा में वापस लाना है।

उन्होंने कहा कि कांके के पुनर्वास केंद्रों के साथ-साथ एनजीओ भी नशा करने वालों को ठीक करने में मदद करते हैं। सीआईपी और रिनपास में जिला विधिक सेवा प्राधिकार का लिगल एड क्लिनिक है, वहां पर वैसे नशा करनेवाले व्यक्तियों को ईलाज किया जाता है। इसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची सहायता करती है। वहीं लाईफ सेवर्स एनजीओ के अतुल गेरा ने कहा कि आज के युवा छात्र-छात्राओं को नशीली दवाओं और मादक पदार्थों के बारे में जानकारी होना बेहद जरूरी है, जिससे कि वे इनका सेवन करने से बचें और दूसरों को भी बचाएं। नशा से बचने के लिए अतुल गेरा उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं सहित अन्य लोगों को शपथ दिलाई।

इधर, एनसीबी के शारिक उमर ने कहा कि झारखंड में इस नशे की समस्या को रोकने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह कानूनों के कार्यान्वयन और हितधारकों के बीच समन्वय के लिए जिम्मेदार है।

डूरंड कप 2026: पहली बार रांची में दिखेगा देश के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट का रोमांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की खेल यात्रा में एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ने जा रहा है। देश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप 2026 की मेजबानी पहली बार रांची को मिलने जा रही है। संभावित रूप से 26 जुलाई 2026 से शुरू होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सोमवार को पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के सचिव मुकेश कुमार की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में डूरंड कप के सफल आयोजन के लिए स्टेडियम तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था, लॉजिस्टिक प्रबंधन, दर्शकों की सुविधाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने आयोजन को राष्ट्रीय स्तर के मानकों के अनुरूप बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया।

सचिव मुकेश कुमार ने कहा कि रांची में पहली बार डूरंड कप का आयोजन झारखंड में फुटबॉल संस्कृति को नई पहचान देगा। इससे राज्य में खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और भविष्य में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मुकाबलों की मेजबानी की संभावनाएं भी मजबूत होंगी।

डूरंड कप 2026 का उद्घाटन समारोह खेल, देशभक्ति और झारखंड की सांस्कृतिक विरासत का भव्य संगम होगा। समारोह में भारतीय सशस्त्र बलों के विशेष प्रदर्शन, आर्मी बैंड की प्रस्तुति और पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

इसके साथ ही झारखंड की लोक एवं जनजातीय नृत्य परंपराओं की रंगारंग प्रस्तुतियां राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करेंगी।

अधिकारियों का मानना है कि डूरंड कप जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी से रांची को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। खिलाड़ियों, अधिकारियों और फुटबॉल प्रेमियों को बेहतर अनुभव देने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय के निदेशक छवि रंजन, संस्कृति निदेशालय के निदेशक आसिफ एकराम, डूरंड कप के नोडल आर्मी अधिकारी कर्नल हेम चंद्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सभी हितधारकों ने रांची में आयोजित होने वाले पहले डूरंड कप को ऐतिहासिक और यादगार बनाने का संकल्प दोहराया।

एक नजर

रांची विश्वविद्यालय के पूर्व डीन डॉ. सुबोध कुमार सिन्हा का निधन

रांची : रांची विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के पूर्व डीन डॉ. सुबोध कुमार सिन्हा का रविवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने रांची के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से विश्वविद्यालय परिवार, शिक्षाविदों, शोधार्थियों और पूर्व छात्रों में शोक की लहर दौड़ गई। डॉ. सुबोध कुमार सिन्हा रांची विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित शिक्षकों में गिने जाते थे। उन्होंने अपने लंबे शैक्षणिक जीवन में अध्यापन और शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष और सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन के रूप में उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों को नई दिशा प्रदान की। उनके मार्गदर्शन में अनेक शोधार्थियों ने उच्च शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। छात्र और सहकर्मी उन्हें एक विद्वान शिक्षक, कुशल प्रशासक और प्रेरणादायी मार्गदर्शक के रूप में याद करते हैं।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में आरोपित दोषी करार, 27 को सजा पर सुनवाई

रांची : रांची जिले के मांडर थाना क्षेत्र में दो नाबालिग मौसेरी बहनों के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बहुचर्चित मामले में पॉक्सो की विशेष अदालत ने सोमवार को आरोपित सुशील उरांव को दोषी करार दिया। अदालत ने मामले में दोष सिद्ध होने के बाद सजा के निर्धारण के लिए 27 जून की तिथि निर्धारित की है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह घटना 17 अप्रैल 2024 की है। दोनों नाबालिग मौसेरी बहनें चान्हो थाना क्षेत्र के हूंटार गांव में लगने वाला मेला देखने गई थीं। उनके साथ दो नाबालिग लड़के भी मौजूद थे। मेला समाप्त होने के बाद चारों एक ही मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान दोनों नाबालिग आरोपित, लड़कियों को बहाने से अपने घर ले गए। पीड़िताओं ने घर छोड़ने की बात कही, लेकिन आरोपितों ने कुछ देर बाद घर पहुंचाने का आश्वासन दिया। आरोप है कि इसके बाद दोनों नाबालिग आरोपितों ने जबरन दोनों पीड़िताओं के साथ दुष्कर्म किया।

झारखंड में कमजोर पड़ा मानसून, 23 जिलों में सामान्य से काफी कम बारिश

रांची : झारखंड में दक्षिण-पश्चिम मानसून की रफ्तार इस वर्ष अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच सकी है। राजधानी रांची को छोड़कर राज्य के अधिकांश जिलों में वर्षा की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। मौसम विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार 01 जून से 22 जून तक राज्य के 24 जिलों में से 23 जिलों में सामान्य से काफी कम बारिश दर्ज की गई है, जिससे कृषि गतिविधियों और जलस्रोतों को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। मौसम विभाग की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, गढ़वा जिला सबसे अधिक वर्षा कमी वाले क्षेत्रों में शामिल है। यहां मानसून सीजन के दौरान अब तक केवल एक मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य से 99 प्रतिशत कम है। इसी प्रकार चतरा जिले में मात्र 6.8 मिलीमीटर बारिश हुई है, जो सामान्य से 92 प्रतिशत कम है। कई अन्य जिलों में भी वर्षा का आंकड़ा सामान्य स्तर से काफी नीचे बना हुआ है। इसके विपरीत राजधानी रांची राज्य का एकमात्र प्रमुख जिला रहा, जहां मानसूनी गतिविधियां अपेक्षाकृत बेहतर रहीं। रांची में 01 जून से 22 जून के बीच 118.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जो सामान्य वर्षा से दो प्रतिशत अधिक है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में मौसम के मिजाज में कुछ बदलाव की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार राज्य में 28 जून तक कई स्थानों पर गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। संभावित मौसम गतिविधियों को देखते हुए विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

संक्षिप्त खबरें

एसबीयू में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और विश्व संगीत दिवस का भव्य आयोजन

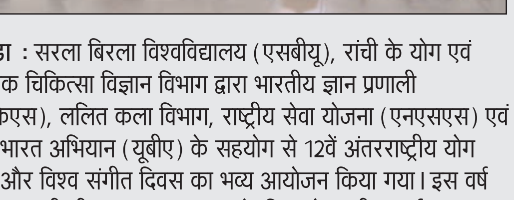

अनगड़ा : सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू), रांची के योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विज्ञान विभाग द्वारा भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस), ललित कला विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के सहयोग से 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और विश्व संगीत दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष योग दिवस की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग रही। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सी. जगनाथन ने किया। उन्होंने कहा कि योग मानव जीवन की अमूल्य धरोहर है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा को जोड़ने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य ईश्वर से जुड़ता है, तभी वास्तविक योग की अनुभूति होती है, जो जीवन में ऊर्जा और कार्य करने की शक्ति प्रदान करती है। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. एस.बी. डांडिन, विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना मौर्या ने किया। योग सत्र का संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ. विश्वजीत वर्मा ने किया। सत्र की शुरुआत ॐ एवं मंत्रोच्चारण से हुई, जिसके बाद संधि संचालन अभ्यास कर प्रतिभागियों को योग के लिए तैयार किया गया। इसके बाद विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान और विश्राम अभ्यास कराए गए। कार्यक्रम में स्वस्थ जीवनशैली, मानसिक संतुलन और स्वस्थ वृद्धावस्था में योग की भूमिका पर विशेष बल दिया गया। योग सत्र के बाद सहायक प्राध्यापक श्रीमती अंजना कुमारी सिंह ने सामान्य रोगों में मर्म चिकित्सा की उपयोगिता विषय पर विशेष व्याख्यान और प्रदर्शन प्रस्तुत किया। उन्होंने मर्म बिंदुओं के चिकित्सीय महत्व और विभिन्न सामान्य रोगों के उपचार में उनकी उपयोगिता की जानकारी दी। विश्व संगीत दिवस के अवसर पर संगीत विभाग द्वारा संकीर्तन एवं हनुमान चालीसा का भक्तिमय प्रस्तुतीकरण किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संगीत विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री स्पर्श उपाध्याय ने किया। इस दौरान डॉ. मुकेश सिंह, डॉ. राजीव रंजन, श्री अभिषेक और श्रीमती आकांक्षा चरण सहित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने सहभागिता की। सामूहिक भजन और संकीर्तन से पूरा वातावरण आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा से सराबोर हो गया। कार्यक्रम के अंत में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विज्ञान विभाग की डीन तथा भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) केंद्र की प्रभारी प्रो. नीलिमा पाठक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के लिए योग और सकारात्मक दैनिक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति श्री बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक तथा राज्यसभा सांसद एवं निदेशक प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। यह आयोजन स्वास्थ्य, संस्कृति, अध्यात्म और संगीत के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

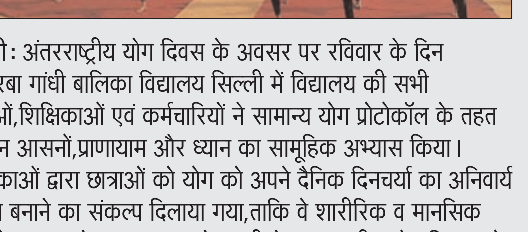

सिल्ली : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार के दिन कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सिल्ली में विद्यालय की सभी छात्राओं,शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों ने सामान्य योग प्रोटोकॉल के तहत विभिन्न आसनों,प्राणायाम और ध्यान का सामूहिक अभ्यास किया। शिक्षिकाओं द्वारा छात्राओं को योग को अपने दैनिक दिनचर्या का अनिवार्य हिस्सा बनाने का संकल्प दिलाया गया,ताकि वे शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ और सुदृढ़ रह सकें ।सभी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को अत्यंत उत्साह उमंग और गरिमा के साथ मनाया। इस अवसर पर छात्राओं ने ताड़ासन,वृक्षासन, भुजंगासन,वज्रासन,अनुलोम-विलोम,कपालभाति एवं ध्यान सहित विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास किया ।कार्यक्रम के दौरान वार्डन चंद्रिका कुमारी ने बताया कि योग केवल व्यायाम ही नहीं बल्कि जीवन को संतुलित एवं अनुशासित बनाने की प्रभावी पद्धति है साथ ही उन्होंने आगे कहा कि समाज में भी योग का महत्व को फैलाने की आवश्यकता है ताकि सभी लोग निरोग रह सकें ।यह कार्यक्रम शिक्षिकाओं के सहयोग और छात्राओं के कड़े अनुशासन से अत्यंत सफल और प्रेरणादायक रहा ।इस मौके पर अनामिका लकड़ा,सुमानसी टोप्पो,हेमा कुमारी एवं मधुमती कुमारी समेत दर्जन लोग मौजूद रहे।

एसआईआर अभियान को लेकर सिल्ली में बीएलए की बैठक, विधायक ने दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

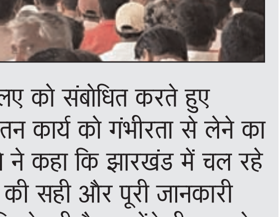

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत सोमवार को प्रेम वाटिका हॉल में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) अभियान को लेकर बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो ने उपस्थित बीएलए को संबोधित करते हुए मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतन कार्य को गंभीरता से लेने का आह्वान किया। विधायक अमित महतो ने कहा कि झारखंड में चल रहे एसआईआर एवं जनगणना अभियान की सही और पूरी जानकारी घर-घर तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बीएलए से अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में सक्रिय रहकर यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी योग्य मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि बीएलओ के साथ समन्वय बनाकर सही मतदाताओं की पहचान करें और उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने का कार्य करें। साथ ही मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने और सूची में मौजूद त्रुटियों को सुधारने पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बैठक में झामुमो के केंद्रीय सदस्य डॉ. हेमलाल मेहता ने भी एसआईआर अभियान से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बीएलए को अभियान के उद्देश्यों और कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि सही जानकारी और सक्रिय भागीदारी से ही मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाया जा सकता है। बैठक में झामुमो के केंद्रीय सदस्य अश्विनी शर्मा, जिला पदाधिकारी झब्बूलाल महतो, सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष राधिका महतो, सोनाहातु प्रखंड अध्यक्ष राजू मुंडा, सिल्ली मुखिया भारत मुंडा, बंता मुखिया गंगा नारायण सिंह मुंडा, डॉ. अखिल महतो, कैलाश प्रसाद, पशुपति अहीर, राहे प्रखंड अध्यक्ष संतोष महली, अखिलेश कुमार, समीर ठाकुर, किसलय महतो, युवा नेता राजू महतो, बाबुल, रोहित चौधरी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता और बीएलए उपस्थित रहे।

ई-केवाईसी में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, समय पर खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करें : डीएसओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : प्रखंड परिसर स्थित सांस्कृतिक भवन में मंगलवार को जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) से संबंधित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला आपूर्ति पदाधिकारी (डीएसओ) ने की, जबकि प्रखंड विकास पदाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेता, गोदाम प्रबंधक, आपूर्ति विभाग के कर्मी एवं संबंधित पदाधिकारी शामिल हुए।

बैठक के दौरान डीएसओ ने जन वितरण प्रणाली की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए डीलरों को शेष लाभुकों का ई-केवाईसी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ई-केवाईसी कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लक्ष्य की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया।

खाद्यान्न वितरण की समीक्षा करते हुए डीएसओ ने सभी डीलरों को प्रत्येक माह निर्धारित समय पर लाभुकों के बीच खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वितरण कार्य में अनियमितता या अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लाभुकों से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निष्पादन, सौहार्दपूर्ण व्यवहार और पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया। बैठक में खाद्यान्न प्राप्ति के बाद ई-पॉस मशीन में समय पर रिसीव एंट्री करने, धोती-साड़ी समेत अन्य सरकारी योजनाओं के लंबित वितरण कार्यों को शीघ्र पूरा करने तथा सभी आवश्यक अभिलेखों एवं पंजी को अद्यतन रखने का निर्देश भी दिया गया। डीएसओ ने कहा कि निरीक्षण के दौरान पाई जाने वाली कमियों को तत्काल दूर किया जाए और विभागीय दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने सभी डीलरों से अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ करने की अपील की तथा किसी भी समस्या की स्थिति में संबंधित कार्यालय को समय पर सूचित करने का निर्देश दिया।

बैठक के उपरांत जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी ने खाद्यान्न गोदाम का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था, स्टॉक पंजी, वितरण अभिलेख एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जांच की गई। अधिकारियों ने गोदाम प्रबंधन को खाद्यान्न के सुरक्षित भंडारण, अभिलेखों के नियमित संधारण तथा विभागीय मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी बिपिन कुमार, सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेता, गोदाम कर्मी तथा प्रखंड के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

एक नजर

लेबर कोड के नियमों के खिलाफ 1 जुलाई को श्रम अधीक्षक कार्यालय पर सीटू का प्रदर्शन

झुमरी तिलैया : सीटू के बैनर तले वार्ड 19 इंदरवाटांड़ में हुई बैठक में लेबर कोड के नियमों को बिना श्रमिक संगठनों से चर्चा के लागू करने और दलित बस्ती को उजाड़ने के प्रयासों के खिलाफ विरोध जताया गया। बैठक में जान देंगे, जमीन नहीं देंगे का नारा बुलंद किया गया। बैठक में 1 जुलाई को श्रम अधीक्षक कार्यालय के समक्ष होने वाले विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का निर्णय लिया गया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रशासन और भू-माफियाओं द्वारा गरीबों की बस्ती हटाने की साजिश की जा रही है, जिसका मजदूर वर्ग मिलकर विरोध करेगा।

रामगढ़ पहुंचे देवेश तिवारी, विकास और जनकल्याण योजनाओं की दी जानकारी

रामगढ़ : भारत सरकार की राज्य स्तरीय दिशा समिति के सदस्य देवेश तिवारी के रामगढ़ आगमन पर आयोजित प्रेस वार्ता में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सुशासन, सेवा और समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के तहत स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का कार्य तेजी से हो रहा है, जिससे हजारों परिवारों को नल से जल की सुविधा मिली है। प्रेस वार्ता में उन्होंने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत जरूरतमंदों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराने, आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने और प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से आवास उपलब्ध कराने जैसे कार्यक्रमों का उल्लेख किया। राज्य स्तरीय दिशा समिति के सदस्य देवेश तिवारी ने कहा कि सड़क और आधारभूत संरचना के विकास से गांव और शहरों के बीच संपर्क मजबूत हुआ है, जिससे रोजगार और व्यापार के अवसर बढ़े हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली से योजनाओं में पारदर्शिता आई है और लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है। अंत में उन्होंने मीडिया से अपील की कि वे सरकारी योजनाओं की जानकारी दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचाने में सहयोग करें, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रह जाए।

विजिलेंस की कार्रवाई से हड़कंप, रिश्वत के आरोप में सीसीएल कर्मी हिरासत में

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के बरका-सयाल क्षेत्र स्थित सेंट्रल सौंदा रीजनल वर्कशॉप में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया जब विजिलेंस विभाग की टीम ने अचानक छापेमारी कर एक कर्मचारी को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विजिलेंस की टीम चार वाहनों के काफिले के साथ वर्कशॉप परिसर में पहुंची और सीधे कार्यालय में दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी। कार्रवाई के दौरान कर्मचारियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल देखा गया।

सूत्रों के मुताबिक, रीजनल वर्कशॉप में कार्यरत लिपिक अरुण सिन्हा पर आरोप है कि उन्होंने ट्रांसफर-पोस्टिंग से जुड़े काम के बदले दशरथ मांझी नामक व्यक्ति से कथित रूप से राशि की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस विभाग ने प्रारंभिक जांच के आधार पर यह कार्रवाई की।

पूछताछ के बाद विजिलेंस टीम संबंधित कर्मचारी को अपने साथ लेकर चली गई। हालांकि इस पूरे मामले पर विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। घटना के बाद पूरे वर्कशॉप और आसपास के क्षेत्र में चचाओं का दौर तेज हो गया है, जबकि लोग अब आगे की जांच और आधिकारिक खुलासे का इंतजार कर रहे हैं।

जे जे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति का प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय मंत्री से मिला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जे जे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति, कोडरमा का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को कोडरमा सांसद सह केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार अन्नपूर्णा देवी से मुलाकात कर कोडरमा जिले के सभी डिग्री कॉलेजों को विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग से हटाकर सर जेसी बॉस विश्वविद्यालय गिरिडीह से संबद्ध करने के निर्णय पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई। प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि कोडरमा जिले के छात्र-छात्राओं के लिए हजारीबाग की दूरी लगभग 55 किलोमीटर है, जबकि गिरिडीह की दूरी लगभग 130 किलोमीटर पड़ती है। ऐसे में विश्वविद्यालय का परिवर्तन छात्रों, अभिभावकों एवं शिक्षण संस्थानों पर अतिरिक्त आर्थिक एवं समयगत बोझ डालेगा तथा उच्च शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

समिति ने मांग की कि जे जे कॉलेज सहित कोडरमा जिले के सभी डिग्री कॉलेजों को पूर्ववत विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से ही संबद्ध रखा जाए तथा छात्रों के भविष्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ न किया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि शिक्षा, रोजगार और विकास के अवसरों की रक्षा के लिए यह जनहित का महत्वपूर्ण मुद्दा है। वही केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विषय पर उचित स्तर पर विचार-विमर्श एवं आवश्यक पहल का आश्वासन दिया। मुलाकात करने वालों में समिति के संरक्षक राम रतन अवध्या, अध्यक्ष महेश भारती, सचिव देवेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष तौफीक हुसैन, उपाध्यक्ष वीरेंद्र कराटे, सह सचिव मो. अली शाद, बिनोद राम सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। समिति ने कहा कि शिक्षा बचाओ, कॉलेज बचाओ, छात्रों का भविष्य बचाओ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

हर बच्चे की पहचान सुनिश्चित करने की पहल जन्म प्रमाण पत्र शिविर में उमड़ा जनसैलाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में हर बच्चे को कानूनी पहचान दिलाने और जन्म पंजीकरण को गति देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने विशेष अभियान की शुरूआत की है। ऋतुराज के निर्देश पर 22 जून से 29 जून 2026 तक जिले के सभी पंचायत भवनों में जन्म प्रमाण पत्र निर्गत करने के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

अभियान के पहले ही दिन विभिन्न पंचायतों में बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों के जन्म पंजीकरण और प्रमाण पत्र बनवाने पहुंचे। इस दौरान पंचायत सचिव, जनसेवक और संबंधित कर्मियों ने आवेदन स्वीकार कर दस्तावेजों का सत्यापन शुरू किया।

जिला प्रशासन का कहना है कि जन्म प्रमाण पत्र केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि नागरिक पहचान का आधार है, जिसकी आवश्यकता विद्यालय में नामांकन, सरकारी योजनाओं का लाभ और विभिन्न प्रशासनिक प्रक्रियाओं में होती है।

अभियान के तहत उन बच्चों की पहचान पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जिनका अब तक जन्म पंजीकरण नहीं हो सका है। इसके लिए पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र बच्चा इस सुविधा से वंचित न रह जाए।

प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने-अपने पंचायत भवनों में पहुंचकर जन्म पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करें। साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचल अधिकारियों को अभियान की नियमित निगरानी और सफल संचालन के निर्देश दिए गए हैं।

महुआटांड़ में कथित कोयला उत्खनन और परिवहन को लेकर जांच की मांग तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोला : महुआटांड़ थाना क्षेत्र में कथित कोयला उत्खनन और उसके परिवहन को लेकर स्थानीय स्तर पर चचाएं तेज हो गई हैं। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र के धवइया, दूधमटिया और जगेश्वर जैसे इलाकों में रात के समय संदिग्ध गतिविधियां देखी जा रही हैं, जिससे कोयला निकासी की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि देर रात भारी वाहनों की आवाजाही बढ़ी है, जिसे कथित कोयला परिवहन से जोड़ा जा रहा है। हालांकि इन दावों की किसी भी सरकारी एजेंसी द्वारा अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। चचाओं के अनुसार, निकाला गया कोयला आगे गोला क्षेत्र स्थित कुछ औद्योगिक इकाइयों तक पहुंचाए जाने की बात कही जा रही है, लेकिन इस संबंध में भी प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर कुछ नामों की भी चर्चा हो रही है, लेकिन इन पर लगाए जा रहे आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। इसी बीच ग्रामीणों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके और यदि कोई अनियमितता पाई जाती है तो उचित कार्रवाई की जा सके।

संक्षिप्त खबरें

आंगनबाड़ी सेविकाओं ने बढ़े हुए मानदेय भुगतान को लेकर सौंपा आवेदन

कोडरमा : झारखंड सरकार द्वारा वर्ष 2024 में आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं के मानदेय में की गई बढ़ोतरी का लाभ अब तक नहीं मिलने से सेविकाओं में नाराजगी है। इस संबंध में बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी सेविकाओं ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, कोडरमा को आवेदन सौंपकर बढ़ा हुआ मानदेय शीघ्र भुगतान कराने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि राज्य सरकार द्वारा मानदेय बढ़ाने की घोषणा किए जाने के बावजूद कई सेविकाओं को आज तक बढ़ी हुई राशि का लाभ नहीं मिल पाया है। इससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सेविकाओं का कहना है कि बढ़े हुए मानदेय की बकाया राशि का भुगतान जल्द किया जाए, ताकि उन्हें सरकार की घोषणा का वास्तविक लाभ मिल सके। सेविकाओं ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वे आगे आंदोलन करने को बाध्य होंगी। आवेदन पर क्षेत्र की दर्जनों सेविकाओं के हस्ताक्षर भी हैं।

कलश यात्रा के साथ चौराही देवी मंडप में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ

सतगावां (कोडरमा) : सतगावां प्रखंड के टेहरो पंचायत अंतर्गत चौराही देवी मंडप में आयोजित तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के माहौल में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं महिलाओं ने कलश यात्रा में भाग लिया। कलश यात्रा चौराही स्थित देवी मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर महेश्वर नाथ धाम पहुंची, जहां सकरी नदी तट पर वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ कलशों में पवित्र जल भरा गया। इसके बाद सभी कलशधारी महिलाओं ने संकल्प लेकर माता के जयकारों के बीच पवित्र जल के साथ चौराही देवी मंडप के लिए प्रस्थान किया। यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने माता रानी के जयकारे लगाते हुए पूजा-अर्चना की और सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि तीन दिनों तक वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार देवी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे।

मुस्लिम धर्मावलम्बियों के द्वारा मिट्टी रखने की रस्म पूरी की गई

मरकच्चो : प्रखंड क्षेत्र में रविवार को मुस्लिम बहुल इलाकों में मुस्लिम धर्मावलम्बियों के लोगों द्वारा परंपरागत आस्था और श्रद्धा के साथ मिट्टी रखने की रस्म पूरी की गई। स्थानीय लोगों की उपस्थिति में यह रस्म शांतिपूर्ण और धार्मिक माहौल में संपन्न हुई। इस अवसर पर ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति रिवाज का पालन करते हुए मिट्टी को तय स्थान कर्बला से लाकर प्रखंड के विभिन्न दरगाहों पर मिट्टी को विधिवत रखा। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के युवकों ने ढोल नगाड़ों और धार्मिक जयकारों के बीच मिट्टी लाने के लिए कर्बला पहुंचे और वहां से मिट्टी लेकर फिर अपने अपने नजदीक के दरगाहों में पहुंच कर मिट्टी को स्थापित किया। स्थानीय बुजुर्गों और मौजिज लोगों ने बताया कि यह रस्म मोहर्रम की तैयारी के तहत हर वर्ष आयोजित की जाती है जो ताजिया निर्माण की शुरूआत मानी जाती है। रस्म पूरी होने के बाद लोगों ने आपसी भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा वर्ग की भूमिका अहम रही।

एसआईआर को सफल बनाने के लिए बीएलओ व सुपरवाइजरों को मिला प्रशिक्षण

जयनगर : आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर जयनगर प्रखंड सभागार में बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों की समीक्षा-सह-प्रशिक्षण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन कार्यों की तैयारी की समीक्षा करते हुए मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं पारदर्शी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में 20-बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र की प्रभारी एलआरडीसी रोशमा डुंगडुंग, सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी गौतम कुमार, अतिरिक्त सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सारांश जैन, बीपीआरओ प्रेम कुमार, निर्वाचन कंप्यूटर ऑपरेटर अखिलेश कुमार एवं संजीत कुमार सहित सभी बीएलओ सुपरवाइजर, बीएलओ और संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए नामांकन एवं गणना प्रपत्रों के वितरण तथा संग्रहण की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। सभी बीएलओ को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने मतदान क्षेत्रों के प्रत्येक घर का कम-से-कम तीन बार भ्रमण कर मतदाताओं का सत्यापन सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे।

मोदी सरकार के 12 वर्षों की विकासगाथा पर भव्य चित्र प्रदर्शनी, बड़ी संख्या में उमड़े लोग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ जिला द्वारा सुभाष चौक में "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष बेमिसाल" अभियान के तहत भव्य चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को आकर्षक चित्रों एवं जानकारी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने किया। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनसेवा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। अंत्योदय की भावना को केंद्र में रखकर संचालित योजनाओं ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का कार्य किया है।

प्रदर्शनी में स्वच्छ भारत मिशन, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, आयुष्मान भारत, जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों की उपलब्धियों को विस्तार से प्रदर्शित किया गया। साथ ही धारा 370 की समाप्ति, श्रीराम मंदिर निर्माण तथा आधारभूत संरचना के क्षेत्र में हुए विकास कार्यों को भी दशार्या गया।

प्रदर्शनी को देखने के लिए भाजपा कार्यकताओं, युवाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों की बड़ी संख्या सुभाष चौक पहुंची। आगंतुकों ने विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्धियों से जुड़ी जानकारियों का अवलोकन किया और प्रदर्शनी की सराहना की। कार्यक्रम के संयोजक रिद्धि राज तथा सहसंयोजक शिव कुमार महतो की देखरेख में आयोजन संपन्न हुआ।

इस अवसर पर चंद्रशेखर चौधरी, उमेश प्रसाद, बलराम महतो, रिद्धि राज, लक्ष्मी देवी, राजू चतुवेर्दी, किरण देवी, रीति श्रीवास्तव, सुनील प्रसाद, नमेंद्र चंचल, महेंद्र प्रजापति, शीतल सिंह, रूपा साहू, विनीता सिंह, विजय जायसवाल, मंजू देवी, भानु देवी सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिव कुमार महतो ने किया।

मोहर्रम को लेकर प्रशासन सतर्क, शांति और सौहार्दपूर्ण आयोजन की तैयारियां तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए टाउन हॉल में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ऋतुराज ने की, जबकि पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत सहित प्रशासनिक अधिकारी और विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि रामगढ़ हमेशा से सामाजिक समरसता और भाईचारे की मिसाल रहा है। उन्होंने सभी समुदायों से अपील की कि पर्व को आपसी सहयोग और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया जाए तथा प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखा जाए।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मोहर्रम के दौरान पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारियों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने लोगों से अफवाहों से दूर रहने और सोशल मीडिया पर फैलने वाली अपुष्ट सूचनाओं पर ध्यान न देने की अपील की।

बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, प्रकाश व्यवस्था और यातायात नियंत्रण जैसे मुद्दों पर सुझाव दिए, जिस पर प्रशासन ने समय पर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

बैठक में यह भी तय किया गया कि सभी ताजिया और जुलूस केवल निर्धारित मार्गों से ही निकाले जाएंगे और प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा। अंत में प्रशासन ने सभी नागरिकों से मोहर्रम पर्व को शांति, संयम और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल, रेफर

बरही : बरही धनबाद रोड स्थित बजरंगबली मंदिर के समीप देर शाम हुई सड़क दुर्घटना में धनबाद रोड निवासी कपिल केशरी पिता स्व राजू साव गंभीर रूप से घायल हो गए। बरही प्रशासन एवं स्थानीय लोगों के मदद घायल व्यक्ति को बरही अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया।

सड़क दुर्घटना में बुलेट सवार युवक घायल, रेफर

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत करसो पेट्रोल पंप के समीप हुई सड़क दुर्घटना में बुलेट बाइक (संख्या जेएच 02बीभी 1775) सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान राजेंद्र प्रसाद शर्मा फॉरेस्ट कॉलोनी हजारीबाग निवासी के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलने पर भाजपा नेता रमेश ठाकुर अपने सहयोगियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। जहां पहुंचकर उन्होंने स्थानीय लोगों के सहयोग से 108 एंबुलेंस के मदद से घायल को बरही अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया

मोहर्रम को लेकर कपाली में हुई शांति समिति की बैठक

हुड़दंगियों और अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली ओपी क्षेत्र अंतर्गत डांगरडीह स्थित सामुदायिक भवन में आगामी मोहर्रम पर्व के मद्देनजर सोमवार को शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा मोहर्रम जुलूस कमेटी के सदस्यों ने भाग लेकर पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने पर चर्चा की। बैठक में चांडिल अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) नितिन शिवम गुप्ता, एसडीपीओ शिव प्रकाश कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक रवि कुमार, कपाली ओपी प्रभारी अविनाश कुमार, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी गोपी किशन, वार्ड पार्षद पूजा कुमारी महतो, अंजना सिंह समेत विभिन्न अखाड़ा एवं मोहर्रम जुलूस कमेटियों के सदस्य उपस्थित थे।

इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि मोहर्रम त्याग, बलिदान और भाईचारे का पर्व है। सभी समुदायों के लोगों को आपसी प्रेम, सद्भाव और सामाजिक सौहार्द बनाए रखते हुए पर्व मनाना चाहिए। प्रशासन ने जुलूस मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए।

अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से अफवाह फैलाने वालों तथा माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों पर प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी। किसी भी प्रकार की हुड़दंग, अशांति या भड़काऊ गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की कि किसी भी अपुष्ट सूचना पर विश्वास न करें और किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल प्रशासन या पुलिस को दें, ताकि मोहर्रम का पर्व शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ संपन्न हो सके।

हाट-बाजारों से पंचायतों तक गूंजा नशामुक्ति का संदेश
जागरूकता अभियान में ग्रामीणों की बढ़ी भागीदारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे राज्यव्यापी जनजागरूकता अभियान के तहत शनिवार को जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के छठे दिन गांवों, पंचायतों, हाट-बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष प्रयास किए गए। अभियान के अंतर्गत संचालित पांच प्रचार रथों ने चौपारण, पदमा, टाटीझरिया, सदर एवं बड़कागांव प्रखंड के विभिन्न गांवों और पंचायतों का भ्रमण किया। प्रचार रथों पर प्रसारित ऑडियो संदेशों एवं लघु फिल्मों के माध्यम से लोगों को बताया गया कि नशे की प्रवृत्ति किस प्रकार व्यक्ति, परिवार और समाज को प्रभावित करती है। ग्रामीण क्षेत्रों में रथों के पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रमों में भाग लिया तथा नशामुक्ति संबंधी जानकारियां प्राप्त कीं। वहीं दूसरी ओर, जिले के विभिन्न बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर 10 सांस्कृतिक दलों द्वारा नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों में नशे से उत्पन्न सामाजिक समस्याओं, पारिवारिक विघटन, आर्थिक नुकसान एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को जीवंत रूप से दशार्या। नुक्कड़ नाटकों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और नशामुक्त समाज के निर्माण के प्रति सकारात्मक संवाद स्थापित किया। कार्यक्रमों के दौरान युवाओं, महिलाओं और ग्रामीण समुदायों की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। जागरूकता अभियान के तहत लोगों के बीच नशामुक्ति संबंधी पंपलेट वितरित किए गए तथा उन्हें नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का संदेश दिया गया। अभियान के समापन पर उपस्थित लोगों ने नशामुक्ति की शपथ ली और अपने गांव तथा आसपास के क्षेत्रों में नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने का संकल्प व्यक्त किया।

गैलक्सी एक्सपोर्ट्स के सामने 14 सूत्री मांगों को लेकर धरना, कंपनी संचालन बंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के भूंईयाडीह टोला स्थित गैलेक्सी एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विरोध में सुबह 8 बजे से मुख्य गेट के सामने सोमवार को समस्त ग्रामवासियों और श्रमिकों ने धरना-प्रदर्शन में पूर्व जिला परिषद ओम लायक, कृष्णा कालिंदी, राकेश रंजन महतो विस्थापित अधिकार मंच फाउंडेशन अध्यक्ष,बहादुर लायक ग्रामप्रधान,आशुदेव महतो के साथ सैकड़ों ग्रामीणों उपस्थित थे। 16 जून को कंपनी में हुए बॉयलर/भट्ठी विस्फोट के बाद मजदूरों की सुरक्षा और मुआवजे को लेकर 14 सूत्री मांगों का ज्ञापन प्रबंधन निदेशक के नाम पर कंपनी मैनेजर एस० के० वर्मा को सौंपा गया। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि मांगें पूरी न होने तक कंपनी संचालन का विरोध जारी रहेगा। धरना प्रदर्शन सुबह 8 बजे से 2 बजे तक चला लंबी वार्ता के बाद समझौता हुआ । हमारे मांगे पूरी नहीं होता तो जोरदार आंदोलन होगा । चांडिल पुलिस बल तैनात थे। ग्रामीणों ने आज अल्टीमेट दिया और धरना प्रदर्शन हटाया गया ,आगामी मंगल बार के दिन चार बजे त्रिपक्षीय वार्ता होगा । बॉयलर ब्लास्ट की निष्पक्ष जांच की मांग ग्रामीणों और मजदूरों की प्रमुख मांग है कि 16 जून 2026 को हुए बॉयलर/भट्ठी विस्फोट की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। विस्फोट में घायल और कथित मृत व्यक्तियों के आश्रितों को उचित मुआवजा, निःशुल्क उपचार व पुनर्वास दिया जाए। घायल श्रमिकों के पूर्ण स्वस्थ होने तक उनका नियमित वेतन जारी रखने की मांग भी की गई है।

केजीएन मेडिकल लूटकांड व फायरिंग का फरार आरोपी गिरफ्तार, पुलिस को मिली बड़ी सफलता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : चांडिल थाना के कपाली ओपी क्षेत्र के कबीरनगर स्थित केजीएन मेडिकल दुकान में रंगदारी, फायरिंग और लूट की घटना में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी सारिक साह उर्फ घेधा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

यह जानकारी सरायकेला-खरसावां पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। पुलिस के अनुसार 5 अप्रैल 2025 की रात करीब 9:50 बजे केजीएन मेडिकल दुकान में घुसकर अपराधियों ने संचालक साकिब परवेज से रंगदारी की मांग की थी। विरोध करने पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गई तथा दुकान में तोड़फोड़ कर नकदी और मोबाइल फोन लूट लिया गया था। इस मामले में चांडिल (कपाली ओपी) थाना कांड संख्या 57/2025 दर्ज किया गया था।

तकनीकी एवं मानवीय साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने अब तक इस कांड में आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है। मामले का नौवां आरोपी सारिक साह उर्फ घेधा लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष छापामारी दल ने उसे बागानशाही रोड नंबर-07 स्थित मुर्दी मैदान क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि घटना में प्रयुक्त पिस्तौल और गोली पहले ही आरोपी दानिश कुरैशी उर्फ छोटू की निशानदेही पर बरामद की जा चुकी है।

गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ कपाली, चांडिल, पटमदा, गोविंदपुर तथा पूर्वी सिंहभूम जिले के विभिन्न थानों में लूट, रंगदारी, फायरिंग और आर्म्स एक्ट से जुड़े कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। छापामारी दल में कपाली ओपी प्रभारी अविनाश कुमार, एसआई रणजीत कुमार सिंह, एसआई मनोज कुमार राय समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत लाभुकों के बीच बकरियों का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के अंतर्गत सोमवार को अमजद इंटरप्राइजेज प्रा लि द्वारा पटमदा प्रखंड में लाभुकों के बीच बकरी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख बालिका सोरेन, विधायक प्रतिनिधि चंद्रशेखर टुडू, प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र कुमार दास, जिला परिषद सदस्य खगेन महतो, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ. सुमन विश्वास, समाजसेवी विश्वनाथ महतो, राजीव कुमार मिश्रा सहित सरत माहली, उपस्थित रहे। इस दौरान योजना के तहत चयनित लाभुकों को आजीविका सुदृढ़ करने एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बकरियों का वितरण किया गया। लाभुकों में सुनील कुमार महतो, नियति महतो, सुजीत कुमार महतो, हिमांशु महतो, संजय महतो, सलबत कोड़ा मुड़ी, देवीलाल रजक, भास्कर सिंह, माझी रजवार एवं दशरथ सहिस को 10-10 बकरियां प्रदान की गईं। वहीं दो अन्य लाभुकों को 5-5 बकरियों का वितरण किया गया।मौके पर उपस्थित विधायक प्रतिनिधि चंद्रशेखर टुडू ने कहा कि मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। बकरी पालन से लाभुकों की आय में वृद्धि होगी तथा वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. राजेन्द्र कुमार दास ने लाभुकों से पशुओं की समुचित देखभाल करने तथा पशुपालन विभाग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में लाभुकों ने राज्य सरकार एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए योजना को गरीब एवं ग्रामीण परिवारों के लिए लाभकारी बताया।

पल्स पोलियो अभियान की तैयारी पूरी, 28 जून को 100 बूथों पर बच्चों को दी जाएगी खुराक; 2 दिन घर-घर चलेगा विशेष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : शून्य से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो से बचाव की खुराक पिलाने के लिए बरही प्रखंड में पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम की तैयारी को लेकर शनिवार को प्रखंड कार्यालय बरही में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने की। अनुमंडलीय अस्पताल बरही के डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी ने कार्यक्रम का संचालन किया। इसमें पंचायत के जनप्रतिनिधिगण, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया, वार्ड सदस्य और स्वास्थ्य विभाग के कर्मी उपस्थित रहे।

28 जून को 100 बूथों पर खुराक

बैठक में तय हुआ कि 28 जून 2026, शनिवार को बरही प्रखंड के 100 स्थानों पर पोलियो बूथ बनाए जाएंगे। इन बूथों पर शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पल्स पोलियो की दो बूंद दवा पिलाई जाएगी। बूथ आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूल, स्वास्थ्य उपकेंद्र, सामुदायिक भवन और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में लगेंगे।

29 और 30 जून को घर-घर अभियान

बूथ दिवस के बाद 29 जून रविवार और 30 जून सोमवार को स्वास्थ्य कर्मियों की टीम घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाएगी। दो दिन का यह अभियान सुनिश्चित करेगा कि कोई भी बच्चा खुराक से वंचित न रहे। BDO जयपाल महतो ने बैठक में कहा कि पोलियो उन्मूलन तभी संभव है जब हर बच्चा दवा ले। उन्होंने पंचायत जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र में लोगों को जागरूक करें और अभियान को सफल बनाएं। अनुमंडलीय अस्पताल प्रभारी ने सभी सामाजिक कार्यकताओं, स्वयंसेवी संगठनों और आशा-सहिया से कार्यक्रम में सहयोग करने की अपील की।

स्वास्थ्य विभाग की टीम लोगों से अपील कर रही है कि पांच साल तक के हर बच्चे को, चाहे उसे पहले खुराक मिली हो या नहीं, इस बार भी दो बूंद पोलियो की दवा जरूर पिलाएं। दो बूंद हर बार, पोलियो पर वार। मौके पर विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, डॉ मो एजाज, सुधांशु शेखर, मुखिया शमशेर आलम, मुखिया प्रतिनिधि खिरोधर यादव कई कर्मी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पंचायत भवन में मोहर्रम को लेकर बैठक, शांति और भाईचारे के साथ आयोजन का संकल्प

हजारीबाग : आगामी मोहर्रम पर्व के शांतिपूर्ण और सफल आयोजन को लेकर शनिवार को कोनरा पंचायत भवन में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पंचायत समिति सदस्य भाग-1 मोहम्मद यूसुफ ने की। इसमें कोनरा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, युवा और मोहर्रम से जुड़े प्रतिनिधि शामिल हुए। सर्वसम्मति से नई कमेटी का गठन बैठक में सर्वसम्मति से मोहर्रम कमेटी का गठन किया गया। नई कमेटी में निम्न पदाधिकारी चुने गए : अध्यक्ष-मोहम्मद ताबिश, उपाध्यक्ष - मोहम्मद महताब उर्फ डब्लू ,सचिव-मोहम्मद सागर, कोषाध्यक्ष-मोहम्मद इजहार, उप सचिव-मोहम्मद यूसुफ अखाड़ा परिषद अध्यक्ष-खुर्शीद अनवर, हॉस्पिटल मोहल्ला मीडिया प्रभारी - मोहम्मद उस्मान, शांति और भाईचारे के साथ आयोजन पर जोर बैठक में मोहर्रम के दौरान शांति, सौहार्द, अनुशासन और परंपरागत मयार्दाओं का पालन करते हुए कार्यक्रम आयोजित करने पर विस्तृत चर्चा हुई। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर मोहर्रम को भाईचारे, आपसी सम्मान और सामाजिक सद्भाव के साथ मनाने का संकल्प लिया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उपस्थित लोगों ने बधाई और शुभकामनाएं दीं।

गोबरघुसी अग्निकांड: प्रशासन की त्वरित पहल से पीड़ित परिवार को मिली राहत

पटमदा : पटमदा प्रखंड अंतर्गत गोबरघुसी गांव में 20 जून की देर रात हुए अग्निकांड से प्रभावित परिवार को प्रशासन की ओर से तत्काल राहत उपलब्ध कराई गई। शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे निर्मल सिंह के फूस (पुआल) निर्मित मकान में अचानक आग लग गई, जिससे घर में रखे घरेलू सामान, अनाज, कपड़े एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं जलकर राख हो गईं। आग लगने के समय परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे। जानकारी के अनुसार, तेज गर्मी का एहसास होने पर परिजनों की नींद खुली। बाहर निकलकर देखने पर मकान की छत धू-धू कर जल रही थी। परिजनों के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि आग की चपेट में आने से हजारों रुपये मूल्य की संपत्ति नष्ट हो गई और परिवार के सामने आवास एवं जीवन-यापन का संकट उत्पन्न हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही गोबरघुसी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि खगेन्द्र नाथ सिंह एवं उपमुखिया प्रतिनिधि नीलरतन पाल ने प्रशासन से तत्काल सहायता की मांग की। इसके बाद सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमार दास ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वयं घटनास्थल पहुंचकर क्षति का निरीक्षण किया। उनके साथ समाजसेवी विश्वनाथ महतो भी उपस्थित रहे। डॉ. दास ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा लगातार हो रही बारिश को देखते हुए तत्काल राहत स्वरूप तिरपाल एवं खाद्यान्न सामग्री उपलब्ध कराई। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकारी प्रावधानों के अनुरूप पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाई जाएगी। मौके पर इतुमानी सिंह, निर्मल सिंह, बुन्टू सिंह, वार्ड सदस्य सनारतन सिंह सहित ग्रामीण उपस्थित थे। प्रशासन की संवेदनशील एवं त्वरित कार्रवाई से पीड़ित परिवार को कठिन परिस्थिति में बड़ी राहत मिली है।

25वीं झारखंड राज्य जूनियर शतरंज प्रतियोगिता में स्वस्तिका प्रजापति का शानदार प्रदर्शन

बरही : 14 से 17 जून तक झारखंड राज्य जूनियर शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन सरला बिरला यूनिवर्सिटी रांची में किया गया। प्रतियोगिता के अंडर-9 बालिका वर्ग में विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा स्वस्तिका प्रजापति ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु अपनी पात्रता भी सुनिश्चित कर ली है। स्वस्तिका की इस उल्लेखनीय सफलता से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के प्राचार्य पुष्प कुमार झा ने छात्रा को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि स्वस्तिका की उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है तथा यह विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भी स्वस्तिका को शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की आशा व्यक्त की है। स्वस्तिका की इस सफलता ने विद्यालय का नाम राज्य स्तर पर गौरवान्वित किया है।

कार्यालय जिला परिषद, गुमला
अति अल्पाकालीन बन्दोबस्ती सूचना
हाट बाजार बंदोबस्ती हेतु आम सूचना।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, झारखण्ड सरकार के संकल्प संख्या 1376 / दिनांक 01.04.2015 के द्वारा सैरातों की बंदोबस्ती हेतु त्रिस्तरीय पंचायतों को शक्तियां प्रत्यायोजित की गई है, जिसके अनुसार 100000.00 (एक लाख) रूपये से अधिक राजस्व की राशि के सैरात की बंदोबस्ती जिला परिषद् स्तर से किया जाना है।

उक्त परिपेक्ष्य में गुमला जिला अन्तर्गत निम्नांकित हाट बाजार की खुली डाक द्वारा बंदोबस्ती हेतु सर्वसाधारण से प्रस्ताव आमंत्रित किया जाता है :-

क्र0	प्रखण्ड	हाट बाजार का नाम	डाक की तिथि	समय	डाक की न्यूनतम राशि (एक वर्ष के लिये)	अग्रधन की राशि (10%)
1	2	3	4	5	6	7
1	गुमला	कोटाम हाट	03.07.2026	3.00 बजे अप0	250000 (दो लाख पचास हजार)	25000 (पच्चीस हजार मात्र)
2	गुमला	टोटो हाट	03.07.2026	3.00 बजे अप0	117000 (एक लाख सत्रह हजार)	11700 (ग्यारह हजार सात सौ मात्र)
3	घाघरा	आदर	03.07.2026	3.00 बजे अप0	350000 (तीन लाख पचास हजार)	35000 (पैंतीस हजार मात्र)
4	बिशुनपुर	बिशुनपुर	03.07.2026	3.00 बजे अप0	325000 (तीन लाख पच्चीस हजार)	32500(बत्तीस हजार पाँच सौ मात्र)
5	बिशुनपुर	बनारी	03.07.2026	3.00 बजे अप0	350000 (तीन लाख पचास हजार)	35000 (पैंतीस हजार मात्र)
6	रायडीह	कांसीर	03.07.2026	3.00 बजे अप0	150000 (एक लाख पचास हजार)	15000 (पंद्रह हजार मात्र)
7	रायडीह	रायडीह	03.07.2026	3.00 बजे अप0	216000 (दो लाख सोलह हजार)	21600(इक्कीस हजार छः सौ मात्र)

उपरोक्त हाट बाजार के बंदोबस्ती हेतु गुमला जिला के निवासी भाग ले सकते हैं। इस खुली डाक में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को दिनांक 25.06.2026 से 02.07.2026 तक कॉलम संख्या- 7 में निर्धारित अग्रधन राशि बैंक ड्राफ्ट जो सचिव, जिला परिषद्, गुमला के पदनाम से प्रतिज्ञित एवं गुमला में भुगतेय होगा आवेदन के साथ जमा करना अनिवार्य होगा।

विस्तृत आम सूचना के नियम व शर्तें गुमला जिला के वेबसाइट- www.gumla.nic.in/ जिला परिषद् के सूचना पट्ट / अनुमण्डल कार्यालय / प्रखण्ड कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, गुमला।

PR 382939 District(26-27)D

यूपी में तन-मन भिगोने जल्द आ रहा है मानसून

उत्तर प्रदेश में गर्मी से परेशान लोगों के लिये जल्द अच्छी खबर आने वाली है। यूपी में मानसून 27 से 30 जून तक पूर्वी-पश्चिमी क्षेत्रों में दस्तक दे सकता है, जो 5 जुलाई तक पूरे राज्य में पूरी तरह छा सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, जून के तीसरे सप्ताह से मानसूनी गतिविधियां तेजी से बढ़ेगी और महीने के अंत तक अधिकांश जिलों में बारिश का दौर शुरू हो सकता है। पिछले वर्षों के ट्रेंड और आईएमडी की भविष्यवाणी के आधार पर, इस बार भी मानसून 27 से 30 जून के बीच राज्य में पहुंचने की उम्मीद थी, लेकिन कुछ विचलन के कारण पूर्वी यूपी में पहले और पश्चिमी यूपी में थोड़े बाद में आने की संभावना है। उत्तर प्रदेश में मानसून का प्रवेश आमतौर पर दो चरणों में होता है। पूर्वी हिस्सों में मानसून 15 से 20 जून के बीच दस्तक देता है, जबकि उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों में 25 से 27 जून के बीच फैल जाता है। मेरठ, नोएडा और गाजियाबाद जैसे पश्चिमी क्षेत्रों में मानसून 27-30 जून तक आने की संभावना है। इस तरह पूर्वी यूपी में मानसून पहले प्रवेश करेगा और धीरे-धीरे पूरे प्रदेश में छाएगा। 5 जुलाई तक पूरे उत्तर प्रदेश में मानसून पूरी तरह छा जाएगा। वर्तमान में (22 जून 2026) देश के ज्यादातर हिस्सों में प्री-मानसून एक्टिविटी है और 23 जून के आसपास मानसून महाराष्ट्र, तेलंगाना, उड़ीसा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ सकता है। उत्तर प्रदेश में अधिकतम वर्षा दक्षिण-पश्चिम मानसून से प्राप्त होती है, जो जून से सितंबर तक केन्द्रित होती है। राज्य की कुल वर्षा में पहाड़ी क्षेत्रों में वार्षिक औसत 170 सेमी तक हो सकता है, जबकि पश्चिमी क्षेत्रों में 84 सेमी तक रहता है। इस बार भी उम्मीद है कि मानसून जमकर बरसेगा, लेकिन मौसम के तेवरों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बारिश सावधानी भी मांगती है, क्योंकि भीषण गर्मी से राहत मिलने जा रही है, लेकिन तेज बारिश से थोड़ा-बहुत भी हो सकता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में वर्षा की मात्रा में परिवर्तनशीलता 25 फीसदी से कम, जबकि शेष उत्तर प्रदेश में 25 से 50 फीसदी के बीच रहती है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में वर्षा कहीं कम तो कहीं ज्यादा देखने को मिलती है। राज्य के पूर्वी भाग में पश्चिमी भाग की अपेक्षा अधिक वर्षा होती है। सबसे कम वर्षा बुन्देलखण्ड क्षेत्र में प्राप्त होती है। यह एक महत्वपूर्ण पैटर्न है, क्योंकि बुंदेलखंड पिछले वर्षों से वर्षा की कमी से परेशान है और इस क्षेत्र में कृषि पर सीधा प्रभाव होता है। पूर्वी यूपी में वर्षा अधिक होने के कारण खेती बेहतर होगी, लेकिन पश्चिमी यूपी में भी पर्याप्त वर्षा की उम्मीद है। मध्य यूपी में वर्षा पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों के बीच के स्तर पर रहने की संभावना है। बुंदेलखंड क्षेत्र में सबसे कम वर्षा प्राप्त होती है, जो इस क्षेत्र की जल संकट समस्या को बढ़ाती है। यह पैटर्न वर्षों से बना है और दक्षिण-पश्चिम मानसून के मार्ग में इस क्षेत्र की स्थिति के कारण है। बुंदेलखंड में वर्षा की कमी के कारण खेती पर गंभीर प्रभाव होता है और किसानों को संकट का सामना करना पड़ता है। इस क्षेत्र में जल संरक्षण, बांध निर्माण और सतत कृषि सुधार की भी आवश्यकता बढ़ जाती है। यदि इस बार भी बुंदेलखंड में वर्षा कम होती है, तो सरकार को जल संकट के समाधान के लिए तत्परता दिखानी चाहिए। कुल मिलाकर, उत्तर प्रदेश में वर्षा कृषि पर सीधा प्रभाव डालती है, क्योंकि राज्य भारत का कृषि हृदय है। पूर्वी यूपी में अधिक वर्षा के कारण खेती बेहतर होगी, लेकिन बुंदेलखंड में वर्षा की कमी खेती को प्रभावित कर सकती है। बारिश से भीषण गर्मी से राहत मिलने जा रही है, लेकिन मौसम के तेवरों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बारिश सावधानी भी मांगती है, क्योंकि तेज बारिश से बाढ़, भूस्खलन, जलभराव जैसे हालात हो सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षा कृषि उत्पादन पर सीधा प्रभाव डालती है और शहरी क्षेत्रों में जल निकासी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

सूडोकु नवताल- 7834

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7833 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

विषाक्त ओटीटी का वैचारिक उद्योग: भारत और हिंदू समाज के विरुद्ध चल रहा सांस्कृतिक युद्ध

कैलाश चन्द्र

भारत में मनोरंजन के नाम पर ओटीटी मंचों पर जो सामग्री परोसी जा रही है, उसे केवल "रचनात्मक स्वतंत्रता" का परिणाम कहकर अनदेखा नहीं किया जा सकता। यह अब केवल वेब-श्रृंखलाओं, फिल्मों या नई पीढ़ी की पसंद का विषय नहीं रह गया है। अनेक मामलों में यह एक व्यापक सांस्कृतिक और वैचारिक प्रवृत्ति का हिस्सा दिखाई देता है, जिसके माध्यम से भारतीय समाज, उसकी परंपराओं, परिवार संस्था और विशेष रूप से हिंदू सांस्कृतिक प्रतीकों को एक निश्चित दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया जा रहा है।

ओटीटी की दुनिया में हिंसा, अश्लीलता, गाली-गलौज, अपराध और सामाजिक विघटन को केवल दिखाया ही नहीं जाता, बल्कि कई बार उन्हें सामान्य और स्वीकार्य जीवन-शैली के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह तर्क दिया जाता है कि समाज में जो कुछ मौजूद है, वही दिखाया जा रहा है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या समाज केवल अपराध, भ्रष्टाचार और विकृत संबंधों से ही बना है? क्या भारतीय जीवन में त्याग, करुणा, आस्था, परिवार, सामाजिक सहयोग, मातृत्व, शौर्य और सांस्कृतिक चेतना जैसी सकारात्मक शक्तियाँ नहीं हैं?

समस्या तब उत्पन्न होती है जब किसी समाज के हजारों रंगों में से बार-बार केवल उसका सबसे अंधकारमय और विकृत पक्ष ही चुना जाए। यह यथार्थ का संतुलित चित्रण नहीं, बल्कि चयनित यथार्थ की प्रस्तुति बन जाता है। अनेक लोकप्रिय श्रृंखलाओं और फिल्मों में भारतीय समाज, विशेषकर ग्रामीण और पारंपरिक समाज को इस प्रकार दिखाया जाता है मानो वहाँ केवल जातीय घृणा, अपराध, पाखंड और दमन ही मौजूद हो।

इस प्रवृत्ति का सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि हिंदू समाज को अक्सर स्थायी दोषी या खलनायक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। जाति, पितृसत्ता, धार्मिक पाखंड, सामाजिक हिंसा अथवा नैतिक विघटन जैसे विषयों में नकारात्मक पात्रों का संबंध प्रायः पारंपरिक या धार्मिक पृष्ठभूमि से जोड़ा जाता है। इससे धीरे-धीरे दर्शकों के मन में यह धारणा बन सकती है कि भारतीय परंपरा स्वयं समस्याओं की जड़ है।

यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि समाज की बुराइयों को दिखाना गलत नहीं है। कला और साहित्य का दायित्व ही है कि वे समाज की कमजोरियों पर प्रकाश डालें। किंतु यदि हर कथा का निष्कर्ष यही हो कि धर्म, परिवार, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत मूलतः दमनकारी हैं, तो यह आलोचना से आगे बढ़कर सभ्यतागत अभियोग का रूप ले लेता है। आत्मालोचना किसी भी समाज के विकास के लिए आवश्यक है, लेकिन आत्मालोचना और आत्मद्वेष में स्पष्ट अंतर होता है।

पिछले कुछ वर्षों में जब धार्मिक प्रतीकों और आस्थाओं पर सीधे प्रहार करने वाली सामग्री का विरोध हुआ, तब अभिव्यक्ति की शैली में परिवर्तन दिखाई दिया। अब प्रत्यक्ष आक्रमण कम और अप्रत्यक्ष सांस्कृतिक विघटन अधिक दिखाई देता है। परिवार को विषैला, विवाह को बंधन, पुरुषत्व को हिंसक, परंपरा को पिछड़ा और धार्मिकता को पाखंड के रूप में प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। इसके विपरीत सामाजिक अराजकता, नैतिक सीमाओं के विघटन और व्यक्तिगत स्वच्छंदता को आधुनिकता और स्वतंत्रता का पर्याय बताया जाता है।

यह समझना आवश्यक है कि सभ्यताओं को केवल युद्धक्षेत्र में नहीं हराया जाता। कई बार उन्हें उनकी अपनी नई पीढ़ी की चेतना में कमजोर कर दिया जाता है। यदि युवाओं को बार-बार यह बताया जाए कि उनकी संस्कृति पिछड़ी हुई है, उनका इतिहास शर्म का विषय है और उनके सामाजिक मूल्य दमनकारी हैं, तो धीरे-धीरे उनका सांस्कृतिक आत्मविश्वास कमजोर होने लगता है। यही कारण है कि मनोरंजन को केवल मनोरंजन मान लेना पर्याप्त नहीं है; वह समाज की सामूहिक चेतना को भी प्रभावित करता है।

ओटीटी मंचों की पहुँच और प्रभाव को देखते हुए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। पहले मनोरंजन मुख्यतः सिनेमाघरों तक सीमित था, लेकिन अब मोबाइल, टेलीविजन, टैबलेट और लैपटॉप के माध्यम से यह सीधे घरों और व्यक्तिगत जीवन में प्रवेश कर चुका है। बच्चे, किशोर और युवा बड़ी मात्रा में ऐसी सामग्री देख रहे हैं, जो उनके दृष्टिकोण, व्यवहार और सामाजिक मान्यताओं को प्रभावित कर सकती है। एल्गोरिदम आधारित सुझाव प्रणाली इस प्रभाव को और गहरा करती है, क्योंकि दर्शक जो देखता है, उसे उसी प्रकार की और सामग्री दिखाई जाती है।

ओटीटी उद्योग प्रायः "अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता" का तर्क देकर आलोचनाओं को खारिज कर देता है। निस्संदेह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण मूल्य है, लेकिन स्वतंत्रता के साथ उत्तरदायित्व भी जुड़ा होता है। यदि कोई मंच करोड़ों लोगों तक पहुँच रखता है और उनकी मानसिकता, सामाजिक दृष्टिकोण तथा सांस्कृतिक धारणाओं को प्रभावित करता है, तो उससे किसी प्रकार की नैतिक जवाबदेही की अपेक्षा करना अनुचित नहीं है।

समाधान कठोर नियंत्रण या सेंसरशिप में नहीं है। समाधान संतुलन में है। सामग्री का स्पष्ट आयु-वर्गीकरण, प्रभावी शिकायत-निवारण व्यवस्था, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और विविध दृष्टिकोणों को स्थान देना आवश्यक है। यदि अधिकांश लोकप्रिय कथाओं में भारतीय समाज और हिंदू सांस्कृतिक प्रतीकों को एक ही प्रकार के साँचे में प्रस्तुत किया जा रहा है, तो इस प्रवृत्ति पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए।

भारतीय समाज के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्य केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सृजन करना है। यदि एक पक्ष लगातार कथाएँ रच रहा है और दूसरा केवल शिकायत कर रहा है, तो अंततः प्रभाव उसी का होगा जो कथा का निर्माण कर रहा है। इसलिए आवश्यकता है कि भारतीय सभ्यता, लोक-संस्कृति, परिवार, आस्था, नारी-शक्ति, सामाजिक जटिलताओं और ऐतिहासिक अनुभवों पर आधारित उच्च-गुणवत्ता की सामग्री तैयार की जाए। ऐसी सामग्री उपदेशात्मक नहीं, बल्कि कलात्मक, आधुनिक और प्रभावशाली होनी चाहिए।

इसके साथ ही मीडिया-साक्षरता को भी बढ़ाना होगा, ताकि दर्शक यह समझ सकें कि किसी कथा में क्या दिखाया जा रहा है और क्या जानबूझकर छोड़ा जा रहा है। प्रस्तुतीकरण, प्रतीकवाद और वैचारिक पूर्वाग्रहों की पहचान करने की क्षमता समाज को अधिक सजग बनाती है।

आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या भारत अपनी कहानी स्वयं कहेगा या उसकी कथा दूसरे लिखेंगे? क्या परंपरा, धर्म, परिवार और सांस्कृतिक विरासत को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति ही आधुनिकता का नया मानदंड बन जाएगी? यदि ऐसा होता है तो यह केवल मनोरंजन का विषय नहीं रहेगा, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास और सभ्यतागत निरंतरता का प्रश्न बन जाएगा, इसलिए समय की माँग स्पष्ट है, सजग दर्शक, उत्तरदायी मंच, वैकल्पिक सृजन और सांस्कृतिक आत्मविश्वास। मनोरंजन के क्षेत्र में चल रहा यह संघर्ष केवल पर्दे पर दिखाई देने वाले दृश्यों का नहीं, बल्कि समाज की स्मृति, पहचान और भविष्य की दिशा का संघर्ष भी है।

(लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ स्तम्भकार हैं)

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी : राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए समर्पित एक युगद्रष्टा व्यक्तित्व

वरुण कुमार

भारतीय राजनीति और राष्ट्र जीवन के इतिहास में कुछ ऐसे व्यक्तित्व हुए हैं जिनका प्रभाव उनके जीवनकाल से कहीं अधिक व्यापक और दीर्घकालिक रहा है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही महान व्यक्तित्वों में से एक थे। वे एक प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, महान शिक्षाविद, कुशल प्रशासक, दूरदर्शी राजनेता तथा राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने अपने विचारों, कार्यों और संघर्षों के माध्यम से भारतीय राजनीति को एक नई दिशा प्रदान की। राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने वाले इस महान नेता ने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण भारत की एकता, सांस्कृतिक अस्मिता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया।23 जून 1953 को उनकी असामयिक मृत्यु हुई, किंतु उनके विचार और आदर्श आज भी करोड़ों भारतीयों को प्रेरणा देते हैं। उनकी पुण्यतिथि केवल एक महान नेता को स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति उनके योगदान का मूल्यांकन करने का भी अवसर है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को कोलकाता में एक प्रतिष्ठित और शिक्षित परिवार में हुआ था। उनके पिता आशुतोष मुखर्जी अपने समय के प्रसिद्ध शिक्षाविद, न्यायविद और कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति थे। उन्हें "बंगाल का बाघ" भी कहा जाता था। उनकी माता योगमाया देवी धार्मिक और संस्कारित महिला थीं।घर में शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रहित के विषयों पर चर्चा होती रहती थी। यही वातावरण बालक श्यामा प्रसाद के व्यक्तित्व निर्माण का आधार बना। उन्होंने बचपन से ही अध्ययन में असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी स्मरण शक्ति, तर्क क्षमता और नेतृत्व कौशल उन्हें अपने समकालीन छात्रों से अलग पहचान दिलाते थे।

उन्होंने कोलकाता के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से शिक्षा प्राप्त की और हर परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंग्रेजी साहित्य, कानून और राजनीति जैसे विषयों में उनकी गहरी रुचि थी। आगे चलकर उन्होंने बैरिस्टर की उपाधि प्राप्त की और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हुए।शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान है।डॉ. मुखर्जी मूलतः एक शिक्षाविद थे। वे मानते थे कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी शिक्षा व्यवस्था और जागरूक नागरिकों में निहित होती है। मात्र 33 वर्ष की आयु में उन्हें कोलकाता विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया, जो उस समय एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। वे विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने।कुलपति के रूप में उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण सुधार किए। उन्होंने भारतीय भाषाओं, भारतीय इतिहास और भारतीय संस्कृति को शिक्षा के केंद्र में लाने का प्रयास किया। उस समय अंग्रेजी शिक्षा व्यवस्था पर पश्चिमी प्रभाव अत्यधिक था, किंतु डॉ. मुखर्जी चाहते थे कि भारतीय छात्र अपनी जड़ों और सांस्कृतिक विरासत से भी जुड़े रहें।उन्होंने विश्वविद्यालय में अनुसंधान, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा दिया। उनके प्रयासों से शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि राष्ट्र निर्माण का साधन बनने लगी। आज भी शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मानपूर्वक स्मरण किया जाता है।

डॉ. मुखर्जी का सार्वजनिक जीवन केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहा। देश की राजनीतिक परिस्थितियों ने उन्हें राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। वे बंगाल विधान परिषद के सदस्य बने और बाद में विभिन्न प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।राजनीति में उनका दृष्टिकोण स्पष्ट था–राष्ट्रहित सर्वोपरि। वे किसी भी प्रकार के सांप्रदायिक विभाजन, तुष्टीकरण या राष्ट्रीय हितों से समझौते के विरोधी थे। उनका मानना था कि भारत की शक्ति उसकी सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रीय चेतना में निहित है।उनकी स्पष्टवादिता और राष्ट्रवादी सोच के कारण वे शीघ्र ही राष्ट्रीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण व्यक्तित्व बन गए। भारत के विभाजन का समय देश के इतिहास का सबसे कठिन काल था। सांप्रदायिक तनाव, हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता के बीच देश के अनेक हिस्सों का भविष्य अनिश्चित था।उस समय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बंगाल के हिंदू बहुल क्षेत्रों को भारत में बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बंगाल के विभाजन का समर्थन इसलिए किया ताकि उसका पश्चिमी भाग भारत में बना रहे। इतिहासकारों का मानना है कि यदि उनके प्रयास नहीं होते तो वर्तमान पश्चिम बंगाल का बड़ा भाग पाकिस्तान में शामिल हो सकता था।उन्होंने विभाजन से प्रभावित लोगों के पुनर्वास और सुरक्षा के लिए भी सक्रिय प्रयास किए। उनके लिए राष्ट्र केवल एक राजनीतिक इकाई नहीं था, बल्कि साझा संस्कृति, परंपरा और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक था।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें मंत्रिमंडल में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में शामिल किया। यह उनकी प्रशासनिक क्षमता और राष्ट्रीय स्वीकार्यता का प्रमाण था।मंत्री के रूप में उन्होंने देश के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल कीं। स्वतंत्र भारत उस समय आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा था। उद्योगों की स्थापना, उत्पादन वृद्धि और आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर उन्होंने गंभीरता से कार्य किया।हालाँकि समय के साथ कुछ राष्ट्रीय मुद्दों पर उनके और सरकार के बीच मतभेद बढ़ने लगे। विशेष रूप से पूर्वी पाकिस्तान में हिंदुओं की स्थिति और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर उन्होंने अपनी असहमति खुलकर व्यक्त की।अंततः 1950 में उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। यह निर्णय दर्शाता है कि वे पद से अधिक सिद्धांतों को महत्व देते थे।

मंत्रिमंडल छोड़ने के बाद डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रवादी विचारधारा को संगठित राजनीतिक स्वर देने का निर्णय लिया। 21 अक्टूबर 1951 को उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की।यह केवल एक राजनीतिक दल नहीं था, बल्कि राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक चेतना, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता के विचारों का मंच था। जनसंघ ने भारतीय राजनीति में वैचारिक बहस को नई दिशा दी।डॉ. मुखर्जी देशभर में यात्रा कर संगठन को मजबूत करने लगे। उन्होंने युवाओं, बुद्धिजीवियों और राष्ट्रवादी विचारधारा से जुड़े लोगों को एकजुट किया। उनके नेतृत्व में जनसंघ शीघ्र ही एक प्रभावशाली राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरने लगा।बाद के वर्षों में यही संगठन विकसित होकर भारतीय जनता पार्टी के रूप में सामने आया, जो आज भारतीय राजनीति की प्रमुख शक्तियों में से एक है।डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे चर्चित और महत्वपूर्ण अध्याय जम्मू-कश्मीर से जुड़ा हुआ है। स्वतंत्रता के बाद जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्राप्त था। वहाँ अलग संविधान, अलग झंडा और अलग प्रशासनिक व्यवस्था लागू थी।डॉ. मुखर्जी का मानना था कि यह व्यवस्था राष्ट्रीय एकता के सिद्धांत के अनुरूप नहीं है। वे कहते थे कि यदि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है तो वहाँ अलग व्यवस्था क्यों होनी चाहिए। इसी संदर्भ में उन्होंने प्रसिद्ध नारा दिया–

"एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे।"

यह नारा केवल राजनीतिक घोषणा नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय एकीकरण के उनके दृष्टिकोण का प्रतीक था।उन्होंने जम्मू-कश्मीर में लागू परमिट व्यवस्था का विरोध किया। उस समय भारत के नागरिकों को जम्मू-कश्मीर जाने के लिए विशेष अनुमति लेनी पड़ती थी। डॉ. मुखर्जी ने इसे राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध बताया।

1953 में उन्होंने बिना परमिट जम्मू-कश्मीर जाने का निर्णय लिया। जैसे ही वे राज्य की सीमा में प्रवेश किए, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें श्रीनगर में नजरबंद रखा गया।

गिरफ्तारी के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। उपचार की व्यवस्था को लेकर अनेक प्रश्न उठे। 23 जून 1953 को हिरासत में ही उनका निधन हो गया।उनकी मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया। लाखों लोगों ने इसे राष्ट्र की बड़ी क्षति माना। उनकी मृत्यु की परिस्थितियों पर वर्षों तक प्रश्न उठते रहे और यह विषय आज भी इतिहासकारों तथा राजनीतिक विश्लेषकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का व्यक्तित्व अनेक गुणों से परिपूर्ण था। वे विद्वान थे, परंतु व्यवहार में अत्यंत सरल थे।

युद्धविराम से आगे: क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

ललित गर्ग

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके।

इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी।

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है।

दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा। इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी। आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि यह युग युद्ध का नहीं है। संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है?

दैनिक पंचांग

23 जून को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

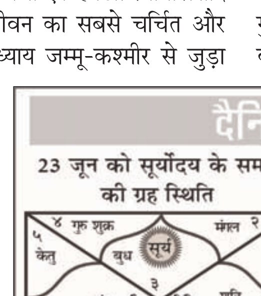

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	07.01 बजे से
चंद्र	कन्या में	सिंह	09.17 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	11.29 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	13.40 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.55 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	18.11 बजे से
शनि	मीन में	मकर	20.16 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	22.02 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.35 बजे से
राहुकाल		मेष	01.06 बजे से
3.00 से 4.30		वृष	02.46 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.44 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 174 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 16.40 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 11.54 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 10.14 बजे को समाप्त।
करण कौलव 16.40 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 7.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872749
जूलियन दिन 2461214.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम
तारीख 07
विशेष महेश नवमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

नाबालिग से यौन शोषण का आरोपी गिरफ्तार

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र में नाबालिग से यौन शोषण के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमड़ापाड़ा थाना कांड संख्या 45/26 के तहत पोक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। मामले में आरोपी जगन्नाथ किस्कू, पिता नागेश्वर किस्कू, के विरुद्ध नाबालिग के साथ यौन शोषण का आरोप लगाया गया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की और आवश्यक कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है तथा पीड़िता को कानूनी सहायता और आवश्यक संरक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध के मामलों में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा तथा कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जल मीनार के पास लगा कूड़े का ढेर लोग परेशान

साहिबगंज : नगर क्षेत्र के वार्ड छह के पश्चिमी रेलवे फाटक के समाने वाली गली में बने जल मीनार का लाभ लोगों को नहीं मिल रहा है। इस जल मीनार के पास इतना अधिक कूड़े का ढेर लगा रहता है की लोगों को जल मीनार तक पहुंचना कठिन हो जाता है। इस गली में जल मीनार के पास, आसपास के गलियों व रोड से कचरा का उठाव कर नप कर्मी ही नहीं लोग भी डाल देते हैं। हलांकि कभी कभार नगर परिषद स्तर से ट्रैक्टर से यहां का कचरा उठाया जाता तो है लेकिन पूरी तरह सफाई नहीं करायी जाती है। जिस कारण इस जल मीनार के बनाने को कोई लाभ किसी को नहीं मिल रहा है। आसपास के कुछ लोगों ने कहा की जब फायदा ही नहीं मिल रहा है तो यहां बनाने का क्या औचित्य था। वैसे भी इस सूनसान गली में जल मीनार बनाये जाने पर सवाल उठ रहे हैं कि जब किसी को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है तो यहां बना कर राशि की बबार्दी ही की गई है। पास में रहने वालों ने नगर परिषद से मांग की है इस रोड-गली में कचरा का ढेर लगाने पर रोक लगे और सफाई कराकर जल मीनार का लाभ दिलाया जाये।

मंजुला शर्मा मेमोरियल अकादमी में सामान्य अभिभावक बैठक संपन्न

डोमचांच : मंजुला शर्मा मेमोरियल अकादमी, डोमचांच में विद्यालय प्रबंधन एवं अभिभावकों के मध्य एक महत्वपूर्ण सामान्य अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षणिक उत्थान, अनुशासन, नैतिक मूल्यों तथा सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय एवं अभिभावकों के मध्य सशक्त समन्वय स्थापित करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय के प्रशासक राम प्रवेश पाण्डेय जी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य अभिषेक कुमार पांडेय द्वारा स्वागत संबोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने उपस्थित सभी अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का हार्दिक अभिनंदन किया। अपने संबोधन में विद्यालय के निदेशक रजनीश कुमार ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान की सफलता केवल विद्यालय के प्रयासों से नहीं, बल्कि अभिभावकों के सहयोग और विश्वास से भी सुनिश्चित होती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक शिक्षण पद्धतियों तथा संस्कारयुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मतदाता सूची को शुद्ध, समावेशी एवं अद्यतन बनाने में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सदर प्रखंड सह अंचल कार्यालय, पाकुड़ के सभागार एवं नगर परिषद कार्यालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से मतदाता सूची को अधिकाधिक शुद्ध, समावेशी, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में घर-घर सत्यापन, गणना प्रपत्रों के संकलन एवं सत्यापन, पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नामों के विलोपन, निर्वाचक नामावली में त्रुटियों के संशोधन तथा विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं पर विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन की सफलता एक शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची पर निर्भर करती है। उन्होंने सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं त्रुटिरहित कार्य संपादित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि यदि किसी मतदाता का नाम दो अलग-अलग स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज पाया जाता है, तो संबंधित बीएलओ द्वारा सत्यापन कर आवश्यक प्रपत्र भरवाया जाएगा। वहीं मृत अथवा स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं के मामलों में स्थानीय स्तर पर आवश्यक जांच एवं सत्यापन के उपरांत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी अभिलेख एवं प्रपत्र सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखे जाएं तथा प्रत्येक कार्रवाई का समुचित दस्तावेजीकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि बीएलओ द्वारा अनमैप्ड वोटर सूची में एएसडीडी श्रेणी के मतदाताओं की पहचान की जाएगी। इसके पश्चात संबंधित मतदान केंद्र स्तर पर राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए-2) के समक्ष सूची प्रस्तुत कर सत्यापन कराया जाएगा तथा अनुमोदन एवं हस्ताक्षर प्राप्त किए जाएंगे। बैठक की कार्यवाही एवं फोटोग्राफ निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। उपायुक्त ने कहा कि अरउ़ऊसूची का प्रकाशन सभी मतदान केंद्रों, पंचायत भवनों, शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों एवं प्रखंड कार्यालयों में किया जाएगा। साथ ही इसे जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर खोज योग्य प्रारूप में उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अरउ़ऊ सूची में शामिल मतदाताओं के नाम प्रारूप निर्वाचक नामावली में सम्मिलित नहीं किए जाएंगे तथा निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि सूची में किसी प्रकार की त्रुटि अथवा तथ्यात्मक विसंगति न रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनरों द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 से संबंधित तकनीकी एवं प्रक्रियागत पहलुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया तथा पुनरीक्षण कार्य के सफल क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

प्रखंड सभागार में एसआईआर को लेकर दिया गया प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : प्रखंड सभागार राजमहल में सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी राजमहल मो यूसुफ की अध्यक्षता में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से प्रखंड अंतर्गत बीएलओ और सुपरवाइजर उपस्थित हुए। प्रशिक्षण में मुख्य रूप से कंप्यूटर ऑपरेटर भरत मंडल द्वारा एसआईआर के दौरान बीएलओ की भूमिका पर विस्तृत रूप से जानकारी दी, जिसमें एनिमेरेशन फॉर्म का वितरण, संकलन, और ऐप के माध्यम से एंट्री को सावधानी पूर्वक करने का निर्देश दिया। वही बीडीओ मो यूसुफ ने सभी को बताया कि मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य यह है कि कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और कोई भी गलत मतदाता शामिल नहीं हो इसका विशेष ध्यान रखते हुए सभी को अपना शत प्रतिशत देते हुए इस महाअभियान को सफल बनाना है। इस दौरान पंचायत राज पदाधिकारी सूर्यनारायण चौधरी, बीपीओ गगन बापू, विजय कुमार, कैलाश वर्मा, राकेश कुमार, संजय सिंह, श्रवण कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

बरारी में भीषण सड़क हादसा : ट्रेलर की चपेट में आने से मां-बेटे समेत तीन की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरारी गांव के समीप एनएच 80 पर सोमवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और आक्रोशित ग्रामीणों ने करीब दो घंटे तक राष्ट्रीय राजमार्ग-80 को जाम कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, साहेबडांगा गांव निवासी आयेशा बीबी (40 वर्ष), उनके पुत्र इस्माईल उर्फ लालू शेख (20 वर्ष) तथा पुत्री फतेमा खातून (18 वर्ष) एक बाइक पर सवार होकर फरक्का की ओर से लौट रहे थे। उनके साथ एक बच्चा भी मौजूद था। इसी दौरान बरारी गांव के समीप एक 16 चक्का ट्रेलर (संख्या जेएच 16 एच 0025) की चपेट में आने से भीषण दुर्घटना हो गई। हादसा इतना भयावह था कि आयेशा बीबी, इस्माईल उर्फ लालू शेख और फतेमा खातून की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि साथ में मौजूद बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बच्चे का इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया तथा तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच-80 को जाम कर दिया, जिससे लगभग दो घंटे तक यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा। पुलिस और प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद लोगों को शांत कराया गया और सड़क पर वाहनों का परिचालन पुनः बहाल कराया गया। बताया जाता है कि यह हादसा सोमवार की शाम करीब 3:30 बजे से 4:30 बजे के बीच हुआ। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की असामयिक मौत से साहेबडांगा गांव में मातम पसरा हुआ है और पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

मोहर्रम को लेकर जिरवाबाड़ी थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : आगामी 26 एवं 27 जून को मनाए जाने वाले मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शनिवार को जिरवाबाड़ी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी सुशील कुमार ने की। बैठक में मोहर्रम कमेटी के पदाधिकारियों, शांति समिति के सदस्यों एवं पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए एसडीपीओ सुशील कुमार ने कहा कि मोहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि मोहर्रम जुलूस का संचालन लाइसेंस में निर्धारित समय तथा प्रशासन द्वारा तय किए गए रूट के अनुसार ही किया जाएगा।किसी भी प्रकार की मनमानी या नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने या भ्रामक संदेश प्रसारित करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। आम लोगों से अपील की गई कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध सूचना की तत्काल प्रशासन को जानकारी दें।

मुहर्रम को लेकर जिलेभर में शांति समिति की बैठक, प्रशासन ने जारी किए दिशा-निर्देश

पाकुड़ : जिले में आगामी मुहर्रम पर्व 2026 को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक पाकुड़ के निर्देश पर जिले के विभिन्न थाना एवं ओपी क्षेत्रों में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठकों में सभी समुदायों के गणमान्य लोग, जनप्रतिनिधि तथा सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में लोगों से आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मुहर्रम पर्व मनाने की अपील की गई। प्रशासन की ओर से बताया गया कि मुहर्रम जुलूस के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। संवेदनशील स्थलों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की विशेष तैनाती रहेगी। प्रशासन ने जुलूस आयोजकों से निर्धारित मार्ग एवं समय का पालन करने का आग्रह किया है। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देने तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक, आपत्तिजनक अथवा असत्य सूचना प्रसारित करने से बचने की अपील की गई है।

बरहरवा-फरक्का रोड पर भीषण हादसा दो बाइकों की टक्कर में एक की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहेबगंज : बरहरवा-फरक्का मुख्य पथ पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। केचुआ पुल के पास दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो लोग जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। हादसा बरहरवा थाना क्षेत्र में हुआ। उधवा पहाड़गांव का 18 साल का असरफ शेख अपने साथ उधवा बाकई टोला के शाहिद शेख, 22 वर्ष और सनाउल शेख, 35 वर्ष को लेकर बाइक से बरहरवा जा रहा था। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। केचुआ पुल के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 35 वर्षीय सनाउल शेख ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। असरफ और शाहिद गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। बरहरवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को बरहरवा सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद हालत नाजुक देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं, पुलिस ने सनाउल शेख के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। बरहरवा थाना प्रभारी ने बताया कि हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। प्रथम दृष्टया तेज रफ्तार और लापरवाही हादसे की वजह मानी जा रही है। इधर एक ही गांव के तीन लोगों के हादसे का शिकार होने से उधवा में मातम पसरा है। गांव में गमगीन माहौल के बीच परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण को लेकर पाकुड़ स्वास्थ्य विभाग सतर्क

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

> मलेरिया, फाइलेरिया एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम हेतु सघन निगरानी और रोगी खोज अभियान तेज करने का निर्देश

पाकुड़ : जिले में वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम, निगरानी एवं नियंत्रण गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सिविल सर्जन डॉ. एस.के. मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला भीवीडी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, जिला भीबीडी कंसल्टेंट अंकित कुमार, एफएलए राजू अग्रवाल, पीएल पिरामल प्रभास, सीनी के जिला समन्वयक अमित कुमार, एमटीएस, केटीएस सहित स्वास्थ्य विभाग एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में जिले में संचालित वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान पाया गया कि मासिक बुखार रोगियों की खोज एवं रिपोर्टिंग निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप नहीं हो रही है। इस पर सिविल सर्जन डॉ सुरेन्द्र कुमार मिश्रा ने सभी स्वास्थ्यकर्मियों को सक्रिय रोगी खोज अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने तथा अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर बुखार सर्वेक्षण संचालित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि रोगियों की समय पर पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है। बैठक में पात्र लाभार्थियों के बीच एमएमडीपी किट के शत- प्रतिशत वितरण पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही अभिलेखों के समुचित संधारण, समय पर प्रतिवेदन (रिपोर्टिंग) एवं आंकड़ों के नियमित अद्यतन की आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा की गई, ताकि कार्यक्रमों की प्रभावी निगरानी एवं मूल्यांकन सुनिश्चित किया जा सके। समीक्षा के दौरान एंटी मलेरिया माह के अंतर्गत संचालित गतिविधियों, चल रहे सक्रिय रोगी खोज अभियान तथा अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति का भी आकलन किया गया। वर्तमान मौसम एवं बदलती जलवायु परिस्थितियों को देखते हुए जिले में मलेरिया के मामलों में संभावित वृद्धि पर चिंता व्यक्त की गई तथा रोकथामात्मक उपायों को और अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

अंबुबाची पर्व पर तीन दिनों के लिए बंद रहेंगे मां पगली दुर्गा और झंमझमिया काली मंदिर के कपाट

साहिबगंज: आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष में होने वाले अंबुबाची को लेकर प्रखंड क्षेत्र के गुणहारी पंचायत मंडई स्थित मां पगली दुर्गा महारानी एवं बेगमपुरा स्थित झंमझमियां काली मंदिर के कपाट 3 दिनों तक भक्तों के लिए बंद रहेगा। जिसमें नियमित पूजा अर्चना पूरी तरह बंद रहेगा। उक्त बातों की जानकारी पगली दुर्गा मंदिर के पुरोहित सपन अवस्थी ने देते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष बंगला आषाढ़ मास में अंग्रेजी तिथि अनुसार 22 जून को अंबुबाची लग जाता है। इस बार तिथि के अनुसार 22 जून सोमवार को संध्या आरती के बाद मंदिर का कपाट तीन दिनों के लिए बंद हो जाएगा। अंबुबाची सोमवार की रात 9:08 बजे पर प्रवेश करेगा और शुक्रवार 26 जून को सुबह 9:33 पर समाप्त होगा। इसके बाद नियमित पूजा अर्चना एवं भक्तों के लिए मंदिर का पट खोल दिया जाएगा। अंबुबाची का विशेष महत्व है। जानकारी के अनुसार 51 शक्तिपीठों में से सर्वश्रेष्ठ 1 शक्तिपीठ जो असम राज्य के नीलांचल पर्वत स्थित मां कामाख्या के नाम से विराजमान हैं। जहां प्रत्येक वर्ष मानसून के दौरान जून महीना के मध्य में जब सूर्य मिथुन राशि में प्रवेश करता है और ब्रह्मपुत्र नदी उफान पर रहती है जो आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष तिथि के 22 जून से 26 जून तक विशाल एवं भव्य मेला लगता है। मान्यता है कि ये मेला उस वक्त लगता है जब मां कामाख्या रजस्वला रहती हैं। अंबुबाची योग पर्व के दौरान मां भगवती के गर्भगृह के कपाट खुद ही बंद हो जाते हैं। इस दौरान उनके दर्शन करने के अनुमति नहीं होती है। तीन दिन के बाद मां की रजस्वला समाप्ति पर उनकी विशेष पूजा और साधना की जाती है।

राधा-कृष्ण, गणेश और बजरंगबली की मूर्तियों का नगर भ्रमण, उमड़ा आस्था का सैलाब

साहिबगंज: नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत हरिपुर शिवालय में पांच दिवसीय श्रीराधा श्रीकृष्ण, भगवान गणेश एवं भगवान बजरंगबली का मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह पूजन के दूसरे दिन सोमवार को मूर्ति को नगर भ्रमण कराया गया। मंदिर के मुख्य पुरोहित सुनील पंडित ने बताया कि पहले दिन 501 कलश के कलश यात्रा निकाला गया। दूसरे दिन मंदिर में वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से पूजन किया गया ओर संध्या बेला में भगवान गणेश, श्रीराधा श्रीकृष्णा, भगवान बजरंगबली की मूर्ति को फूलों से सजे रथ में सवार करके ढोल नगाड़ा गाजे बाजे के साथ श्रद्धालुओं ने झूमते नाचते गाते नगर भ्रमण कराया। जिसमें महिला पुरुष श्रद्धालु काफी संख्या में शामिल थे। वही 23 जून को वैदिक मंत्रोचारण से विधिवत पूजन करके फलाधिवास, 24 जून को अन्नाधिवास, पुष्पाधिवास, सज्जा अधिवास व फलाधिवास होगा। 25 जून को प्राण प्रतिष्ठा व संध्या में भोग वितरण किया जाएगा। मौके पर पप्पू स्वर्णकार, संतोष मोदी, श्रवण मोदी, कुंदन साह, संजय यादव, नीरज कुमार, मुन्ना यादव, आशीष यादव, राजा सहित सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

बंद घर का ताला तोड़ तीन लाख के जेवरात की चोरी, सीसीटीवी में कैद हुए नकाबपोश चोर

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के मास्टर कॉलोनी में बंद पड़े एक मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने करीब तीन लाख रुपये मूल्य के सोने के जेवरात की चोरी कर ली। चोरी की पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में तीन नकाबपोश बदमाश चोरी करते स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, मकान पलामू जिले में पदस्थापित ब्लॉक को-ऑपरेटिव ऑफिसर संजय कुमार चंद्रवंशी का है। घटना के समय परिवार घर से बाहर था। पड़ोसियों ने घर का ताला टूटा देखा तो इसकी सूचना परिजनों को दी। घर पहुंचने पर मुख्य दरवाजे के साथ-साथ अलमारी का ताला भी टूटा मिला। अलमारी में रखे सोने का टीका, मंगलसूत्र समेत अन्य कीमती जेवरात गायब थे। चोरी किए गए सामान की अनुमानित कीमत करीब तीन लाख रुपये बताई गई है। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, घटना 18 जून की रात करीब एक बजे की है। तीनों बदमाश घर के पीछे की चारदीवारी फांदकर परिसर में दाखिल हुए। इसके बाद मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया। प्रथम तल पर स्थित कमरे की अलमारी को कटर या अन्य औजार से तोड़कर उसमें रखे जेवरात समेट लिए और फरार हो गए। वारदात के दौरान तीनों बदमाशों ने अपने चेहरे कपड़े से ढक रखे थे तथा कैमरे की नजर से बचने का भी प्रयास किया। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के बाद मास्टर कॉलोनी और आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय लोगों ने रात्रि गश्ती बढ़ाने और चोरों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल, 24 जून को लगेगा रोजगार मेला

पाकुड़ : जिला नियोजनालय, पाकुड़ द्वारा जिले के शिक्षित एवं रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 24 जून 2026 को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह रोजगार मेला बाजार समिति मैदान, गोकुलपुर, पाकुड़ में प्रात: 10:30 बजे से आयोजित होगा। रोजगार मेले में विभिन्न प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र की कंपनियां भाग लेंगी तथा योग्य अभ्यर्थियों के चयन हेतु साक्षात्कार एवं अन्य चयन प्रक्रियाएं संचालित की जाएंगी। मेले के माध्यम से युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उन्हें अपनी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। जिला नियोजन पदाधिकारी राहुल कुमार ने जिले के अधिक से अधिक योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थियों से रोजगार मेले में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह मेला युवाओं और नियोजकों के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करेगा तथा स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में सार्थक पहल साबित होगा। उन्होंने अभ्यर्थियों से अनुरोध किया है कि वे अपने सभी आवश्यक शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, बायोडाटा, पहचान पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय पर स्थल पर उपस्थित होकर रोजगार के अवसरों का लाभ उठाएं। जिला प्रशासन द्वारा रोजगार मेले के सफल आयोजन हेतु सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। उम्मीद की जा रही है कि इस आयोजन से बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिलेगा तथा जिले में कौशल एवं रोजगार संवर्धन को नई गति मिलेगी।

मोहर्रम को लेकर मुफ्फसिल थाना में हुई शांति समिति की बैठक संपन्न

साहिबगंज: आगामी मोहर्रम पर्व को लेकर शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शनिवार को मुफस्सिल थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी सुशील कुमार ने की। बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी ने कहा कि मोहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ मनाएं। उन्होंने कहा कि जुलूस का संचालन प्रशासन द्वारा निर्धारित रूट एवं लाइसेंस में अंकित समय के अनुसार ही किया जाएगा। किसी भी प्रकार की मनमानी, हुड़दंग या कानून-व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे लोगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

तीन महीने की मजदूरी अटकी, हड़ताल पर उतरे सफाईकर्मी

बोकारो : सदर अस्पताल सहित अन्य सरकारी स्वास्थ्य उपकेंद्र में काम करनेवाले ठेका सफाई कर्मियों आज एक दिवसीय हड़ताल पर चले गए है, 3 महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण हड़ताल पर गए। सदर अस्पताल समेत सभी स्वास्थ्य केंद्रों में सफाई ठप. सफाई कर्मियों ने कहा अगर हमारी मांगे नहीं मानी गई तो अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चले जायेंगे। बताते चले कि बोकारो जिले के सरकारी अस्पतालों में सफाई व्यवस्था आज से सफाई कर्मी एक दिवसीय हड़ताल पर चले जाने से चरमरा गई है। ठेका पर काम करने वाले सफाई कर्मी आज से हड़ताल पर चले गए हैं। सफाई कर्मी की माने तो अप्रैल, मई और जून यानी तीन महीने से वेतन नहीं मिलने से नाराज कर्मियों ने काम ठप कर दिया है। सदर अस्पताल से लेकर पी.एच.सी और उपकेंद्रों तक असर दिख रहा है। कर्मियों का कहना है जब तक बकाया वेतन नहीं मिलता तबतक काम पर नहीं लौटेंगे।सफाई कर्मी सागर कुमार और छोटू कुमार ने कहा कि ठेकेदार को बोलने पर कहा कि अभी एलॉटमेंट नहीं मिला है ऐसे में नहीं दे सकते है। उन्होंने कहा कि ये एकदिवसीय हड़ताल है और आगे बात नहीं मानी गई तो अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चले जायेंगे।

मुखिया प्रतिनिधि एवं पंसस ने किया धोती साड़ी का किया वितरण

बरही : झारखंड में सोना सोबरन धोती - साड़ी योजना के तहत जब वितरण प्रणाली दुकानों से गरीबों को रियायती दर पर वस्त्र बांटे जाते है। इसी क्रम में बरही प्रखंड अंतर्गत कोल्हुआकला पंचायत में सरस्वती महिला मंडल, मालती महिला मंडल एवं बैजयंती महिला मंडल समेत सभी जनवितरण प्रणाली दुकानों में स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि रवि यादव एवं पंसस प्रभु यादव ने कार्डधारियों के बीच धोती साड़ी का अनुदानित दर पर वितरण किया। इस दौरान मुखिया प्रतिनिधि रवि यादव एवं पंसस प्रभु यादव ने संयुक्त रूप से कहा कि धोती साड़ी वितरण का मुख्य उद्देश्य राज्य के आर्थिक रूप से कमजोर और गरीब परिवारों को सस्ता और सुनिश्चित वस्त्र उपलब्ध कराना है। मौके पर दर्जनों लाभुक मौजूद थे।

राशन कार्ड में ई-केवाईसी कराना अनिवार्य, नहीं कराने पर कट सकता है नाम

बरही : आपूर्ति पदाधिकारी मनोहर भगत ने बरही प्रखंड क्षेत्र के सभी राशनकार्ड धारक लाभुकों को ई-केवाईसी कराने की अपील किया। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देश पर राशन कार्डधारियों के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। प्रखंड बताया कि राशनकार्ड में दर्ज सभी सदस्यों का ई-केवाईसी नहीं कराने से राशनकार्ड से नाम कट जाएगा और वैसे लाभुक राशन से वंचित हो जाएंगे जिसकी जिम्मेदारी राशन लाभुक खुद होंगे। उन्होंने ई-केवाईसी नहीं किए लाभुकों से अपिल करते हुए कहा कि ई-केवाईसी की सुविधा सभी जन वितरण प्रणाली दुकानों में उपलब्ध ई-पॉस मशीन है उनके माध्यम ई-केवाईसी किया जा रहा है। दुकान से सम्बंधित लाभुक अपने नजदीकी राशन डीलर के पास जाकर आसानी से ई-केवाईसी करा सकते हैं।कहा कि जिन लोगों ने नया राशन कार्ड बनवाने या परिवार के किसी नए सदस्य का नाम जोड़ने के लिए आवेदन किया है, उनके आवेदन यदि अभी लंबित हैं, तो वैसे लाभुक भी ई-पॉस मशीन के माध्यम से ई-केवाईसी कराना होगा। बिना ई-केवाईसी के ऐसे आवेदनों को स्वीकृति नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने पारदर्शी और त्रुटिरहित वितरण करने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की है।

पदमा में चोरों का तांडव : थाना के समीप कई दुकानों में चोरी, व्यवसायियों में आक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पदमा प्रखंड और व्यावसायिक क्षेत्रों में इन दिनों सुरक्षा भगवान भरोसे है। सोमवार की सुबह जब रोज की तरह व्यवसाई अपनी-अपनी दुकानें खोलने पहुंचे, तो उनके होश उड़ गए। किसी की दुकान की छत कटी मिली, तो किसी के एस्बेस्टस (चादर) टूटे हुए थे। चोरों ने एक ही रात में कई जगहों को निशाना बनाकर पूरे क्षेत्र के व्यवसायियों और आम जनता के बीच डर और हड़कंप का माहौल पैदा कर दिया। सबसे कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाने वाली बात यह है कि बेखौफ चोरों ने पदमा थाना ओ.पी के ठीक समीप के पास स्थित दो दुकानों को अपना निशाना बनाया। पुलिस की नाक के नीचे हुई इस दुस्साहसिक वारदात के बाद अब स्थानीय प्रशासन की गश्ती और सुरक्षा दावों पर गंभीर सवालिया निशान खड़े होने लगे हैं। महीने भर के भीतर दूसरी बार निशाना, भुक्तभोगियों ने बयां किया दर्द ।प्राप्त जानकारी के अनुसार, पदमा थाना के समीप स्थित दो दुकानों में महीने भर के भीतर चोरी की यह दूसरी बड़ी घटना है।भुगतभोगी दुकानदार टिकेश्वर मेहता ने बताया कि जब वे सुबह अपनी समय पर अपनी दुकान खोलने आए, तो दुकान के पीछे का हिस्सा कटा हुआ था। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि चोर काउंटर में रखे हजारों नगद कैश और कीमती सिगरेट के डिब्बे समेत अन्य सामान समेट कर ले उड़े हैं। घटना से आक्रोशित दुकानदार ने पदमा थाने में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है।वहीं, टिकेश्वर मेहता की दुकान से ठीक सटीक सूरज कुमार की दुकान को भी चोरों ने नहीं बख्शा। चोरों ने दुकान के ऊपरी हिस्से के चादर (एस्बेस्टस) को बेरहमी से तोड़ दिया और अंदर दाखिल होकर हजारों रुपये मूल्य के सामान पर हाथ साफ कर दिया। वहीं दाऊजी नगर में स्थित दो दुकानों में (सुरेंद्र मेहता और विजय मेहता) ऐसे ही चोरों ने चोरी करके ले भागे।इससे कुछ दिन पूर्व ही इटखोरी मोड़ से बड़ी गाड़ी चोरी का अंजाम दिया गया और कदवा में एनएच 33 के पास बने रेस्ट ड्राइवर एरिया पार्किंग के पास खड़ी कई गाड़ियों से डीजल चोरी की वारदात का अंजाम दिया गया। ऐ सभी जगह थाना से महज एक दो किलोमीटर के ही दूरी पर ही स्थित है। एक ही रात में सिलसिलेवार ढंग से हुई इन चोरियों के बाद स्थानीय व्यवसायियों और आम नागरिकों में भारी आक्रोश है। नेशनल हाईवे पर ।लोगों का कहना है कि जब थाना परिसर के बिल्कुल नजदीक स्थित दुकानें ही सुरक्षित नहीं हैं, तो सुदूरवर्ती इलाकों की सुरक्षा की क्या गारंटी? पदमा प्रखंड में लगातार बढ़ते अपराध ग्राफ और आए दिन हो रही चोरी की घटनाओं से व्यापारी वर्ग और आम जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे है।घटना के बाद स्थानीय व्यवसायियों ने पुलिस प्रशासन को पदमा थाना ओ पी में लिखित आवेदन सौंपकर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

मुहर्रम को लेकर पुलिस अलर्ट, एसपी ने संवेदनशील क्षेत्रों का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : आगामी मुहर्रम पर्व 2026 को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु पुलिस अधीक्षक कोडरमा द्वारा कोडरमा थाना एवं तिलैया थाना क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों स्थानों यथा जलवाबाद, पाण्डेयडीह, गोमो, करमा, भादोडीह, झंडा चौक, गाँधी चौक सहित अन्य स्थानों, जूलूस मार्गों आदि का भौतिक निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक महोदय ने निरीक्षण के कम में सुरक्षा व्यवस्था, भीड नियंत्रण, यातायात व्यवस्था का भी समीक्षा किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने संबंधित थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि मुहर्रम पर्व के दौरान सभी गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जाय तथा किसी भी प्रकार के अफवाह, असामाजिक तत्वों की गतिविधि अथवा साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाडने के प्रयासों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा कि मुहर्रम पर्व के दौरान सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। भ्रामक, आपत्तिजनक अथवा अफवाह फैलाने वाले, संदेश प्रसारित करने वालों के विरूध विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। आमजनों से अपील की गयी है कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें। कोडरमा पुलिस शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में मुहर्रम पर्व संपन्न कराने हेतु पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

राशन वितरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं डीएसओ ने डीलरों को दिए सख्त निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला आपूर्ति पदाधिकारी सह जिला पंचायत राज पदाधिकारी राम रतन कुमार वर्णवाल ने सोमवार को मरकच्चो एवं जयनगर प्रखंड का दौरा कर जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने राशन डीलरों के साथ बैठक कर खाद्यान्न वितरण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की तथा सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक समय पर पहुंचाने का निर्देश दिया। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने डीलरों को पारदर्शिता के साथ खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने, लाभुकों की शिकायतों का त्वरित निष्पादन करने, ई केवाईसी करने, नमक चना दाल का वितरण करने, जून माह का खाद्यान्न वितरण ससमय करने तथा वितरण से संबंधित अभिलेखों को अद्यतन रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित डीलर के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। दौरे के क्रम में जिला आपूर्ति पदाधिकारी सह पंचायत राज पदाधिकारी ने पंचायत भवन का निरीक्षण कर वहां संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। पंचायत ज्ञान केंद्र के संचालन की स्थिति, पंचायत का रखरखाव, वी एल ई, पंचायत सहायक द्वारा किए जा रहे कार्यों, रोकड़ पंजी की जांच कर अद्यतन रखने के निर्देश संबंधित पंचायत सचिव को दी गई। इसके साथ ही उन्होंने एसएफसीआई गोदाम का भी निरीक्षण किया तथा खाद्यान्न के भंडारण, रख-रखाव एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान गोदाम में उपलब्ध खाद्यान्न स्टॉक, सुरक्षा व्यवस्था तथा रिकॉर्ड संधारण की जांच की गई। उन्होंने अधिकारियों एवं संबंधित कर्मियों को निर्देश दिया कि खाद्यान्न वितरण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए । इस दौरान जिला पंचायत प्रबंधक सुनील कुमार सिंह, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, गोदाम प्रबंधक, सभी राशन दुकान संचालक सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

डीपीएस बोकारो के आदित्य मिश्रा बने साइंस के संयुक्त नेशनल टॉपर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

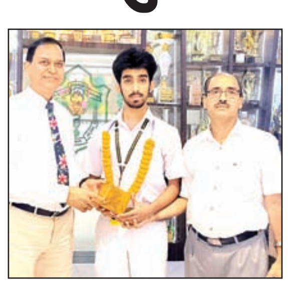

बोकारो : सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाओं में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के विद्यार्थियों ने इस बार रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए एक और नया इतिहास रच दिया है। विद्यालय के होनहार और मेधावी विद्यार्थी आदित्य मिश्रा अब 12वीं बोर्ड की मुख्य परीक्षा में साइंस स्ट्रीम के संयुक्त नेशनल टॉपर बन चुके हैं। अब तक विज्ञान संकाय में झारखंड स्टेट टॉपर रहे आदित्य का पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के उपरांत कुल प्राप्तांक 99.20 प्रतिशत से बढ़कर 99.60 प्रतिशत हो गया। आदित्य ने विगत 13 मई, 2026 को घोषित परीक्षा-परिणाम में अपने बायोलॉजी के रिजल्ट पर असंतोष व्यक्त करते हुए बोर्ड की मूल्यांकन प्रणाली को चुनौती दी थी। उन्होंने री-इवैल्युएशन के लिए सीबीएसई को आधिकारिक रूप से आवेदन किया, जिसका परिणाम छात्र की अपेक्षा के अनुरूप और सुखद रहा। पुनर्मूल्यांकन में आदित्य के बायोलॉजी के मार्क्स अब 96 से बढ़कर 99 हो हो गए। इसके साथ ही अब वह कानपुर की छात्रा सोनाक्षी गोयल के साथ संयुक्त रूप से विज्ञान संकाय के नेशनल टॉपर हो गए। अब इन दोनों विद्यार्थियों के कुल प्राप्तांक 99.60 प्रतिशत हैं। विदित हो कि आदित्य ने तीन विषयों - इंग्लिश कोर, केमिस्ट्री और पेंटिंग में 100 में 100 अंक हासिल किए हैं। जबकि, फिजिक्स में उन्हें 99 अंक मिले। उक्त विषयों के अलावा अन्य सभी में उन्होंने ए1 ग्रेडिंग अर्जित की है। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन पर डीपीएस बोकारो परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। सोमवार को विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने आदित्य को उनके पिता प्रजेश चन्द्र मिश्रा के साथ सम्मानित किया। प्राचार्य ने उन्हें माला पहनाई और मिठाई खिलाकर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना व्यक्त की। डॉ. गंगवार ने आदित्य की इस उपलब्धि को न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे बोकारो और समस्त झारखंड प्रदेश के लिए अत्यंत ही गौरवपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आदित्य शुरू से ही प्रतिभावान छात्र रहा है और अपनी मेधाविता, लगन व परिश्रम की बदौलत विद्यालय के कुशल शिक्षकों को मार्गदर्शन में राष्ट्रीय मानचित्र पर उसने डीपीएस बोकारो का परचम लहराया है।

सरदार पटेल स्कूल में नशामुक्ति जागरूकता अभियान, विद्यार्थियों को दिलाई गई शपथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सेक्टर-9 स्थित सरदार पटेल स्कूल में मादक निषेध एवं नशामुक्ति जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सिटी डीएसपी राजीव रंजन के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस दौरान हरला थाना प्रभारी खुर्शीद आलम ने छात्र-छात्राओं को तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट, गांजा एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशे की लत शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। इससे कैंसर, हृदय एवं फेफड़ों की बीमारियां, अवसाद, स्मरण शक्ति में कमी, पढ़ाई में गिरावट तथा अपराध की प्रवृत्ति बढ़ने जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। मौके पर सिटी डीएसपी राजीव रंजन ने विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन अपनाने और समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंधित है तथा उल्लंघन करने पर जुमार्ने का प्रावधान है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के सोशल वर्कर छोटेलाल दास, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने नशे से दूर रहने और नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

वेदांता ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया, कर्मचारियों और समुदायों के समग्र कल्याण को दिया बढ़ावा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : धातु, तेल एवं गैस, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में मजबूत उपस्थिति रखने वाले विश्व के अग्रणी प्राकृतिक संसाधन समूहों में से एक वेदांता समूह ने अपने विभिन्न व्यवसायों में अनेक वेलनेस पहलों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इन पहलों के जरिए समूह ने समग्र कल्याण को बढ़ावा देने तथा शारीरिक फिटनेस, मानसिक दृढ़ता और सजग जीवनशैली को प्राथमिकता देने वाली संस्कृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। समूह के केयर मूल्य के अनुरूप आयोजित ये कार्यक्रम स्वस्थ कार्यस्थलों के निर्माण और अपने परिचालन क्षेत्रों के आसपास के समुदायों के कल्याण को समर्थन देने के प्रति वेदांता की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। योग को विश्व के लिए भारत का कालातीत योगदान और मन, शरीर तथा आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने का एक प्रभावशाली माध्यम मानते हुए, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक वैश्विक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। यह आंदोलन प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य संवर्धन और निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण से प्रेरित है। इस वैश्विक आयोजन में वेदांता की भागीदारी, दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा के रूप में कल्याण को अपनाने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। समूह के विभिन्न व्यवसायों, वेदांता लिमिटेड (जिसमें हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, वेदांता कॉपर, वेदांता निकेल, फेकोर तथा अन्य सहायक कंपनियां शामिल हैं), वेदांता एल्युमिनियम, वेदांता ऑयल एंड गैस, वेदांता आयरन एंड स्टील और वेदांता पावर, ने स्वस्थ जीवनशैली और सजगता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से योग सत्रों और वेलनेस कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन पहलों में निर्देशित योग एवं ध्यान सत्र, योग विशेषज्ञों और चिकित्सकों के साथ संवाद तथा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित गतिविधियां शामिल थीं। इन उत्सवों का दायरा कार्यस्थलों से आगे बढ़कर वेदांता की प्रमुख सामाजिक प्रभाव पहल नंद घर तक भी पहुंचा। भारत के 17 राज्यों में फैले 13,000 से अधिक केंद्रों के साथ, नंद घर आधुनिकीकृत आंगनवाड़ी केंद्र हैं, जो प्रारंभिक बाल शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य सेवाओं और महिला सशक्तिकरण के माध्यम से बच्चों, महिलाओं और समुदायों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहे हैं। नंद घर नेटवर्क के अंतर्गत बच्चों और माताओं ने योगासन एवं प्राणायाम गतिविधियों में भाग लिया, जिससे स्वस्थ जीवनशैली और समग्र कल्याण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा मिला।

संक्षिप्त खबरें

कोडरमा जिला खो-खो संघ के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी से की शिष्टाचार मुलाकात

कोडरमा : आगामी 20वीं झारखंड राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष खो-खो चैंपियनशिप के सफल आयोजन को लेकर कोडरमा जिला खो-खो संघ के प्रतिनिधिमंडल ने भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने चैंपियनशिप के आयोजन एवं जिले में खो-खो खेल के विकास के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने की सहमति भी प्रदान की। कोडरमा जिला खो-खो संघ के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह के निदेर्शानुसार संघ के सचिव अमित कुमार, उपाध्यक्ष तौफीक हुसैन, रेफरी बोर्ड के अध्यक्ष कौशल कुमार तथा संयुक्त सचिव अभिजीत आनंद ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने कोडरमा जिले में खो-खो खेल की गतिविधियों, खिलाड़ियों की उपलब्धियों तथा आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। इस पर केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कोडरमा जिला खो-खो के क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। उन्होंने जिले में खो-खो खेल के निरंतर विकास की सराहना करते हुए कोडरमा जिला खो-खो संघ को भविष्य में भी हर संभव सहयोग एवं समर्थन देने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री महोदया का आभार व्यक्त करते हुए आगामी प्रतियोगिता में उनके मार्गदर्शन और उपस्थिति की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर खेल के विकास, खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने तथा जिले में खेल संस्कृति को और मजबूत बनाने पर भी सकारात्मक चर्चा हुई।

तलगड़िया मोड़ पर आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो का हुआ भव्य स्वागत

बोकारो : आजसू पार्टी के 41वें स्थापना दिवस के अवसर पर धनबाद में आयोजित जन आक्रोश रैली एवं स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने जा रहे आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो का तलगड़िया मोड़ में आजसू पार्टी बोकारो जिलाध्यक्ष सचिन महतो एवं चास नगर मेयर प्रत्याशी राजकुमार के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सचिन महतो ने केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो को पुष्पगुच्छ भेंट कर आजसू पार्टी के 41वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की। मौके पर केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने राज्यवासियों को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आजसू पार्टी का 41 वर्षों का संघर्ष, त्याग और जनसेवा का इतिहास झारखंड की अस्मिता, अधिकार और विकास के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी ने झारखंड आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई है और आज भी राज्य के हक एवं अधिकार की लड़ाई मजबूती से लड़ रही है। उन्होंने कहा, हमने राज्य बनाया है, हम ही राज्य को संवारेंगे। झारखंड के सर्वांगीण विकास, युवाओं के भविष्य, किसानों के हित और राज्यवासियों के अधिकारों के लिए आजसू पार्टी नए उलगुलान को तैयार है। मौके पर सांसद प्रतिनिधि दुर्गा चरण महतो, जिला परिषद सदस्य राजेश महतो, केंद्रीय सदस्य सुशेन रजवार, जिला सचिव बंकु बिहारी सिंह, जिला उपाध्यक्ष संतोष महतो, ज्योतिलाल महतो, मिथिलेश महतो, युधिष्ठिर हाजरा, बीरेन्द्र हरि, राजेश बोराल, विजय सिंह, जयदेव दत्ता, बबलू प्रमाणिक, मुन्ना ओझा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

रणविजय मेमोरियल संस्कार पब्लिक स्कूल में मनायी गयी रणविजय की पुण्यतिथि

कसमार : खैराचातर स्थित रणविजय मेमोरियल संस्कार पब्लिक स्कूल में सोमवार को स्वर्गीय रणविजय रोशन की 14वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनायी गयी। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों, कर्मियों एवं गणमान्य लोगों ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। प्राचार्या विभा पांडेय के निर्देशन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खैराचातर पंचायत के पूर्व मुखिया रामसेवक जायसवाल ने कहा कि रणविजय रोशन की स्मृति में प्रत्येक वर्ष विद्यालय द्वारा वार्षिक पुरस्कार समारोह आयोजित किया जाता है। हालांकि इस वर्ष प्रतिकूल मौसम के कारण समारोह को स्थगित कर दिया गया है, जिसे बाद में नई तिथि पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कम समय में ही यह विद्यालय क्षेत्र में सीबीएसई आधारित शिक्षा का एक प्रतिष्ठित केंद्र बनकर उभरा है। प्राचार्या विभा पांडेय ने कहा कि स्वर्गीय रणविजय रोशन समाज के प्रति समर्पित युवा थे। उनका असामयिक निधन विद्युत स्पशार्घात से हो गया था, लेकिन उनकी सोच और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आज भी लोगों को प्रेरित करती है।

तेनुघाट जलाशय में छाई डंपिंग पर बढ़ा विवाद, बांध सुरक्षा को लेकर उठे सवाल

तेनुघाट : तेनुघाट थर्मल पावर स्टेशन (टीटीपीएस) द्वारा पिछले 11 दिनों से तेनुघाट जलाशय क्षेत्र में किए जा रहे छाई (फ्लाई ऐश) डंपिंग को लेकर विवाद गहरा गया है। तेनुघाट बांध प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता ने 15 जून को महाप्रबंधक, टीटीपीएस को पत्र लिखकर इस पर कड़ी आपत्ति जताई थी और डंप की गई छाई को तत्काल हटाने का निर्देश दिया था। पत्र में चेतावनी दी गई थी कि ऐसा नहीं होने पर बांध सुरक्षा अधिनियम 2021 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि, आरोप है कि चेतावनी के बावजूद जलाशय क्षेत्र में छाई डंपिंग बंद नहीं हुई है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार इस मामले को लेकर स्थानीय विधायक सह पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री की नाराजगी के बाद बांध प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुजूर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं। इधर, तेनुघाट बांध विस्थापित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष उमाचरण रजवार ने पुन: पत्र देकर बांध की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि बारिश के पानी के साथ छाई जलाशय में बह रही है, जिससे जल प्रदूषण बढ़ने के साथ-साथ बांध की जल भंडारण क्षमता पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। उन्होंने मामले में राष्ट्रीय स्तर पर हस्तक्षेप की मांग करते हुए राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण से तत्काल कार्रवाई करने की अपील की है।

संक्षिप्त डायरी

नेपाल में भारी बारिश से उफान पर कोसी, बढ़ा जलस्तर, 1.5 लाख क्यूसेक पार करने की आशंका

पटना (एजेंसी) नेपाल के पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश का असर अब बिहार में दिखने लगा है. कोसी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है. कोसी बराज के 11 फाटक खोल दिए गए हैं और जल संसाधन विभाग अलर्ट मोड में आ गया है. तटबंधों पर चौकसी बढ़ा दी गई है. नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के कारण कोसी नदी उफान पर है. बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सीमावर्ती इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी गई है. कोसी बराज स्थित कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह 10 बजे कोसी नदी का डिस्चार्ज 97,935 क्यूसेक बढ़ते क्रम में दर्ज किया गया. जलप्रवाह में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए कोसी बराज के 11 फाटक खोल दिए गए हैं. बराहक्षेत्र से बढ़ रहा दबाव, जलस्तर में और उछाल की आशंका स्थिति को और गंभीर बनाने वाली बात यह है कि नेपाल के बराहक्षेत्र में भी जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है. सोमवार सुबह 10 बजे वहां 1,23,000 क्यूसेक जलप्रवाह रिकॉर्ड किया गया. विशेषज्ञों का मानना है कि बराहक्षेत्र से आने वाला अतिरिक्त पानी अगले कुछ घंटों में कोसी नदी के जलस्तर को और बढ़ा सकता है. जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के अनुसार यदि नेपाल में बारिश का सिलसिला जारी रहा तो सोमवार के दौरान कोसी का जलप्रवाह 1.5 लाख क्यूसेक के आंकड़े को पार कर सकता है. इससे तटबंधों पर दबाव बढ़ने की संभावना जताई जा रही है. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें इस वर्ष का सबसे अधिक जलस्तर, विभाग अलर्ट मोड में कोसी नदी का वर्तमान जलस्तर इस वर्ष का अब तक का सबसे अधिक स्तर माना जा रहा है. जल संसाधन विभाग के वीरपुर स्थित मुख्य अभियंता संजीव शैलेश ने बताया कि नेपाल में हुई बारिश के कारण नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है. उन्होंने कहा कि संभावित स्थिति को देखते हुए विभाग पहले से पूरी तैयारी में जुटा हुआ है. जलस्तर बढ़ने की सूचना मिलते ही संबंधित क्षेत्रों के जेई, एई और अन्य तकनीकी कर्मियों को उनके निर्धारित स्थलों पर भेज दिया गया है. संवेदनशील तटबंधों पर बढ़ाई गई निगरानी जल संसाधन विभाग ने कोसी तटबंधों और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चौकसी बढ़ा दी है. संवेदनशील और अतिसंवेदनशील तटबंधों का निरीक्षण किया जा रहा है. अधिकारियों को 24 घंटे निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति से समय रहते निपटा जा सके. प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है. विभागीय अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन जलस्तर में और वृद्धि की संभावना को देखते हुए लगातार निगरानी रखी जा रही है. प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नदी के किनारे अनावश्यक रूप से नहीं जाएं और प्रशासन द्वारा जारी निदेशों का पालन करें. किसी भी आपात स्थिति में तुरंत स्थानीय प्रशासन को सूचना

30 जुलाई से 28 अगस्त तक आयोजित होगा श्रावणी मेला, टेंट सिटी, इंटरटेनमेंट समेत मिलेंगी ये सुविधाएं

पटना (एजेंसी) बिहार में 30 जुलाई से श्रावणी मेले की शुरूआत होगी, जो कि 28 अगस्त तक चलेगी. भव्य तरीके से इस बार भी मेले का आयोजन किया जाएगा. पहलेजा घाट से गरीबनाथ तक श्रावणी मेले को लेकर खास तैयारी की जा रही है. पटना से मिथिलेश कुमार की रिपोर्ट पर्यटन विभाग देवघर की तर्ज पर पहलेजा घाट से बाबा गरीबनाथ तक श्रावणी मेला की सुविधाएं देगा. श्रद्धालुओं के लिए टेंट सिटी बनाए जायेंगे. इसके अलावा छोटे-छोटे शिविर भी बनाए जायेंगे. सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाने की तैयारी की गई है. पर्यटन विभाग कर रहा ये सभी सुविधाएं पर्यटन विभाग की ओर से श्रावणी मेला में कांवरियों के लिए टेंट सिटी, शौचालय, बाथरूम, शुद्ध पेयजल, निर्बाध बिजली जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं, कांवर स्टैंड, सूचनाएं और मनोरंजन आदि की व्यवस्था भी करेगा. इलाके साथ बिहार में प्रसिद्ध शिवालयों जैसे बाबा हरिहर नाथ, मधेपुरा का सिंहेश्वर धाम, अशोक धाम और दरभंगा कुशेश्वर स्थान में भी जिला प्रशासन की ओर श्रावणी मेला का आयोजन किया जाएगा. बाबा अजगैबीनाथ धाम से सीमा दुम्मा तक शिवमय होगा पथ जानकारी के मुताबिक, श्रावणी मेला में सुल्तानगंज से बिहार सीमा दुम्मा के बीच कांवरियों/श्रद्धालुओं के आवासन के लिए बाबा अजगैबीनाथ, सुल्तानगंज में पहले के 200 की जगह पर 500 बेड, बांका जिलान्तर्गत अबरखा में 600 बेड, पहली बार धौरी में 200 बेड, गोड़ियारी में 250 बेड, मुंगेर के खैरा में 200 बेड, धोबई में 200 बेड के साथ पहली बार असरगंज में 300 बेड, तारापुर में 200 और संग्रामपुर में 200 के बेडयुक्त टेंट सिटी का निर्माण कराने के निर्देश दिए गए हैं. सभी टेंट सिटी में कांवर स्टैंड, पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, बिजली, स्वास्थ्य सुविधा की पूरी व्यवस्था के साथ इस बार सभी टेंट सिटी में जीविका दीदी की रसोई की व्यवस्था की जाएगी. सांस्कृतिक कार्यक्रमों का होगा आयोजन सभी टेंट सिटी में पूरे मेला अवधि में टेंट सिटी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा. कलाकारों के चयन के लिए उन्होंने सभी जिला पदाधिकारियों को जिला स्तरीय स्क्रीनिंग समिति के गठन के निर्देश दिए हैं. भागलपुर में सोनपुर मेला की की तरह 25 स्वीस कॉटेज का निर्माण कराया जाएगा, जिसके लिए प्रशासन जमीन देगा.

पॉलिटिक्स ज्वाइन करेंगी पूर्व क्वीन काम्या मिश्रा? पसंदीदा पार्टी के बारे में बताया, नौकरी छोड़ने की बताई असल वजह

पटना (एजेंसी) पूर्व आईपीएस ऑफिसर काम्या मिश्रा क्या पॉलिटिक्स ज्वाइन करेंगी, यह सवाल चर्चा में आ गया है. दरअसल, मीडिया से बातचीत के दौरान काम्या मिश्रा ने अपनी पसंदीदा पार्टी के बारे में जिक्र किया. इसके साथ ही उन्होंने आईपीएस की नौकरी छोड़ने की वजह भी बताई. पटना से मिथिलेश कुमार की रिपोर्ट पूर्व आईपीएस काम्या मिश्रा एक बार फिर चर्चा में हैं. इस बार उन्होंने पॉलिटिक्स में आने के संकेत दिए हैं. बिहार में ही राजनीतिक करने की ओर उन्होंने इशारा किया है. एक इंटरव्यू में राजनीति में आने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं कभी यह नहीं कह सकती कि कोई काम कभी नहीं हो सकता. उन्होंने कहा कि इस पर अभी मजबूती से विचार नहीं किया है. पसंदीदा पार्टी के बारे में काम्या मिश्रा ने क्या बताया? इंटरव्यू के दौरान पूर्व आईपीएस काम्या मिश्रा ने अपनी पसंदीदा पार्टी के बारे में जिक्र किया. उन्होंने कहा कि देश के लिए अच्छा करने वाली, राष्ट्र की सुरक्षा और उनकी आईडियोलॉजी से मैच करने वाली पार्टी को वो ज्वाइन कर सकती हैं. भाग्य कहां लेकर जायेगा, इसे देखना होगा. साथ ही उन्होंने कहा कि वह पटना में एक स्कूल खोलना चाहती हैं. इसके बाद आगे का सोचेंगी. कहा कि जमीन पर आपने कुछ किया है तो, आपको वापस मिलेगा. बिहार को लोग राजनीति को लेकर काफी सजग काम्या मिश्रा ने कहा कि कमरे में रहकर सरकार को कोसने से बेहतर है कि इसे ठीक करने के लिए राजनीति में आएं. पॉलिसी बनाने में हिस्सा बनें. उन्होंने कहा कि पावर इसलिए चाहिए कि समाज के लिए बेहतर करना है. पढ़े-लिखे लोगों की बिहार में बहुत कद्र है, भले राजनीति में न हो. बिहार के लोग राजनीति को लेकर काफी सजग रहते हैं. वे अपनी राजनीतिक विचार कभी नहीं छोड़ते हैं. काफी सोचकर राजनीतिक फैसला करते हैं. आईपीएस की नौकरी छोड़ने की बताई ये वजह काम्या मिश्रा ने कहा है कि बिहार बहुत प्यारा राज्य है. आईपीएस की नौकरी किसी के दबाव में नहीं छोड़ी है. किसी तरह का दबाव मेरे ऊपर नहीं था. पापा का बिजनेस संभालने के लिए मैंने आईपीएस की नौकरी छोड़ी. बिहार को अनावश्यक बदनाम किया जाता है. किसी नेता ने मुझे किसी काम के लिए दबाव नहीं बनाया.

अब नहीं होगी सरकारी जमीन की गलत जमाबंदी, हर दाखिल-खारिज का होगा ऑनलाइन सत्यापन; मंत्री ने बताई सारी बात

पटना (एजेंसी) मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि सरकार अपनी एक-एक इंच जमीन की की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। इस नई व्यवस्था से सरकारी जमीन पर गलत तरीके से जमाबंदी कायम होने की आशंका खत्म होगी और भविष्य में भूमि विवादों पर भी अंकुश लगेगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार ने सोमवार को सरकारी जमीन की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने बिहार के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) के प्रत्येक मामले में निर्णय लेने से पहले संबंधित जमाबंदी का सरकारी भूमि अभिलेखों से अनिवार्य सत्यापन किया जाए। विभाग का मानना है कि इससे सरकारी जमीन पर गलत तरीके से जमाबंदी कायम होने

की संभावना समाप्त होगी और सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार सरकारी भूमि की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि कई मामलों में यह पाया गया है कि दाखिल-खारिज प्रक्रिया के दौरान सरकारी भूमि से संबंधित अभिलेखों का समुचित मिलान नहीं होने के कारण बाद में विवाद उत्पन्न होते हैं और सरकारी जमीन पर गलत जमाबंदी कायम होने की आशंका बनी रहती है। इसी को देखते हुए विभाग ने नई व्यवस्था लागू की है। मंत्री ने बताया कि बिहार भूमि पोर्टल के ई-जमाबंदी मॉड्यूल में सरकारी भूमि के डिजिटलीकरण, प्रविष्टि और सत्यापन के लिए आवश्यक तकनीकी प्रावधान पहले से उपलब्ध हैं। खतियान और सरकारी भूमि पंजी के आधार पर चिन्हित सभी सरकारी भूमि से संबंधित जमाबंदियों की सूची अंचल अधिकारियों के लॉगिन में उपलब्ध करा दी गई है। इससे किसी भी दाखिल-खारिज आवेदन के निष्पादन से पहले संबंधित भूमि का ऑनलाइन सत्यापन और मिलान आसानी से किया जा सकेगा। विभागीय समीक्षा के दौरान यह सामने आया था कि कुछ स्थानों पर म्यूटेशन मामलों में सरकारी भूमि से संबंधित अभिलेखों का नियमित मिलान नहीं किया जा रहा था। इसे गंभीरता से लेते हुए विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अंचल अधिकारियों को स्पष्ट रूप से सुनिश्चित कराएं कि प्रत्येक दाखिल-खारिज आवेदन का निपटारा सरकारी भूमि की उपलब्ध सूची की जांच और मिलान के बाद ही किया जाए। डॉ. जायसवाल ने कहा कि राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और तकनीक आधारित निगरानी को मजबूत करना विभाग की प्राथमिकता है।

बिहारभूमि पोर्टल के माध्यम से भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण और ऑनलाइन सत्यापन व्यवस्था न केवल सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि आम नागरिकों के हितों की भी रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि सरकारी भूमि का एक-एक इंच सुरक्षित रहे और किसी भी प्रकार की अनियमितता या त्रुटिपूर्ण जमाबंदी की संभावना पूरी तरह समाप्त हो। इसके लिए विभाग लगातार तकनीकी सुधार और निगरानी तंत्र को मजबूत कर रहा है।

भरत तिवारी के परिजन प्रशांत किशोर से मिले, 24 जून को महापंचायत में बुलाया

पटना (एजेंसी) पटना के बिहटा स्थित बिहार नव-निर्माण आश्रम में भोजपुर जिले के निवासी भरत भूषण तिवारी के परिजनों और मित्रों ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर से मुलाकात की. परिजनों ने पुलिस एनकाउंटर में मारे गए भरत तिवारी मामले में न्याय दिलाने की मांग की. प्रशांत किशोर ने इस लड़ाई में हर संभव सहयोग करने का भरोसा दिया है. भोजपुर निवासी भरत भूषण तिवारी के परिजन और उनके मित्र 22 जून को बिहटा स्थित बिहार नव-निर्माण आश्रम पहुंचे. यहां उन्होंने प्रशांत किशोर से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी दी. न्याय की मांग को लेकर परिजनों ने लगाई गुहार परिजनों ने प्रशांत किशोर से पुलिस एनकाउंटर में मारे गए भरत भूषण तिवारी मामले में न्याय दिलाने की मांग की. उन्होंने कहा कि इस मामले में निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई जरूरी है. 24 जून की पंचायत में शामिल होने का किया आग्रह भरत तिवारी के परिजनों ने प्रशांत किशोर से 24 जून को आयोजित होने वाली पंचायत में शामिल होने का आग्रह किया. उन्होंने इस मुद्दे को लेकर समर्थन और सहयोग की अपील की. प्रशांत किशोर ने दिया हरसंभव मदद का भरोसा प्रशांत किशोर ने परिजनों की बात सुनने के बाद उन्हें इस लड़ाई में हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया. उन्होंने मामले को लेकर सहयोग और समर्थन जारी रखने की बात कही. जन सुराज की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार यह मुलाकात पटना के बिहटा स्थित बिहार नव-निर्माण आश्रम में हुई. इस दौरान भरत भूषण तिवारी के परिजनों और मित्रों ने अपनी मांगों को लेकर प्रशांत किशोर से चर्चा की.

मुजफ्फरपुर में खुलने जा रहीं 4 बड़ी फैक्ट्रियां, 39.42 करोड़ की मंजूरी

पटना (एजेंसी) मुजफ्फरपुर के मोतीपुर औद्योगिक क्षेत्र में 39.42 करोड़ रुपये के निवेश से चार नई फैक्ट्रियां स्थापित होंगी. वाटर बॉटलिंग, फर्नीचर, इलेक्ट्रिकल डिवाइस और मिनरल वाटर यूनिट को मंजूरी मिली है, जिससे उत्तर बिहार में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे. मुजफ्फरपुर के मोतीपुर औद्योगिक क्षेत्र के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है. बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बियाडा) की प्रोजेक्ट क्लीयरेंस कमेटी ने मोतीपुर में चार नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को मंजूरी दे दी है. इन परियोजनाओं के जरिए क्षेत्र में 39.42 करोड़ रुपये का निवेश होगा, जिससे उत्तर बिहार में औद्योगिक गतिविधियों को नई रफ्तार मिलने के साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे. पटना में आयोजित बियाडा की प्रोजेक्ट क्लीयरेंस कमेटी

की बैठक में मोतीपुर औद्योगिक क्षेत्र का प्रदर्शन बेहतर रहा. बैठक में डूमरिया और बरियारपुर औद्योगिक क्षेत्र में नई फैक्ट्रियां स्थापित करने के प्रस्तावों को अंतिम स्वीकृति दी गई. इस फैसले के बाद स्थानीय स्तर पर उद्योगों के विस्तार और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है. डूमरिया में लगेगा बड़ा वाटर बॉटलिंग प्लांट वाटर बॉटलिंग प्लांट, फोटो- एआई मंजूर परियोजनाओं में सबसे बड़ा निवेश वाटर बॉटलिंग यूनिट में होगा. डूमरिया औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित होने वाले इस प्लांट के लिए बियाडा ने एक एकड़ भूमि आवंटित की है. करीब 15.89 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह प्लांट क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा. फर्नीचर निर्माण यूनिट में 14.75 करोड़ का निवेश फर्निचर निर्माण कार्य, फोटो- एआई डूमरिया औद्योगिक क्षेत्र में ही घरेलू सामान और फर्नीचर निर्माण से जुड़ी एक कंपनी को 20 हजार वर्ग फुट भूमि आवंटित की गई है. यह कंपनी लगभग 14.75 करोड़ रुपये का निवेश कर अपनी उत्पादन इकाई स्थापित करेगी. इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलने के साथ-साथ क्षेत्र में छोटे कारोबारों को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है. बरियारपुर में बनेगी इलेक्ट्रिकल डिवाइस फैक्ट्री मोतीपुर के बरियारपुर औद्योगिक क्षेत्र को भी इस योजना से बड़ी सौगात मिली है. यहां इलेक्ट्रिकल डिवाइस निर्माण करने वाली कंपनी को 21,780 वर्ग फुट भूमि आवंटित की गई है. करीब 6.89 करोड़ रुपये के निवेश से बनने वाली यह यूनिट इलेक्ट्रिकल उपकरणों के उत्पादन का केंद्र बनेगी. करीब 1.89 करोड़ रुपये की शुरूआती लागत से स्थापित होने वाली यह इकाई स्थानीय रोजगार और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देगी. बिहार में 627 करोड़ निवेश का रास्ता साफ उद्योग विभाग के सचिव सह बियाडा के प्रबंध निदेशक कुंदन कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में राज्यभर में कुल 30 औद्योगिक इकाइयों को 26.59 एकड़ भूमि आवंटित की गई. इससे बिहार में लगभग 627.83 करोड़ रुपये के निवेश का मार्ग प्रशस्त हुआ है. सरकार के अनुसार इन परियोजनाओं से राज्य में करीब 3,329 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है.

भरत तिवारी के मोबाइल में छिपा है कौन सा राज एनकाउंटर से पहले का वीडियो वायरल, उठ रहे कई सवाल

पटना (एजेंसी) भोजपुर के भरत तिवारी कथित एनकाउंटर मामले में वायरल वीडियो के बाद मोबाइल में मौजूद कथित सबूतों को लेकर सवाल उठ रहे हैं. परिजन फॉरेंसिक जांच और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं. भोजपुर के चर्चित भरत तिवारी कथित एनकाउंटर मामले में अब एक नया मोड़ सामने आया है. सोशल मीडिया पर भरत तिवारी का एक पुराना वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में भरत अपने मोबाइल फोन को लेकर कुछ अहम बातें कहते नजर आते हैं, जिसके बाद इस मामले में कई नए सवाल उठने लगे हैं. वीडियो में क्या कहते दिख रहे हैं भरत तिवारी? वायरल वीडियो में भरत तिवारी कथित तौर पर कहते हैं कि यदि उनके साथ कोई अनहोनी होती है तो उनका मोबाइल फोन उनके माता-पिता के अलावा किसी और के हाथ में नहीं जाना चाहिए. उनका दावा है कि मोबाइल में ऐसी जानकारियां और साक्ष्य मौजूद हैं जिन्हें मिटाया या झुठलाया नहीं जा सकता. वीडियो में उन्होंने अंगदान की इच्छा भी

व्यक्त की है. सांकेतिक तस्वीर मोबाइल को लेकर क्यों उठ रहे हैं सवाल? भरत तिवारी के परिजनों का कहना है कि मोबाइल की निष्पक्ष फॉरेंसिक जांच कराई जानी चाहिए. परिवार का दावा है कि मोबाइल में मौजूद डिजिटल साक्ष्य पूरे मामले की सच्चाई सामने ला सकते हैं. हालांकि अब तक जांच एजेंसियों ने मोबाइल से कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की है. जांच जारी, नहीं हुई दावों की पुष्टि वायरल वीडियो में किए गए सभी दावे भरत तिवारी के व्यक्तिगत बयान हैं. इन दावों की अब तक स्वतंत्र या आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. यह भी स्पष्ट नहीं है कि मोबाइल में वास्तव में कौन-सी सामग्री मौजूद है. इस पूरे मामले की न्यायिक जांच की घोषणा की जा चुकी है और आगे की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी. सियासी और कानूनी बहस तेज इस मामले को लेकर बिहार में राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है. विपक्ष निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है, जबकि परिजन सीबीआई जांच और मोबाइल की फॉरेंसिक जांच पर जोर दे रहे हैं. मामला अब न्यायिक जांच के दायरे में है.

आइए और नौकरी पाइए, गया जी में 24-25 जून को लगेगा रोजगार मेला, इतने पदों पर होगी भर्ती

पटना (एजेंसी) गया जी में 24 और 25 जून को रोजगार एवं कौशल मेला आयोजित होगा. निजी कंपनियां विभिन्न पदों पर भर्ती करेंगी. भागीदारी पूरी तरह निःशुल्क रहेगी. गया जी से हरिबंश कुमार की रिपोर्ट जी जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए अच्छी खबर है. बिहार सरकार के विभिन्न विभागों के सहयोग से 24 और 25 जून 2026 को रोजगार एवं कौशल मेला आयोजित किया जाएगा. इस दौरान कई निजी कंपनियां विभिन्न पदों के लिए अभ्यर्थियों का चयन करेंगी. खास बात यह है कि पूरी चयन प्रक्रिया निःशुल्क होगी. कब और कहां लगेगा रोजगार मेला? अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग तथा युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के तहत 24 जून 2026 को कौशल एवं रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा. यह मेला सुबह 10:30 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक बाबू जगजीवन राम कल्याण छात्रावास खेल परिसर, गया में आयोजित होगा. किन युवाओं को मिलेगा लाभ? इस रोजगार मेले का उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है. मेले में अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र की कंपनियों में नौकरी पाने का अवसर मिलेगा. रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित निजी कंपनियां भाग लेंगी. इनमें प्रमुख रूप से उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, चैतन्य माइक्रोफाइनेंस, ब्लिंकिट, फ्रीडम एम्प्लॉयबिलिटी एकेडमी, टैलेंटकॉर्प सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड तथा जोगिरा डॉट कॉम शामिल हैं. ये

कंपनियां विभिन्न पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों का चयन करेंगी. 25 जून को भी लगेगा रोजगार शिविर 25 जून 2026 को अवर प्रादेशिक नियोजनालय, केंदुई (गया) में सुबह 10:30 बजे से शाम 4:00 बजे तक रोजगार शिविर आयोजित किया जाएगा. इस शिविर में फ्रीडम एम्प्लॉयबिलिटी एकेडमी द्वारा शिक्षक पद के लिए 20 रिक्तियों पर भर्ती की जाएगी. शिक्षक पद के लिए क्या है योग्यता? शिक्षक पद के लिए अभ्यर्थी का स्नातक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है. आयु सीमा 18 से 45 वर्ष निर्धारित की गई है. चयनित उम्मीदवारों को 14,500 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा. इसके अलावा यात्रा एवं आवास भत्ता, सवेतन अवकाश तथा मेडिकल इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी. कार्यस्थल गया ही रहेगा. अभ्यर्थियों को क्या लेकर पहुंचना होगा? जिला प्रशासन ने इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि पर अपने बायोडाटा, शैक्षणिक प्रमाण-पत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ रोजगार मेला और रोजगार शिविर में भाग लेने की अपील की है.

NEET फजीवाड़े का बिहार कनेक्शन गहराया, 2024 में CBI की जांच झेल चुका अर्पित राज फिर गिरफ्त में, कई मेडिकल कॉलेजों में रेड

पटना (एजेंसी) को नीट की दोबारा से परीक्षा ली गई. ऐसे में एक बार फिर परीक्षा में फजीवाड़ा सामने आया. बिहार के लखीसराय से 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया. इसके साथ ही 40 से ज्यादा को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. ऐसे में पुलिस अब पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है. पटना से अनुराग प्रधान की रिपोर्ट नीट-यूजी परीक्षा में फर्जी परीक्षार्थियों को बैठाने का मामला अब राज्यव्यापी गिरोह और मेडिकल कॉलेज नेटवर्क का रूप लेता नजर आ रहा है. लखीसराय में नौ फर्जी परीक्षार्थियों की गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसियों का फोकस उन मेडिकल छात्रों और उनके सहयोगियों पर है, जिनके तार बिहार समेत देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से जुड़े बताए जा रहे हैं. बीएचयू, एम्स रायबरेली समेत कई संस्थानों के छात्र गिरफ्तार जिला प्रशासन के अनुसार गिरफ्तार किए गए सभी फर्जी परीक्षार्थी मेडिकल के छात्र हैं. इनमें बीएचयू, एम्स रायबरेली और अन्य मेडिकल कॉलेजों के छात्र शामिल बताए जा रहे हैं. गिरफ्तार आरोपियों में अर्पित राज, पूनम कुमारी, सौरभ झा, मयंक कश्यप, अमन अग्रवाल सहित अन्य नाम शामिल हैं. इस मामले में सबसे चर्चित नाम अर्पित राज का है. बताया जा रहा है कि वर्ष 2024 में भी उसे परीक्षा में फर्जी परीक्षार्थी बैठाने के आरोप में हिरासत में लेकर पूछताछ की गई थी। सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार अधिकांश आरोपी मेडिकल छात्र हैं और इनमें बीएचयू, एम्स रायबरेली, अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज, गया समेत अन्य संस्थानों के छात्र शामिल हैं. पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को आशंका है कि यह कोई स्थानीय गिरोह नहीं, बल्कि कई राज्यों में एक्टिव एक संगठित नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है. 20 और 21 जून को मेडिकल कॉलेजों से ली गई छुट्टियां जांच के घेरे में जांच में एक और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया कि कई मेडिकल कॉलेजों के छात्र 20 और 21 जून को बीमारी या अन्य कारणों का हवाला देकर छुट्टी पर थे. जबकि सभी मेडिकल कॉलेजों के स्टूडेंट्स को पहले ही 20 और 21 जून को कॉलेज में रहने के लिए कहा गया था. स्टूडेंट्स की सभी छुट्टियां रद्द कर दीं गईं थीं. इसके बावजूद कई एमबीबीएस छात्र बीमारी का हवाला देकर गायब रहे. अब पुलिस उन छुट्टियों के रिकॉर्ड, रजिस्टर और मोबाइल लोकेशन का मिलान कर रही है. आशंका जताई जा रही है कि इन्हीं दिनों गैंग के सदस्य अलग-अलग परीक्षा केंद्रों तक गए होंगे मोबाइल कॉल डिटेल्स से खुल रहे नेटवर्क के तार जांच एजेंसियां गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल फोन, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और सोशल मीडिया संपर्कों को खंगाल रही है. इसी के आधार पर गया, पटना, नालंदा समेत कई जिलों में लगातार छापेमारी की जा रही है. पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही इस नेटवर्क के मास्टरमाइंड तक पहुंचा जा सकेगा. 40 से अधिक हिरासत में, बढ़ सकती है संख्या लखीसराय से शुरू हुई कार्रवाई अब राज्य स्तर पर फैल चुकी है. अब तक नौ फर्जी परीक्षार्थियों की गिरफ्तारी की पुष्टि हुई है, जबकि 40 से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. इनमें बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन प्रक्रिया से कुछ कर्मियों के भी जांच के दायरे में होने की चर्चा है. अधिकारियों का मानना है कि गिरफ्तार आरोपियों की संख्या और बढ़ सकती है. इसके साथ ही

अलग-अलग जिलों में बायोमेट्रिक अटेंडेंस बनाने वाले निजी एजेंसी से भी पुलिस पूछताछ कर रही है. सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल परीक्षा को लेकर इस बार बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन और निगरानी के दावे किए गए थे. इसके बावजूद फर्जी परीक्षार्थियों का परीक्षा केंद्रों तक पहुंचना और परीक्षा में शामिल होना, सुरक्षा व्यवस्था की विफलता माना जा रहा है. सवाल यह भी उठ रहा है कि बिना किसी आंतरिक सहयोग के इतनी सख्त जांच प्रक्रिया को पार करना कैसे संभव हो गया. डीएम-एसपी की संयुक्त निगरानी में जांच मामले की गंभीरता को देखते हुए लखीसराय के डीएम शैलेंद्र कुमार और एसपी प्रेरणा कुमार की निगरानी में जांच जारी है. पुलिस का दावा है

चुकंदर से बनाएं फेशियल से मिलेगी ग्लास स्किन, 10 मिनट में मिलेगा पार्लर जैसा निखार

अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। आज हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

आज के समय में हर महिला ग्लास स्किन पाना चाहती है। ऐसी स्किन जो इतनी साफ और निखरी हो कि शीशे की तरह चमके। इस तरह का निखार पाने के लिए महिलाएं अक्सर महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन आप किचन में मौजूद एक चीज से अच्छे रिजल्ट पा सकती हैं। वो भी सिर्फ 20 रुपए में। बता दें कि चुकंदर सिर्फ स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी अच्छा माना जाता है। चुकंदर में एंटी ऑक्सीडेंट, विटामिन सी और कई मिनरल्स पाए जाते हैं। जो स्किन को गहराई से पोषण देने का काम करते हैं।

ऐसे में अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

फेस क्लींजिंग

फेशियल का सबसे पहला और जरूरी स्टेप स्किन की गहरानी से सफाई करता है। इससे स्किन की धूल-मिट्टी और ऑयल को दूर किया जा सकता है। वहीं चुकंदर का रस नेचुरल क्लींजर की तरह काम करता है। जोकि स्किन के पोर्स साफ करता है और विटामिन देता है। गुलाब जल स्किन को शांत करने के साथ ही नमी देने का काम करता है और स्किन के पीएच बैलेंस को बनाए रखता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
गुलाब जल-2 चम्मच
विधि

चुकंदर के रस में गुलाबजल मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें।

इसके बाद कॉटन को भिगोकर फेस और गर्दन को अच्छे से साफ कर लें।

ऐसा करने से सारी गंदगी साफ हो जाएगी और ऑयल भी साफ होगा। इससे आपकी तरोताजा लगेगी।

फेस स्क्रब

बता दें कि क्लींजिंग के बाद स्किन को एक्सफोलिएट करना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि डेड स्किन सेल्स हट जाएं और आपकी स्किन खुलकर सांस ले सके। इससे ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या दूर होती है। वहीं कॉफी नेचुरल एक्सफोलिएट है, जोकि डेड स्किन को हटाने, स्किन को स्मूथ बनाने और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में मदद करता है। चुकंदर का रस स्किन को पोषण और ग्लो देने का काम करता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्?मच
कॉफी पाउडर- 2 चुटकी
विधि

चुकंदर के जूस में कॉफी पाउडर मिलाकर इसको अच्छे से मिक्स करके दरदरा पेस्ट बनाएं।

अब इस स्क्रब को फेस और गर्दन पर लगाएं और उंगलियों में पोरों से हल्के हाथों से फेस पर 2-3 मिनट के लिए मसाज करें।

कुछ देर मसाज करने के बाद फेस को गुनगुने पानी से धो लें।

इससे आपका चेहरा पहले से ज्यादा साफ और चमकदार नजर आएगा।

स्किन लाइटिंग जेल

स्क्रबिंग के बाद स्किन को शांत करने और नमी देना जरूरी होता है। स्किन लाइटनिंग जेल आपकी त्वचा को ठंडक पहुंचाने के साथ चमकदार बनाने का काम करता है। एलोवेरा जेल हाइड्रेटिंग, सूदिंग और हीलिंग गुणों के लिए जाना जाता है। एलोवेरा स्किन की जलन को कम करता है, नमी को लॉक करता है और स्किन को सॉफ्ट बनाता है। एलोवेरा को चुकंदर के साथ मिलाकर लगाने से स्किन की रंगत में सुधार होता है और ग्लो आता है।

सामग्री
चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
एलोवेरा जेल- 2 चम्मच

विधि

सबसे पहले चुकंदर के रस में एलोवेरा जूस को अच्छे से मिक्स करें।

अब फेस को साफ करके 5 मिनट मसाज करें।

इसके बाद चेहरे को धो लें।

फेस पैक

फेशियल का लास्ट स्टेप फेस पैक होता है, जो आपकी स्किन को टाइट करने का काम करता है। स्किन को पोषण देता है और परमानेंट ग्लो देता है। इस फेस पैक में मौजूद बेसन आपकी स्किन की गहराई से सफाई करता है और एक्स्ट्रा ऑयल को सोखता है और स्किन की रंगत को निखारने का काम करता है। वहीं गेहूं का आटा स्किन को एक्सफोलिएट करने के साथ टैनिंग को रिमूव करने में भी मदद करता है। साथ ही चुकंदर का रस इस फेस पैक को एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर बनाने का काम करता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
आटा- 1 चम्मच
बेसन- 1 चम्मच

विधि

सबसे पहले बेसन में आटा और चुकंदर का जूस मिलाकर फेस पैक बनाएं।

अब इसको लाइटनिंग फेस पैक को फेस और गर्दन पर अप्लाई करें।

फिर 20 मिनट बाद फेस वॉश कर लें।

चुकंदर फेशियल के सभी स्टेप्स को पूरा करने के बाद आप पाएंगे कि आपकी स्किन में पॉजिटिव बदलाव आए हैं। इससे न सिर्फ आपकी स्किन साफ और तरोताजा बनेगी, बल्कि सॉफ्ट और शाइनी बन जाएगी। ठीक वैसे जैसे ग्लास स्किन होती है। इस फेशियल को सप्ताह में एक बार इस्तेमाल करने से आपकी स्किन की रंगत में सुधार होता है, स्पॉट्स आदि कम होते हैं और बिना किसी खर्चे के आपको शीशे जैसी चमकती स्किन मिलेगी।

क्या यूरिक एसिड में चना खा सकते हैं?

हाई यूरिक की समस्या समय के साथ बेहद गंभीर रूप लेनी लगती है। आपको ये जानकर हैरानी हो सकती कि जब शरीर में यूरिक एसिड बढ़ता है तो इसकी पथरियां आपकी किडनी में जमा होने लगती है। इसके अलावा ये शरीर के तमाम अंगों को भी प्रभावित करने लगता है जैसे कि ये हड्डियों के बीच पथरियों के रूप में जमा हो जाता है और सूजन का कारण बनने लगता है। ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि आप हाई प्रोटीन वाले फूड्स के सेवन से बचें। तो, ऐसे में सवाल ये है कि हाई यूरिक में चना खाएं या नहीं।

क्या हाई यूरिक में चना खा सकते हैं?

नहीं, अगर किसी को हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो उसे चना, चने की दाल और चने की बनी तमाम चीजों को खाने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए कि चने में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है जिससे यूरिक एसिड की समस्या तेजी से बढ़ती है। इतना ही नहीं अगर किसी को पहले से ही हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो चना खाना सूजन को ट्रिगर कर सकता है और दर्द का कारण बन सकता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको हाई यूरिक एसिड में चना खाने से बचना चाहिए।

अगर खाएं तो कैसे खाएं?

अगर आपका यूरिक एसिड बढ़ा हुआ है तो आपको चने को बिलकुल कम मात्रा में खान चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि इसे अंकुरित करके या फिर इस उबालकर खाएं। इस तरह से चने में फाइबर की मात्रा बढ़ती है जो कि पाचन क्रिया को इतना तेज कर देता है कि चने में मिलने वाला प्रोटीन पच जाता है। साथ ही ये मल में थोक जोड़ने का काम करता है जिससे पेट साफ होता है, प्यूरिन मल के साथ बाहर निकल जाता है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

तो, पहले तो चना खाने से परहेज करें और अगर आप खा भी रहे हैं तो इन बातों का ख्याल रखें। ऐसे करना आपको यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। इसकी जगह आप मूंग जैसी दाल का सेवन कर सकते हैं।

घर पर बना रहे हैं पंजाबी दाल तड़का, ये टिप्स आएंगे आपके बेहद काम

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

जब कुछ हल्का लेकिन टेस्टी खाने का मन होता है तो हम अक्सर दाल खाना पसंद करते हैं। अमूमन दाल को घर-घर में अलग तरीकों से बनाया जाता है। लेकिन अगर आपको चटपटा खाना पसंद आता है तो ऐसे में आप पंजाबी दाल तड़का बनाकर उसका स्वाद चख सकते हैं। पंजाबी दाल तड़का में लहसुन की खुशबू और ऊपर से लगाया हुआ तड़का आपको स्वाद की एक अलग दुनिया में लेकर आता है। आप दाल तड़का को चावल के साथ या फिर तंदूरी रोटी के साथ खा सकते हैं।

लेकिन अक्सर यह देखा जाता है कि हर बार दाल वैसी नहीं बनती। कभी ज्यादा पानीदार हो जाती है तो कभी इसका स्वाद उतना अच्छा नहीं आता है। ऐसे में जरूरी है कि आप पंजाबी दाल तड़का बनाते हुए कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो करें। इन टिप्स की मदद से आपकी दाल एकदम रेस्टोरेंट स्टाइल बनती है और हर किसी को वह खाने में बेहद ही अच्छी लगती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पंजाबी दाल तड़का बनाते समय फॉलो किए जाने वाले कुछ आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

अलग-अलग दालों का करें इस्तेमाल

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

दाल को आधे घंटे भिगोएं

दाल को कभी भी सीधे ही उबालने के लिए नहीं रखना चाहिए। इसकी जगह आप इसे कम से कम 30 मिनट भिगो कर रखें। इससे दाल जल्दी पकती है, बराबर पकती है और पाचन भी आसान होता है। ये रेस्टोरेंट वाली स्मूथ दाल की टेक्सचर का राज है।

दाल को अच्छी तरह पकाएं

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह पूरी तरह नरम होनी चाहिए, दानेदार नहीं। इसके लिए दाल में कम से कम 3-4 सीटी लगाओ, फिर अच्छी तरह मैश करो। मैश करने से दाल चिकनी और क्रीमी बनती है, जो रोटी या चावल के साथ खाने में काफी अच्छी लगती है।

तड़के का रखें ख्याल

पंजाबी दाल तड़का का असली स्वाद उसके तड़के में छिपा होता है, इसलिए आप उसके साथ किसी तरह का समझौता ना करें। तड़के के लिए देसी घी का इस्तेमाल करें। सबसे पहले उसे अच्छे से गरम करो, फिर जीरा, हींग, लहसुन और प्याज डालो। गरम घी में जीरा और लहसुन का पूरा स्वाद आता है और उसकी खुशबू निकलती है। अब आप इसे ठंडे घी में डालोगे तो वो क्रैकलिंग नहीं करेगा और फ्लेवर भी नहीं आएगा।

फीफा विश्व कप 2026 : मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर दर्ज की विश्व कप इतिहास की पहली जीत

एजेंसी

वैंकूवर : स्टार फुटबॉलर मोहम्मद सालाह के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मिस्र ने सोमवार को फीफा विश्व कप 2026 में इतिहास रच दिया। ग्रुप-जी के मुकाबले में मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर विश्व कप इतिहास की अपनी पहली जीत दर्ज की। मिस्र के लिए मोहम्मद सालाह और मुस्तफा ज़िको ने एक-एक गोल करने के साथ एक-एक गोल में सहयोग भी किया, जबकि तीसरा गोल ट्रेज़ेगेट ने किया। पहले हाफ में पिछड़ने के बाद मिस्र ने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया और ग्रुप-जी में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड ने मैच की शुरूआत शानदार तरीके से की और 15वें मिनट में फिन सुरमैन ने कॉर्नर से मिले मौके को हेडर में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी। पहले हाफ तक न्यूजीलैंड 1-0 से आगे रहा। दूसरे हाफ में मिस्र ने आक्रामक खेल दिखाया। 58वें मिनट में मोहम्मद हानी के बेहतरीन क्रॉस पर मुस्तफा ज़िको ने हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद 67वें मिनट में सालाह ने टूर्नामेंट का अपना पहला गोल दागते हुए मिस्र को बढ़त दिला दी। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 68वां गोल भी रहा। गोल के बाद सालाह ने दर्शकों की ओर मुट्ठी लहराकर जश्न मनाया और साथी खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया। 82वें मिनट में ट्रेज़ेगेट ने कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर मिस्र की जीत पक्की कर दी। यह विश्व कप में उनका पहला गोल रहा।

मिस्र के गोलकीपर मुस्तफा शोबीर ने चार महत्वपूर्ण बचाव किए, जबकि न्यूजीलैंड के गोलकीपर मैक्स क्रोकॉम्ब ने भी चार सेव किए। इस जीत के बाद मिस्र ग्रुप में मजबूत स्थिति में पहुंच गया है और शुक्रवार को ईरान के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मुकाबला खेलेगा। वहीं न्यूजीलैंड, जो अब भी विश्व कप में अपनी पहली जीत की तलाश में है, उसी दिन बेल्जियम से भिड़ेगा।

मैच के बाद सालाह ने कहा कि आने वाले वर्षों में इस जीत को मिस्र के फुटबॉल इतिहास की बड़ी उपलब्धियों में गिना जाएगा। उन्होंने मिस्री समर्थकों की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा था जैसे टीम अपने ही देश में खेल रही हो।

इराक के खिलाफ फ्रांस के लिए 100वां मैच खेलेंगे एम्बाप्पे

फिलाडेल्फिया : फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे सोमवार को इराक के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-आई मुकाबले में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 100वां मैच खेलने उतरेंगे। मुकाबले से पहले फिलाडेल्फिया में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए बेहद खास है। एम्बाप्पे ने कहा कि अपने देश के लिए खेलना हमेशा गर्व की बात होती है और विश्व कप जैसे मंच पर 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना इसे और भी यादगार बना देता है। उन्होंने कहा कि सौ का आंकड़ा ऐतिहासिक होता है और विश्व कप में इस उपलब्धि तक पहुंचना उनके लिए विशेष क्षण होगा। 27 वर्षीय एम्बाप्पे फ्रांस के लिए 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने वाले 10वें खिलाड़ी बन जाएंगे। हालांकि वह अभी भी पूर्व कप्तान और गोलरक्षक ह्यूगो लोरिस के 145 मुकाबलों के रिकॉर्ड से पीछे हैं। हाल ही में सेनेगल के खिलाफ दो गोल कर एम्बाप्पे फ्रांस के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन चुके हैं। उनके नाम अब 58 अंतरराष्ट्रीय गोल दर्ज हैं और उन्होंने ओलिवियर जिरू का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है।

10 खिलाड़ियों के साथ ईरान ने बेल्जियम को गोलरहित ड्रॉ पर रोका

लॉस एंजिलिस : फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-जी मुकाबले में रविवार को बेल्जियम को ईरान के खिलाफ निराशा हाथ लगी। पूरे मैच में दबदबा बनाने के बावजूद बेल्जियम 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए ईरान की मजबूत रक्षा पंक्ति को नहीं तोड़ सका और मुकाबला 0-0 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। दक्षिणी कैलिफोर्निया में खेले गए इस मुकाबले में दर्शकों का बड़ा समर्थन बेल्जियम को मिला, लेकिन ईरान ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए अंक बांटने में सफलता हासिल की। ईरान के गोलकीपर अलीरेजा बेइरानवंद टीम के सबसे बड़े नायक साबित हुए। उन्होंने पूरे मैच में सात महत्वपूर्ण बचाव किए और बेल्जियम के लगातार हमलों को विफल कर दिया। बेल्जियम ने गेंद पर अधिक नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके बनाए, लेकिन दूसरे हाफ में टीम को बड़ा झटका लगा जब डिफेंडर नाथन न्गोय को लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। उन्होंने गोल की ओर बढ़ रहे ईरानी स्ट्राइकर मेहदी तारेमी को रोकने के प्रयास में फाउल किया था। एक खिलाड़ी कम होने के बावजूद बेल्जियम ने हमले जारी रखे, लेकिन ईरान की अनुशासित रक्षा के सामने उसे सफलता नहीं मिली। इस ड्रॉ के बाद ईरान के अब दो अंक हो गए हैं और टीम अगले मुकाबले में शुक्रवार को सिएटल में मिस्र से भिड़ेगी। वहीं बेल्जियम के भी दो अंक हैं और उसका अगला मैच वैंकूवर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा।

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में 12 पदकों के साथ भारत की बढ़त मजबूत

प्रीतम केंद्रे ने जीता स्वर्ण पदक

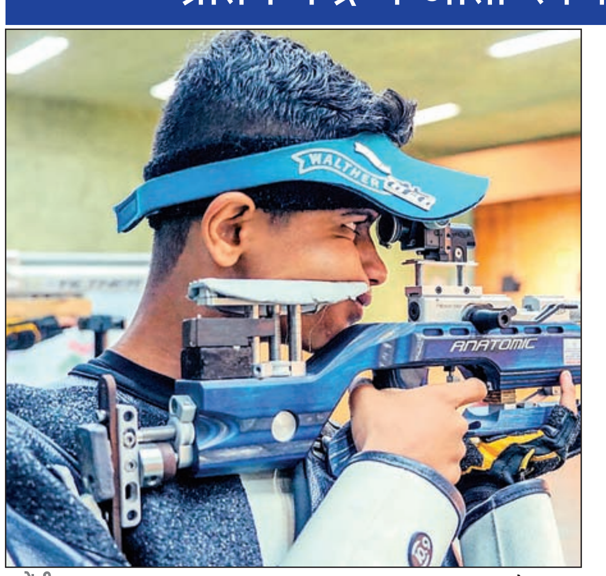

एजेंसी

नई दिल्ली : जर्मनी के सुहल में चल रही आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। प्रतियोगिता के दौरान भारत ने चार और पदक अपने नाम किए, जिससे कुल 12 पदकों के साथ भारत तालिका में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। भारत के प्रीतम केंद्रे ने पुरुष जूनियर 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शानदार और संयमित प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। इस उपलब्धि के साथ भारत को प्रतियोगिता में अपना पांचवां स्वर्ण पदक मिला। महिला जूनियर 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में अंजलि महेंद्र भागवत, परिषा गुप्ता और निथिला आइवी डार्लिंग प्रवीण क्रिस्टोफर की तिकड़ी ने कांस्य पदक जीतकर भारत की झोली में एक और सफलता डाली। पुरुष जूनियर 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में अभिनव चौधरी, राज चंद्र और जतिन ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। इससे पहले महिला जूनियर 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में अन्वी राठौड़ ने भी कांस्य पदक जीतकर भारत के अभियान को मजबूती दी। इन चार नए पदकों के साथ भारत का कुल पदक आंकड़ा अब 12 (5 स्वर्ण, 1 रजत और 6 कांस्य) तक पहुंच गया है। व्यक्तिगत और टीम दोनों वर्गों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारतीय दल ने प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम रखा है। आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 में भारतीय निशानेबाजों का यह प्रदर्शन देश की उभरती प्रतिभाओं और मजबूत प्रशिक्षण प्रणाली का संकेत माना जा रहा है।

चार साल बाद सिंगल्स कोर्ट पर वापसी करेंगी सेरेना विंबलडन 2026 के लिए मिला वाइल्डकार्ड

एजेंसी

लंदन : दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स एक बार फिर ग्रैंड स्लैम मंच पर वापसी करने जा रही हैं। 23 बार की ग्रैंड स्लैम विजेता सेरेना को विंबलडन 2026 के सिंगल्स वर्ग के लिए अंतिम वाइल्डकार्ड दिया गया है। इसके साथ ही वह लगभग चार साल बाद किसी बड़े टूर्नामेंट में सिंगल्स मुकाबला खेलती नजर आएंगी। 44 वर्षीय सेरेना पहले ही अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ डबल्स वर्ग में वाइल्डकार्ड हासिल कर चुकी थीं, लेकिन अब सिंगल्स में भी उनकी एंट्री ने खेल प्रेमियों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। सात बार की विंबलडन चैंपियन सेरेना ने आखिरी बार वर्ष 2022 में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। उस दौरान उन्हें पहले दौर में फ्रांस की खिलाड़ी हार्मनी तान से हार का सामना करना पड़ा था। उसी वर्ष अमेरिकी ओपन में उनका सफर तीसरे दौर में समाप्त हुआ था। उस समय सेरेना ने टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा नहीं की थी और कहा था कि वह खेल से आगे एक नए चरण में आगे बढ़ रही हैं। हालांकि पिछले वर्ष उनके दोबारा एंटी-डोपिंग परीक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उनकी वापसी की चर्चाएं तेज हो गई थीं। हाल ही में उन्होंने टेनिस कोर्ट पर वापसी करते हुए कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको के साथ डबल्स मुकाबले खेले। इसके बाद उन्होंने चेक गणराज्य की खिलाड़ी करोलिना मुचोवा के साथ भी डबल्स प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। अब सभी की नजरें विंबलडन पर होंगी, जहां सेरेना एक बार फिर सिंगल्स कोर्ट पर उतरकर अपने शानदार करियर में नया अध्याय जोड़ने की कोशिश करेंगी। इस वर्ष विंबलडन प्रतियोगिता 29 जून से 12 जुलाई तक आयोजित की जाएगी।

एफआईएच प्रो लीग 2025-26 : पाकिस्तान से दो मुकाबलों के साथ लंदन चरण में उतरेगा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26 के लंदन चरण में 23 से 28 जून तक मैदान में उतरेगी। इस चरण का सबसे बड़ा आकर्षण भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले दो मुकाबले होंगे। भारतीय टीम मेजबान इंग्लैंड से भी दो बार भिड़ेगी। नीदरलैंड के रॉटरडैम चरण के बाद भारतीय टीम लंदन पहुंच रही है, जहां उसने चार मुकाबलों में दो जीत दर्ज कर आत्मविश्वास हासिल किया था। अब टीम का लक्ष्य इस लय को आगे बढ़ाते हुए अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करना होगा।

भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले विशेष चर्चा में हैं, क्योंकि लगभग दो वर्ष बाद दोनों टीमें अंतरराष्ट्रीय मंच पर आमने-सामने होंगी। दोनों देशों की पिछली भिड़ंत 2024 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में हुई थी, जहां भारत ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। पिछले दस वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो भारत का पलड़ा पूरी तरह भारी रहा है। इस अवधि में दोनों टीमों के बीच 17 मुकाबले हुए, जिनमें भारत ने 15 जीते जबकि दो मुकाबले बराबरी पर समाप्त हुए। भारतीय टीम ने रॉटरडैम चरण की शुरूआत मेजबान नीदरलैंड से 2-3 की करीबी हार के साथ की थी, लेकिन इसके बाद विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-1 से हराकर शानदार वापसी की। वापसी मुकाबले में जर्मनी से 1-2 की हार मिली, लेकिन टीम ने अंतिम मैच में नीदरलैंड को 3-2 से हराकर अभियान सकारात्मक अंदाज में समाप्त किया। मुख्य प्रशिक्षक क्रेग फुल्टन ने लंदन चरण से पहले कहा कि टीम ने नीदरलैंड चरण में कई सकारात्मक प्रदर्शन किए और तैयारी का असर मैदान पर दिखाई दिया। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले को लेकर कहा कि टीम को इसे सामान्य मैच की तरह लेना होगा और अपनी प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इंग्लैंड को लेकर उन्होंने कहा कि यह इस समय अच्छी लय में चल रही टीम है और भारतीय खिलाड़ी इस चुनौती के लिए तैयार हैं। अंक तालिका में भारत फिलहाल 10 अंकों के साथ आठवें स्थान पर है। इंग्लैंड 26 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद है, जबकि पाकिस्तान अब तक अंक नहीं जुटा सका है और नौवें स्थान पर है। तीनों टीमों ने अब तक 12-12 मुकाबले खेले हैं।

संक्षिप्त खबरें

धीमी ओवर गति पर इंग्लैंड को बड़ा झटका 12 डब्ल्यूटीसी अंक कटे

लंदन : विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहली बार पहुंचने की इंग्लैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए दूसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण इंग्लैंड के 12 डब्ल्यूटीसी अंक काट लिए गए हैं। ओवल टेस्ट में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 253 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला बराबर कर दी। मैच के बाद यह पाया गया कि इंग्लैंड निर्धारित समय के मुकाबले 12 ओवर पीछे रहा। इसके चलते टीम पर अंक कटौती के साथ-साथ खिलाड़ियों की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अपने बयान में कहा कि इंग्लैंड के कार्यवाहक कप्तान जो रूट ने गलती स्वीकार कर ली और प्रस्तावित दंड को मान लिया, जिसके बाद औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। इस दंड के बाद विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में इंग्लैंड सातवें स्थान पर बना हुआ है, लेकिन उसका अंक प्रतिशत 34.72 से घटकर 26.38 हो गया है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका की शीर्ष दो टीमें अगले वर्ष लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल में आमने-सामने होंगी। फिलहाल शीर्ष दो स्थानों पर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका काबिज हैं। इंग्लैंड के नियमित कप्तान बेन स्टोक्स अब नॉटिंघम में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट में वापसी करेंगे। स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन दूसरे टेस्ट में लंदन के एक नाइट क्लब में समय सीमा उल्लंघन के कारण निलंबित रहे थे।

यूएस ओपन सुपर 300 में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे लक्ष्य सेन और तन्वी शर्मा

नई दिल्ली : पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन और युवा बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा मंगलवार से अमेरिका के फुलर्टन में शुरू हो रहे यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के अभियान की अगुवाई करेंगे। प्रतियोगिता में भारत के कई अनुभवी और युवा खिलाड़ी विभिन्न वर्गों में चुनौती पेश करेंगे। पुरुष एकल वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त और विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर मौजूद लक्ष्य सेन अपने अभियान की शुरूआत बेल्जियम के जूलियन करागी के खिलाफ करेंगे। लक्ष्य हाल ही में इंडोनेशिया ओपन में शुरूआती दौर में बाहर हो गए थे और अब वापसी की कोशिश करेंगे। प्रतियोगिता के दूसरे हिस्से में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। लक्ष्य का उनके खिलाफ अब तक का रिकॉर्ड 5-4 का है। पूर्व विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता और पांचवीं वरीयता प्राप्त किदांबी श्रीकांत पहले दौर में चीनी ताइपे के लियाओ झुओ-फू से भिड़ेंगे। वहीं सनीत दयानंद का मुकाबला जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोतो से होगा। एस. शंकर मुथुसामी सुब्रमणियन अपने अभियान की शुरूआत क्वालीफायर खिलाड़ी के खिलाफ करेंगे। महिला एकल वर्ग में भारत के सात खिलाड़ी मुख्य ड्रॉ में शामिल हैं। इनमें पांचवीं वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा और छठी वरीयता प्राप्त देविका सिहाग प्रमुख हैं। 17 वर्षीय तन्वी शर्मा ने इसी महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था। पहले दौर में जर्मनी की यवोन ली से खेलेंगी। इस सत्र में थाईलैंड मास्टर्स और अजरबैजान इंटरनेशनल जीत चुकी देविका सिहाग का मुकाबला पेरू की इनेस लूसिया कास्टिलो सालाजार से होगा। अनमोल खरब का सामना बुल्गारिया की कालोयाना नलबांतोवा से होगा। रक्षिता श्री एस क्वालीफायर खिलाड़ी के खिलाफ उतरेंगी और दूसरे दौर में उनकी संभावित भिड़ंत शीर्ष वरीयता प्राप्त मिशेल ली से हो सकती है। श्रियांशी वालिशेट्टी कनाडा की रेचल चान से खेलेंगी, जबकि तान्या हेमंत जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त रिको गुनजी से मुकाबला करेंगी। आकांक्षा कश्यप का सामना चीनी ताइपे की तुंग सिओ-टोंग से होगा।

महिला हॉकी में भारत का जलवा, नेशंस कप जीतकर रचा इतिहास

ऑकलैंड : भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने एफआईएच महिला नेशंस कप न्यूजीलैंड 2025-26 का खिताब जीतने के बाद कहा कि टीम शुरूआत से ही ट्रॉफी जीतने के स्पष्ट लक्ष्य के साथ मैदान में उतरी थी। भारत ने फाइनल में मेजबान न्यूजीलैंड को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया और इसके साथ अगले सत्र की एफआईएच प्रो लीग में भी जगह सुनिश्चित कर ली। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रही। टीम ने लीग चरण में अमेरिका, जापान और उरुग्वे को हराया, सेमीफाइनल में चिली को पराजित किया और फिर फाइनल में न्यूजीलैंड को मात देकर खिताब जीता। खिताबी मुकाबले में भारत ने तेज शुरूआत की। नवनीत कौर ने चौथे मिनट में पहला गोल किया, जबकि सुनेलिता टोप्पो ने 15वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। भारतीय टीम ने इसके बाद मजबूत रक्षण के दम पर मुकाबला अपने नाम कर लिया। जीत के बाद कप्तान सलीमा टेटे ने हॉकी इंडिया की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में कहा, यह ट्रॉफी उठाना शानदार अहसास है। हमारी पूरी टीम ने इस उपलब्धि के लिए कड़ी मेहनत की। हम इस प्रतियोगिता में ट्रॉफी जीतकर भारत लौटने के लक्ष्य के साथ उतरे थे। प्रो लीग में वापसी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण थी और हमें खुशी है कि हमने अपना उद्देश्य हासिल किया। उन्होंने आगे कहा कि आगामी विश्व कप से पहले यह जीत टीम के आत्मविश्वास को और मजबूत करेगी। उन्होंने कहा, विश्व कप से पहले यह सफलता हमें नई ऊर्जा और विश्वास देगी। टीम इस समय मजबूत मानसिकता के साथ खेल रही है और यह जीत आगे की तैयारियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी।

डॉ. मांडविया 23 जून को केरलम में खेल और फिटनेस कार्यक्रमों का करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली : केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 23 जून को केरलम के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह फिटनेस, खेल उत्कृष्टता और जनभागीदारी को बढ़ावा देने वाले कई प्रमुख कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। दौरे की शुरूआत तिरुवनंतपुरम में आयोजित साइक्लिंग बाय द सी कार्यक्रम से होगी। यह साइक्लिंग अभियान चक्कई औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से शंकुमुगम समुद्र तट तक आयोजित किया जाएगा। इसी दौरान केंद्रीय मंत्री जीवी राजा खेल विद्यालय, मायलोम का भी दौरा करेंगे। यह संस्थान देश के प्रतिष्ठित खेल विद्यालयों में शामिल है और यहां से अनेक खिलाड़ियों ने भारतीय खेलों में योगदान दिया है। इसके बाद डॉ. मांडविया केरल विश्वविद्यालय स्टेडियम में आयोजित आइचीझ्नागोया एशियाई खेल फन रन कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर किया जाएगा। इस फन रन में 40 हजार से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है, जिनमें विद्यार्थी, खिलाड़ी, युवा स्वयंसेवक और आम नागरिक शामिल होंगे।

एक नजर

दिल्ली में सीआईएसएफ मुख्यालय की नई इमारत का शिलान्यास

नयी दिल्ली: केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने सोमवार को यहां के लोधी रोड स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के नए बल मुख्यालय भवन की आधारशिला रखी। इस अवसर पर उन्होंने सीआईएसएफ की परिचालन और प्रशिक्षण क्षमताओं को मजबूत करने वाली 136.03 करोड़ रुपये की विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम में गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन कुमार डेका, सीआईएसएफ के महानिदेशक प्रवीर रंजन, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) द्वारा लगभग 75.78 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाला नया नौ मंजिला सीआईएसएफ मुख्यालय भवन बल की प्रशासनिक, परिचालन और रणनीतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र होगा। भवन में महानिदेशक और विभिन्न शाखाओं के कार्यालय, नियंत्रण कक्ष, सम्मेलन सुविधाएं, सभागार, पुस्तकालय, जिम्नेजियम तथा आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

इस दौरान बंदी संजय कुमार ने तीन पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। इनमें हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी में 34.22 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अधीनस्थ अधिकारियों का मेस 'आदित्य', 20.53 करोड़ रुपये की लागत से बना उन्नत प्रशिक्षण भवन 'अभ्यास' तथा तमिलनाडु के शिवगंगई जिले में चौथी रिजर्व बटालियन के लिए 5.50 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित आवासीय परिसर शामिल हैं।

ब्राह्मणों को उम्मीदवार बनाने से सपा में बढ़ी बेचैनी : मायावती

लखनऊ: बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को दावा करते हुए कि उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के तहत जब से पार्टी ने ब्राह्मण समाज सहित अपर कास्ट के लोगों को उम्मीदवार बनाना शुरू कर दिया है तब से विपक्षी दलों विशेषकर समाजवादी पार्टी (सपा) में बेचैनी बढ़ गई है। मायावती ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि वर्ष 2007 की तरह ब्राह्मण समाज के योगदान से बसपा को पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जैसा ही इस बार के आगामी चुनाव परिणाम के रिपीट होने की संभावना के तहत स्वाभाविक ही प्रतीत होता है। वैसे भी यह सर्वविदित है कि उत्तर प्रदेश जैसे विशाल आबादी वाले प्रदेश में अपरकास्ट में से खासकर ब्राह्मण समाज का हित बसपा में ही सुरक्षित है। 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' के सिद्धान्त, नीयत व नीति को बहुजन समाज पार्टी ने पहले पार्टी स्तर पर अमल करके और फिर सरकार बनने पर भी उन्हें भरपूर आदर-सम्मान के साथ-साथ उन्हें हर स्तर पर पूरी-पूरी भागीदारी दी है। दूसरी पार्टियों की सरकारों में इस वर्ग के लोग पिछले काफी समय से अपने आपको काफी उपेक्षित, असुरक्षित व ठगा हुआ भी महसूस कर रहे हैं। बसपा प्रमुख ने आगे कहा कि इतना ही नहीं बल्कि ब्राह्मण समाज द्वारा सामाजिक भाईचारा के आधार पर बसपा से जुड़ने की इनकी तैयारियों को ध्यान में रखकर इन्हें पार्टी उम्मीदवार बनाने की प्रक्रिया जारी है।

मप्र के छिंदवाड़ा में बेकाबू ट्रक ने पिकअप को मारी टक्कर, 6 मजदूरों की मौत और 20 घायल

मुख्यमंत्री ने हादसे पर जताया दुख, मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का ऐलान

एजेंसी

छिंदवाड़ा : मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में नेशनल हाइवे पर सावरी पुलिस चौकी क्षेत्र में सोमवार को मजदूरों से भरे पिकअप वाहन को एक तेज रफ्तार ट्रक ने जोरादर टक्कर मार दी। इस हादसे में छह मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों में चार महिलाएं और दो पुरुष हैं।

इस हादसे में 20 से ज्यादा मजदूर घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख व्यक्त कर मृतकों के परिजनों और घायलों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया है। पुलिस के अनुसार, हादसा छिंदवाड़ा-बैतूल नेशनल हाइवे पर ग्राम टेमनी खुर्द के पास सोमवार सुबह करीब पौने 10 बजे हुआ। पिकअप वाहन में ग्राम मछेरा के रहने वाले 25 मजदूर सवार थे और सभी सुबह सब्जी तोड़ने के लिए कन्हरगांव के लिए निकले थे। सावरी के पास ग्राम टेमनी खुर्द में पिकअप से कुछ मजदूरों को उतारा जा रहा है, इसी दौरान पीछे से यूरिया से लदे तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक का टायर फटा और वह अनियंत्रित होकर पिकअप को टक्कर मारने के बाद एक बाइक को कुचलते हुए सडक किनारे खंती में उतर गया।

हादसा इतना भीषण था कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार मजदूर दूर जा गिरे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को 108 एम्बुलेंस की सहायता से नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

सावरी पुलिस चौकी प्रभारी मुकेश द्विवेदी ने बताया कि पिकअप वाहन में बड़ी संख्या में मजदूर सवार थे। हादसे में छह लोगों की मौत हुई है और 20 लोग घायल हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कई घायलों की हालत गंभीर है, जिन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया है। डॉक्टरों की टीम घायलों के उपचार में जुटी है।

उन्होंने बताया कि मृतकों में मृतकों में बब्बू (35) पुत्र भूरू राजबेटे निवासी मछेरा, सावित्री (31) पत्नी सुरेश बनके निवासी मछेरा, शिवकली (45) पत्नी तुमराम निवासी मछेरा, लीलावती (45) पत्नी गरीबा शीलू निवासी मछेरा, सुकरवती (55 वर्ष) पत्नी रामचरण निवासी मछेरा एवं संतोष (45) पुत्र केशवराव सबनेरे निवासी हथलेवा के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए हैं और मामले की जांच जारी है। हादसे की जानकारी मिलने पर एसडीएम धीरेंद्र सिंह अस्पताल पहुंचे और घटना के संबंध मे जानकारी ली। उन्होंने घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश चिकित्सकों को दिए। उन्होंने बताया कि पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी है। शुरूआती तौर पर जांच में यह बात सामने आई है कि तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ।

'बंगाल का खोया हुआ सम्मान वापस लाने का प्रयास', बजट पेश होने के बाद बोले शुभेंदु अधिकारी

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने सोमवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 4.38 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस बजट को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह बंगाल की खोई हुई संस्कृति और सम्मान को वापस लाने की एक कोशिश है। बजट पेश होने के बाद भारतीय जनता पार्टी के राज्य मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि इसे पूर्ण बजट कहा जा सकता है, लेकिन उनकी सरकार के कार्यकाल के हिसाब से यह वास्तव में आठ महीने का बजट है। उन्होंने कहा कि बजट का उद्देश्य राज्य की आय और व्यय के बीच संतुलन कायम रखना है तथा सेवा शक्ति, उद्योग शक्ति और ज्ञान शक्ति समेत पांच प्रमुख क्षेत्रों को मजबूत करना है। मुख्यमंत्री शुभेंदु ने कहा कि बजट में पश्चिम बंगाल की विरासत, संस्कृति और गौरवशाली पहचान को पुनर्स्थापित करने के साथ वर्तमान आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने रोजगार सृजन के लिए त्रि-धारा अथवा त्रिशक्ति योजना को बजट का प्रमुख आधार बताया। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों में एक लाख नई नियुक्तियां की जाएंगी। इनमें 20,000 पुलिसकर्मियों तथा 50,000 शिक्षकों, शिक्षिकाओं, प्राध्यापकों और शैक्षणिक कर्मियों की नियुक्ति शामिल है। शेष 30,000 पदों पर विभिन्न सरकारी विभागों में संविदा कर्मियों और आंकड़ा प्रविष्टि कर्मियों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में कोई राजनीतिक व्यक्ति शामिल नहीं होगा और संघ लोक सेवा आयोग के अनुरूप पारदर्शी व्यवस्था अपनाई जाएगी।

ई-प्रॉसिक्यूशन ऐप 2.0 न्याय प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाएगा : अमित शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि ई-प्रॉसिक्यूशन ऐप 2.0 जांच एजेंसियों, अभियोजन तंत्र और न्यायिक प्रणाली को जोड़ने वाला नया सूचना राजमार्ग है, जो भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत निर्धारित समयसीमा में मामलों के निस्तारण को सुगम बनाएगा।

शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि ई-प्रॉसिक्यूशन ऐप 2.0 जांच एजेंसियों, अभियोजन और न्यायिक व्यवस्था के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेगा तथा मामलों के समयबद्ध निपटारे के लिए आवश्यक डिजिटल आधार प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से सूचनाओं और आंकड़ों का निर्बाध आदान-प्रदान संभव होगा, जिससे अपराधियों की पहचान करने में लगने वाला समय कम होगा। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों (ई-एविडेंस) के एकीकरण की प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी और तेज बनेगी। गृह मंत्री ने कहा कि यह प्रणाली मामलों की समयसीमा की निगरानी करने में भी सक्षम होगी, जिससे न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब कम होगा और लोगों को त्वरित तथा सटीक न्याय सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ई-प्रॉसिक्यूशन ऐप 2.0 आपराधिक न्याय प्रणाली के डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो जांच, अभियोजन और न्यायिक संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर न्याय वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और दक्ष बनाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने हाल ही में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की चार महत्वपूर्ण डिजिटल प्रणालियों का शुभारंभ किया था, जिनका उद्देश्य देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को तकनीक आधारित और अधिक प्रभावी बनाना है। इनमें अभिज्ञान प्रणाली (एप) के माध्यम से पुलिसकर्मी किसी भी स्थान पर संदिग्ध व्यक्तियों के अंगुली चिन्हों का राष्ट्रीय डाटाबेस से तत्काल मिलान कर सकेंगे। वहीं आपराधिक रिकॉर्ड और व्यक्तिगत जानकारी एप की मदद से मुखाकृति, नेत्र और आनुवंशिक पहचान मैचिंग का एकीकरण किया जा रहा है। यह मल्टी-मोडल बायोमेट्रिक तकनीक पहचान की विश्वसनीयता बढ़ाती है, मैनुअल चूक घटाती है और प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाती है।

ब्रिक्स सुरक्षा सलाहकारों की बैठक से पहले ईरान और इथियोपिया के नेताओं से मिले अजीत डोभाल

एजेंसी

नयी दिल्ली : ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों की बैठक में भाग लेने भारत आए ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के उप सचिव घादिर नेजामी और अफ्रीकी देश इथियोपिया की राष्ट्रीय खुफिया और सुरक्षा सेवा के विश्लेषण विभाग के कार्यकारी निदेशक मिलियन लेमा तदेस्से से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मुलाकात की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जानकारी दी कि एनएसए अजीत डोभाल ने 22 जून को ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की 16वीं बैठक के दौरान ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के उप सचिव घादिर नेजामीपुर से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। साथ ही ब्रिक्स मंच के तहत सहयोग और भारत-ईरान द्विपक्षीय संबंधों पर भी विचार-विमर्श किया। भारत में ईरानी दूतावार से एक्स पोस्ट में बताया कि अपनी यात्रा के दौरान घादिर नेजामी विभिन्न विशेष सत्रों में भाग लेंगे और सहभागी देशों के अधिकारियों से मुलाकात कर सुरक्षा मुद्दों तथा बहुपक्षीय सहयोग पर विचार-विमर्श करेंगे। बैठक में आतंकवाद, साइबर सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और बहुपक्षीय सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा होगी। एक अन्य पोस्ट में रणधीर जायसवाल ने बताया कि एनएसए अजीत डोभाल ने इथियोपिया की राष्ट्रीय खुफिया और सुरक्षा सेवा के विश्लेषण विभाग के कार्यकारी निदेशक मिलियन लेमा तदेस्से से भी मुलाकात की। इस मुलाकात में दोनों पक्षों ने भारत-इथियोपिया रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने और सहयोग बढ़ाने के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा की। उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली में 22 और 23 जून को ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों की 16वीं बैठक आयोजित हो रही है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की अध्यक्षता में होने वाली इस दो दिवसीय बैठक में साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आतंकवाद तथा अन्य गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा हो सकती है। यह बैठक इसी साल सितंबर के महीने में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का हिस्सा है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका समेत विस्तारित ब्रिक्स सदस्य देश भाग लेंगे।

राष्ट्रपति ने कूनो नेशनल पार्क का किया भ्रमण, दिल्ली हुईं रवाना

भोपाल : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को श्योपुर जिला स्थित प्रसिद्ध कूनो नेशनल पार्क का भ्रमण किया। इसके साथ ही उनका मध्य प्रदेश का पांच दिवसीय दौरा पूरा हो गया। राष्ट्रपति सोमवार सुबह 10.35 बजे वायुसेना के विमान से ग्वालियर से दिल्ली रवाना हो गईं। इस मौके पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। राष्ट्रपति मुर्मु रविवार शाम को कूनो नेशनल पार्क पहुंची थीं। उन्होंने रात्रि विश्राम कूनो पार्क में ही किया और सोमवार सुबह पार्क का भ्रमण कर 'चीता मित्रों' और सहरिया जनजाति के सदस्यों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने 'प्रोजेक्ट चीता' में उनके योगदान के लिए उनकी सराहना की। कूनो भ्रमण के बाद राष्ट्रपति मुर्मु श्योपुर से प्रातः 9.15 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर वायुसेना के विमानतल महाराजपुरा, ग्वालियर पहुंची।

पंजाब की सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी रखें कार्यकर्ता : नितिन नवीन

एजेंसी

लुधियाना : पंजाब के तीन दिवसीय दौरे पर आए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को लुधियाना में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक करके आगामी विधानसभा चुनाव पंजाब की सभी 117 सीटों पर लड़ने की तैयारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकताओं को सक्रिय करने और राज्यभर में भाजपा का कैडर बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं और कार्यकताओं को अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर जनता के बीच जाना होगा। बैठक में राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और आरके गुप्ता, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों, अश्वनी शर्मा, सुनील जाखड़, नरिंदर रामूवालिया और इकबाल सिंह लालपुरा सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

लुधियाना बस स्टैंड के पास एक होटल में हुई इस बैठक में पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक भी शामिल हुए। इनमें विजय सांपला, मनोरंजन कालिया, अविनाश राय खन्ना, मनप्रीत सिंह बादल, राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी, तीक्ष्ण सूद और अरुणेश शंकर समेत अन्य नेता मौजूद रहे। बैठक में शामिल एक वरिष्ठ भाजपा नेता के अनुसार नितिन नवीन का मुख्य फोकस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर रहा। राष्ट्रीय नेतृत्व का संदेश साफ था कि फिलहाल संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियान पर ध्यान दिया जाए, जबकि गठबंधन से जुड़े फैसले केंद्रीय नेतृत्व पर छोड़ेर जाएं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह बैठक भाजपा की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत पार्टी पंजाब में अपनी संगठनात्मक ताकत को स्वतंत्र रूप से परखना चाहती है और 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले खुद को एक मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा नितिन नवीन ने पंजाब के युवाओं से भी संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने कानून-व्यवस्था, रोजगार और कारोबार से जुड़ी चुनौतियों पर अपने विचार रखे।

संक्षिप्त खबरें

तमिलनाडु गैस रिसाव मामले का मानवाधिकार आयोग ने लिया स्वत : संज्ञान

नई दिल्ली: राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में एक झींगा प्रसंस्करण कारखाने में अमोनिया गैस रिसाव मामले का स्वत: संज्ञान लिया है। इस हादसे में दो महिला श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक कर्मचारी बीमार पड़ गए। आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। प्रकाशित खबरों के अनुसार यह हादसा रविवार (21 जून) को उस समय हुआ, जब कारखाने के कर्मचारी पास के ही एक कमरे में आराम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक अमोनिया गैस का रिसाव शुरू हो गया और जहरीली गैस उस कमरे में फैल गई। गैस के प्रभाव से दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि कमरे में मौजूद अन्य लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए। हादसे के तुरंत बाद 59 श्रमिकों को चेन्नई और तिरुवल्लूर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। आयोग ने रिपोर्ट में श्रमिकों के स्वास्थ्य की स्थिति के साथ-साथ, मृतक श्रमिकों के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से दिए जाने वाले मुआवजा का विवरण भी शामिल करने का निर्देश दिया है।

मणिपुर में राजमार्ग बंदी प्रदर्शन हिंसक, सुरक्षा बलों-प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प में तीन लोग घायल

इंफाल: मणिपुर के कांगपोकपी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर सोमवार को आयोजित आपातकालीन बंदी प्रदर्शन हिंसक हो गया। न्यू कीथेलमनबी क्षेत्र में राजमार्ग अवरुद्ध करने का प्रयास कर रहे कुकी प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़प में कम से कम तीन लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है। घटना के बाद इलाके में तनाव व्याप्त है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। कुकी नागरिक समाज संगठनों द्वारा बुलाया गया राजमार्ग बंद लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारी कुकी बहुल गांवों में कथित रूप से चलाए जा रहे सुरक्षा अभियानों का विरोध कर रहे हैं। बड़ी संख्या में लोग इंफाल-जिरीबाम राष्ट्रीय राजमार्ग पर एकत्र हुए और वाहनों की आवाजाही रोकते हुए सुरक्षा अभियानों को तत्काल बंद करने की मांग करने लगे। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि हाल के दिनों में सुरक्षा बलों द्वारा उनके क्षेत्रों में चुनिंदा और लक्षित कार्रवाई की जा रही है, जिससे समुदाय के लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्थिति उस समय बिगड़ गई जब सुरक्षा बलों ने राजमार्ग पर यातायात बहाल कराने और प्रदर्शनकारियों को सड़क से हटाने का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों ने कथित तौर पर ब्लैंक फायरिंग, स्मोक बम और अन्य दंगा-नियंत्रण उपायों का इस्तेमाल किया। इसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कई लोग इधर-उधर भागने लगे। कुकी इनपी साउथ वेस्ट सदर हिल्स (केआईएसडब्ल्यू-एसएच) ने घटना की कड़ी निंदा की है। संगठन ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों को हटाने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े, ब्लैंक गोला-बारूद का उपयोग किया और लाठीचार्ज किया। संगठन का दावा है कि झड़प में कम से कम तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। अपने बयान में केआईएसडब्ल्यू-एसएच ने कहा कि प्रशासन ने लोगों की चिंताओं और शिकायतों को सुनने के बजाय बल प्रयोग का रास्ता अपनाया है। संगठन का कहना है कि यह आंदोलन कुकी बहुल क्षेत्रों में कथित भेदभावपूर्ण और लक्षित तलाशी अभियानों के विरोध में शुरू किया गया है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि ऐसे अभियानों को तुरंत रोका जाए और प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित किया जाए। संगठन ने क्षेत्र में जारी जातीय तनावों के लिए एनएससीएन-आईएम और उसके कथित सहयोगी जेडयूएफ-कैमसन गुट को जिम्मेदार ठहराते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा तथा विरोध-प्रदर्शन तेज किए जाएंगे।

आधार ऐप 5 महीने में 31 मिलियन से अधिक डाउनलोड

नयी दिल्ली: केन्द्र सरकार की ओर से शुरू किए गए नए आधार ऐप को देश भर में जनता की भारी स्वीकृति मिल रही है। शुरू होने के 5 महीने से भी कम समय में इस ऐप के डाउनलोड का आंकड़ा 31 मिलियन (3.1 करोड़) के पार पहुंच गया है।

AADHAAR

यह तेजी से बढ़ती संख्या लोगों के बीच ऐप की उपयोगिता और इस पर बढ़ते भरोसे को स्पष्ट रूप से दशार्ती है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार 'ईज ऑफ लिविंग' यानी जीवन को सुगम बनाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया यह नया ऐप लोगों को उनके स्मार्टफोन के जरिए ही कई जरूरी डिजिटल सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। ऐप के जरिए अब तक लगभग 40 लाख लोगों ने नए आधार ऐप का उपयोग करके अपने मोबाइल नंबर अपडेट किए हैं। वहीं, लगभग 8.5 लाख (8,50,000) लोगों ने ऐप का उपयोग करके अपना पता अपडेट किया है। यह ऐप आधार नंबर धारकों को उनकी पहचान दिखाने, साझा करने और सुरक्षित तरीके से सत्यापित करने का एक सुविधाजनक और 'गोपनीयता-प्रथम' जरिया प्रदान करता है। इसमें सुरक्षा और जनहित को ध्यान में रखते हुए कई आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। इनमें बायोमेट्रिक लॉक/अनलॉक, चेहरे से सत्यापन, प्रमाणीकरण इतिहास, क्यूआर-कोड आधारित संपर्क कार्ड और ऑनलाइन अपॉइंटमेंट शामिल है। मंत्रालय के मुताबिक, यह ऐप आम जिंदगी के कई जरूरी कामों में बेहद मददगार साबित हो रहा है। इससे ऑफलाइन वेरिफिकेशन सीकिंग एंटिटी (ओवीएससई) के क्यूआर कोड स्कैनिंग के माध्यम से होटलों में चेक-इन करना आसान हो गया है। इसके अलावा अस्पतालों में भर्ती होने, आगंतुक प्रबंधन, इवेंट एंट्री, और गिग वर्कर्स या सर्विस पार्टनर्स की पहचान सत्यापन जैसे कई अन्य उपयोगों में भी सहायक है। यह नया आधिकारिक ऐप एंड्रॉयड और ऐप्पल दोनों प्लेटफॉर्म पर मुफ्त डाउनलोड के लिए उपलब्ध है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902